



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4]
No. 4]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 27, 1979/माघ 7, 1900
NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 27, 1979/MAGHA 7, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न की जाती है जिससे ऐसे वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य भेद्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आवेदन और प्रधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

प्रावेश

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 1978

का० आ० 289.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए सांविधिक निर्वाचन के लिए 69-सिन्नर निर्वाचन-खेत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भावेश्वर कलेश्वर भिवाजी, भवन सं० ११, कमरा सं० १८, सर्वोदय हाउसिंग सोसायटी, अमृतनगर, बौद्धा, मुंबई-५१ लोक प्रतिनिधित्व प्रथितियम, 1951 तथा तदृशीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित घपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्मत मूल्यना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा सांजटीकरण नहीं दिया है, श्रीर, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोमित्र नहीं है।

यतः प्रव, उक्त प्रथितियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एनद्वारा उक्त श्री भावेश्वर भिवाजी को संवेद के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के गदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रावेश को तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० महा० वि० सं० 69/78(41)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 28th December, 1978

S.O. 289.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhalerao Kaleshwar Bhivaji, Building No. 9, Room No. 18, Survodaya Housing Society, Amrutanagar, Bandra(E), Bombay-51 a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 69-Sinnar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhalerao Kaleshwar Bhivaji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/69/78(41)]

का० आ० 294.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुग्रह में, केन्द्रीय सरकार एन्डवेदारा भैससं करीना शू कम्पनी निमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 1148/75) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[सं० 2/43/78-एम-2/एम-1]

S.O. 294.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. Corona Shoe Co. Ltd., under the said Act (Certificate of Registration No. 1148/75).

[No. 2/43/78-M. II/M. I]

का० आ० 295.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुग्रह में, केन्द्रीय सरकार एन्डवेदारा भैससं स्कॉमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 568/70) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[सं० 2/33/78-एम-2/एम-1]

S.O. 295.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. Rukmini Mills Limited under the said Act (Certificate of Registration No. 568/70).

[No. 2/33/78-M. II/M. I]

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1979

का० आ० 296.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुग्रह में, केन्द्रीय सरकार एन्डवेदारा दै० धी राजेन्द्र गिल निमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 624/70) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[सं० 2/28/77-एम-2/एम-1]

वेद प्रकाश उपाल, बद्री सचिव

New Delhi, the 9th January, 1979

S.O. 296.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. Sree Kajendra Mills Limited under the said Act (Certificate of Registration No. 624/70).

[No. 2/28/77-M. II/M. I]

VED PRAKASH UPPAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1979

(कम्पनी विधि बोर्ड)

का० आ० 297.—भारत सरकार के शून्यपूर्व कम्पनी नियमिताग की अधिसूचना स० ना० का० नि० 413 (३), तारीख 18

फेब्रुअरी 1972 के मात्र पठन कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 108 की उप-धारा (1ग) के उप-खण्ड (ब) के उप-खण्ड (३) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कम्पनी विधि बोर्ड, 1 जनवरी, 1978 से भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 3 के अंतर्गत यातिरीय यूनिट ट्रस्ट को उक्त धारा के पांचवां के विषय विशेष संस्था के रूप में अनुमोदित करता है।

[फाइल सं० 33/1/78-सी० एल० ५]

प० नीलाकान्तन, सदस्य, कम्पनी विधि बोर्ड

New Delhi, the 15th January, 1979

(COMPANY LAW BOARD)

S.O. 297.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (B) of sub-section (1C) of section 108 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with the notification of the Government of India in the late Department of Company Affairs No. G.S.R. 443(E), dated the 18th October, 1972, the Company Law Board hereby approves with effect from the 1st January, 1978, Unit Trust of India, established under section 3 of the Unit Trust of India Act, 1963, as a financial institution for the purposes of the said sub-section.

[File No. 33/1/78-C.L.V.]

A. NIELAKANTAN, Member,
Company Law Board.

गृह भंशालम्

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1979

का० आ० 298.—मंविवान के अनुच्छेद 340 द्वारा प्रदत्त अविक्षियों का प्रयोग करते हुए गोप्यति इमंके द्वारा भारत के राज्य क्षेत्र अंतर्गत सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग की दशाओं की जाँच करने के लिए गिछड़ा वर्ग प्रायोग चला जाने वाला प्रायोग नियुक्त करते हैं। इस प्रायोग में निम्नलिखित व्यक्ति होंगे:—

1. श्री बी०पी०म० मडन, मंत्रवदस्य	—अध्यक्ष
2. श्री विवान मोहन लाल	—सदस्य
3. श्री आर०आर० मोले	—सदस्य
4. श्री कौ० सुदृश्यम	—सदस्य
5. श्री दीन रंग साहा	—सदस्य
2. श्रायोग के विचारधर्म विषय निम्नलिखित होंगे:—	
(1) नागरिक तथा शैक्षिक रूप में पिछड़े वर्गों को परिवासित करने के लिए मानविक विधानित करना;	
(2) इस दृष्टि परिवाप्त नागरिकों के सामाजिक तथा शैक्षिक चारों दिशों पर प्रदान के लिए किए जाने वाले उपायों की सिफारिश करना;	
(3) नागरिकों के उत्तराधिकारों के लिए जिनका संघ या किसी भी अन्य को सेवाओं और पदों में नवचिन प्रतिविधित नहीं है, उन्हें नियुक्तियों या पदों में आरक्षण की व्यवस्था करने की विधियां या प्रत्यक्ष की जाँच करना; और	

(4) राष्ट्रपति को रिपोर्ट प्रस्तुत करना जिसमें उनके द्वारा पाये गए तथ्यों का निरूपण किया गया हो तथा उनके द्वारा उचित समझी गई सिफारिशों की गई हों।

इस संबंध में आयोग पहले नियुक्त किए गए पिछड़े वर्ग आयोग की सिफारिशों तथा उन तथ्यों पर भी विचार कर सकता है जो सरकार द्वारा उसकी सिफारिशों को स्वीकार करने में बाधक हुई।

3. (1) आयोग

(क) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों, संघ गांधित क्षेत्र प्रशासनों और ऐसे अन्य प्राधिकरणों, संगठनों या व्यक्तियों से जो आयोग के विचार से उनके लिए सहायक हो सकते हैं ऐसे रूप में या ऐसे तरीके से जैसे वे उचित समझें, ऐसी सूचना प्राप्त कर सकता है जिसे वे अपने प्रयोजन के लिए आवश्यक या संगत समझें; और

(ख) अध्यक्ष द्वारा या उसके प्राधिकार के अधीन निर्धारित समयों तथा स्थानों पर अपनी बैठकें या ऐसी उप समितियों की बैठक कर सकते हैं जिसे वे अपने ही सदस्यों में से बनाएं।

(2) आयोग या इसके द्वारा बनाई गई किसी उप समिति की किसी राज्य में मान्व के दौरान और आयोग या उसकी किसी उप समिति की किसी राज्य में हो रही बैठक के दौरान, आयोग द्वारा व्यक्तियों को जो उस राज्य के और पिछड़े वर्ग के हों आयोग या उप समिति के, जैसा भी मामला हो, अतिरिक्त सदस्यों के रूप में सहयोगित कर सकता है।

4. आयोग का मुख्यालय फिल्सी में होगा।

5. आयोग राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट 31 दिसम्बर, 1979 तक प्रस्तुत करेगा।

राष्ट्रपति के आवेदन से

[सं. बी. सी. ०-१३० १३/९/७८-एससीटी-(i)]
पी. एस. कृष्णन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 1st January, 1979

S.O. 298.—In exercise of the powers conferred by article 340 of the Constitution, the President hereby appoints a Commission to be called the Backward Classes Commission consisting of the following persons, to investigate the condition of socially and educationally backward classes within the territory of India, namely :—

1. Shri B. P. Mandal, M.P.	— Chairman
2. Shri Dewan Mohan Lal,	— Member
3. Shri R. R. Bhole,	— Member
4. Shri K. Subramaniam,	— Member
5. Shri Dina Bandhu Saha,	— Member

2. The terms of reference to the Commission shall be :

- to determine the criteria for defining the socially and educationally backward classes;
- to recommend steps to be taken for the advancement of the socially and educationally backward classes of citizens so identified;

(iii) to examine the desirability or otherwise of making provision for the reservation of appointments or posts in favour of such backward classes of citizens which are not adequately represented in public services and posts in connection with the affairs of the Union or of any State; and

(iv) present to the President a report setting out the facts as found by them and making such recommendations as they think proper.

In this connection, the Commission may also examine the recommendations of the Backward Classes Commission appointed earlier and the considerations which stood in the way of the acceptance of its recommendations by Government.

3. (1) The Commission may —

- obtain such information as they may consider necessary or relevant for their purpose in such form and such manner as they may think appropriate, from the Central Government, the State Governments, the Union Territory Administrations and such other authorities, organisations or individuals as may, in the opinion of the Commission, be of assistance to them; and
- hold their sittings or the sittings of such sub-committees as they may appoint from amongst their own members at such times and such places as may be determined by, or under, the authority of the Chairman.

(2) During the visits of the Commission or of any sub-committee appointed by them to any State and during any sittings held by the Commission or any such sub-committee in any State, the Commission may co-opt two persons, who belong to that State and who are members of backward classes, to be additional members of the Commission or the sub-committee, as the case may be.

4. The Headquarters of the Commission will be located at Delhi.

5. The Commission shall present their Report to the President not later than the 31st December, 1979.

By Order of the President
[No. B.C. 13013/9/78-SCT (i)]
P. S. KRISHNAN, Jt. Secy.

विषय मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1978

आयकर

का. आ. 299.—आयकर विभाग, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (3) का अनुसरण करते हुए तथा राजस्व विभाग में भारत सरकार की दिनांक 24 मई, 1977 की अधिसूचना संख्या 1777 (फा. सं. 404/105/77-आ. क० म० क०) का अधिलंबन करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा श्री प्रभानी को, जो भारत सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उपर्युक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों के प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री एस. प्रभानी द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार प्राप्त करने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 2576 (फा. सं. 404/27/78-आ. क० म० क०)]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

New Delhi, the 8th November, 1978

INCOME-TAX

S.O. 299.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) and in supersession of the Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 1777 (F. No. 404/105/77-ITCC) dated 24-5-1977 the Central Government hereby authorises Shri S. R. Tripathi being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise of powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri S. R. Tripathi takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2576 (F. No. 404/27/78-ITCC)]

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1978

आयकर

का०आ० 300.—प्रयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के उप-खण्ड (iii) का अनुमरण करने हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री सी० एस० सेतुरामन को, जो भारत सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री सी० एस० सेतुरामन द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार प्रहृण किये जाने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2596 (फा०सं० 404/103/78-आ०क०स०क०)]

New Delhi, the 28th November, 1978

INCOME TAX

S.O. 300.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri C. S. Sethuraman being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri C. S. Sethuraman takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2596 (F. No. 404/103/78-ITCC)]

आयकर

का०आ० 301.—प्रयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुमरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, भारत सरकार के राजस्व तथा बीमा विभाग की दिनांक 10-9-73 की अधिसूचना में 469 (फा०सं० 404/138/73-आ०क०प०क०) में, निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् उपर्युक्त अधिसूचना में श्री ए० सुन्दरसू, श्री आर० शेषगिरि राव एवं श्री टी० षण्मुखन शम्भवों और अबरों के स्थान पर “श्री ए० सुन्दरसू एवम् श्री टी० षण्मुखन,” शम्भवों और अबरों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[सं० 2595 (फा०सं० 404/103/78-आ०क०स०क०)]

INCOME TAX

S.O. 301.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue & Insurance No. 469 (F. No. 404/138/73-ITCC) dated 10-9-1973 namely in the same notification for the letters and words “Sarvshri A. Sundaram, R. Seshagiri Rao and T. Shanmughan” the letters and words “Sarvshri A. Sundaram and T. Shanmughan” shall be substituted.

[No. 2595 (F. No. 404/103/78-ITCC)]

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1978

आयकर

का० आ० 302.—प्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (3) के अनुमरण में और भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की दिनांक 27 जून, 1977 की अधिसूचना में 1835 (फा०सं० 404/151/77-आ०क०स०क०) के प्रयोगलंबन में बैंकों द्वारा एतद्वारा श्री बनी सिंह को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री बनी सिंह द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार प्रहृण किये जाने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 2607 (फा०सं० 404/101/78-आ०क०स०क०)]

New Delhi, the 12th December, 1978

INCOME TAX

S.O. 302.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of the Notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 1835 (F. No. 404/151/77-ITCC) dated 27-6-1977 the Central Government hereby authorises Shri Bani Singh being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Bani Singh takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2607 (F. No. 404/101/78-ITCC)]

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 1978

आयकर

का० आ० 303.—प्रयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (3) के अनुमरण में और भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 25-2-1978 की अधिसूचना सं० 2190 (फा०सं० 404/39/77-आ०क०स०क०) के प्रयोगलंबन में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री आई० जी० चावला को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अंतर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री आई० जी० चावला के कर-वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2614 (फा०सं० 404/26/78-आ०क०स०क०)]
एच० वैक्टरामन, उप-सचिव

New Delhi, the 19th December, 1978

INCOME TAX

S.O. 303.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Revenue & Insurance No. 2190 (F. No. 404/39/77-ITCC) dated 25-2-1978 the Central Government hereby authorises Shri I. G. Chavla being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri I. G. Chavla takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2614 (F. No. 404/26/78-ITCC)]
H. VENKATARAMAN, Dy Secy.

(आधिकार्य विभाग)
(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1979

क्रा० आ० 304.—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (2) के उपर्युक्तों से, नेशनल बैंक आफ पाकिस्तान, कलकत्ता तथा हॉबी बैंक लिमिटेड, बम्बई दो, दिल्ली का 19 दिसंबर, 1970 के एस० ओ० 3949 द्वारा दी गई छूट की अवधि को, 31 दिसंबर, 1979 तक एक वर्ष के लिए बढ़ाती है।

[संख्या 15 (33)-वी०ओ० 3/78]

मे० भा० उसगांवकर, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)

New Delhi, the 1st January, 1979

S.O. 304.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, extends for a further period of one year till the 31st December, 1979, the exemption granted in S.O. 3949 dated the 19th December, 1970 to the National Bank of Pakistan, Calcutta and the Habib Bank Ltd. Nowgong from the provisions of sub-section (2) of section 11 of the said Act.

[No. 15(33)-B.O. III/78]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1979

क्रा० आ० 305.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 31 वा० बैंकिंग विनियमन (सरकारी समितियां), नियम, 1966 के नियम 10 के उपर्युक्त नौगंग सेक्टर को आपारेटिंग बैंक लिमिटेड, नौगंग, असम पर उपर्युक्त तक लागू नहीं होगे जहां तक इनका सम्बन्ध समाचार पत्र में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के साथ, 30 जून, 1978 को समाप्त हुए पर्यंत के तुलना पत्र तथा लाभ और हानि लेखा के प्रकाशित होने से है।

[संख्या 8-2/78-ए०सी०]

एम० पी० वर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 9th January, 1979

S.O. 305.—In exercise of the powers conferred by the Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the said Act and Rule 10 of the Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to the Nowgong Central Co-operative Bank Ltd., Nowgong, Assam in so far as they relate to the publication of its balance sheet and profit and loss account for the year ended the 30 June 1978 together with the auditor's report in a newspaper.

[No. F. 8-2/78-AC]
M. P. VARMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1978

क्रा० आ० 306.—भारतीय इंद्रियालय का वर्त नियम, आप्र०प्त 1940 (1948 का 15) की धारा 21 की उपधारा (2) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय औद्योगिक बैंक नियम के निदेशक बोर्ड की सिफारिशों पर, उक्त नियम द्वारा जनरेस्टी, 1979 में जारी कया तथा 1 जनवरी, 1980 को परिवर्त्त होने वाल बोर्डों पर, व्याज का दर 9% (नौ प्रतिशत) वार्षिक की दर से नियत करती है।

[संख्या 2 (76) आई०एफ० 1/78]

बी० सी० पटनायक, निदेशक

New Delhi, the 29th November, 1978

S.O. 306.—In pursuance of sub-section (2) of Section 21 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948) the Central Government, on the recommendations of the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India, hereby fixes 9 per cent (nine per cent) per annum as the rate of interest payable on the bonds to be issued by the said Corporation in January, 1979 and maturing on the 1st January, 1980.

[No. 2(76)IF. I/78]

H. C. PATNAIK, Director

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1979

क्रा० आ० 307.—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10वा की उपधारा (2) और (4) तथा धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उपर्युक्त (i) और (ii) के उपर्युक्त इस विधियुक्ति की तारीख से एक वर्ष तक के तिए, जम्मू एण्ड कश्मीर बैंक लिमिटेड, जम्मू पर उक्त विधि तक नाम नहीं होने वाली जहां तक इनका संवर्धन, बैंक के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपाली शिक्षिकारी पर, जम्मू एण्ड कश्मीर इन्डस्ट्रीयल एण्ड ट्रेनिंग कॉलेज कन्ट्रैक्टी आरनेनाइजेशन लिमिटेड, जम्मू के जो कि कम्पनी प्रविनियम, 1956 (1953 का 1) के त्रैतीय एक पंजीकृत कम्पनी है निदेशक बोर्ड के निदेशक बनने पर रोक लगाने से है।

[संख्या 15 (34)-वी० ओ० III/78]

मे० भा० उसगांवकर, अवर सचिव

New Delhi, the 15th January, 1979

S.O. 307.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-clauses (i) and (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 10 and sub-sections (2) and (4) of section 10B of the said Act shall not apply to the Jammu and Kashmir Bank Ltd., Jammu, for one year from the date of this notification in so far as the said provisions prohibit its Chairman and Chief Executive Officer from being a director on the Board of the Jammu and Kashmir Industrial and Technical Consultancy Organisation Ltd., Jammu, being a company registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

[No. 15(34)-B.O. III/78]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1979

New Delhi, the 12th January, 1979

कानून 308.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसार में 1978 के दिनक 29 दिसम्बर को ममत्त हुए सप्ताह के लिये लेखा

S.O. 308.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934 for the week ended the 29th day of December, 1978

ईश्वर विभाग

Issue Department

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रुपये Rs.	रुपये Rs.
वैकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department	26,29,43,000		सोने का सिक्का और बूतियां:— Gold Coin and Bullion		
संचलन में नोट Notes in circulation	9627,00,83,000		(क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	214,21,78,000	
जारी किये गये कुल नोट Total Notes issued	9653,30,26,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India	
			विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities	2420,32,65,000	
					जोड़ Total
					2634,54,43,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin		33,54,64,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities		6985,21,19,000
			देशी विनियम बिल और हस्ते वाणिज्य पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper
कुल देयताएं Total Liabilities	9653,30,26,000		कुल आस्तियां Total Assets		9653,30,26,000

Foot Note :—Figures for the week ended 22nd December 1978 have been repeated, except notes held in the Banking Department.

दिनांक : 3 जनवरी, 1979

Dated the 3rd day of January, 1979

आई० जी० पटेल, गवर्नर
I. G. PATEL, Governor

29 दिसम्बर, 1978 को भारतीय रिजर्व बैंक के वैकिंग विभाग के कार्यक्रमाप का विवरण

Statement of the affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 29 December, 1978

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रुपये Rs.
कुकता पूँजी Capital Paid Up	5,00,00,000	नोट Notes	26,29,43,000
आरक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	2,49,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	610,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin	7,08,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilization) Fund	195,00,00,000	खरीदे ग्रौ भूमादे सवे बिल:— Bills Purchased and discounted:—	
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long Term Opera- tions) Fund	915,00,00,000	(क) देशी (a) Internal	87,86,79,000
जमा राशियां:— Deposits :—		(द) विदेशी (b) External	
(क) सरकारी (a) Government : (i) केन्द्रीय सरकार		(ज) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	593,95,39,000
		विदेशी में रखा हुआ बकाया* Balances Held Abroad*	1841,18,87,000

*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

देयताएँ Liabilities	रुपये Rs.	प्राप्तियाँ Assets	रुपये Rs.
(i) Central Government	22,52,08,000	निवेश**	
(ii) राज्य सरकारें		Investments**	867,84,36,000
(ii) State Governments	22,50,97,000	ऋण और अग्रिम :—	
(ग) बैंक :—		Loans and Advances to :—	
(b) Banks :—		(i) केन्द्रीय सरकार को	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक		(ii) Central Government	
(ii) Scheduled Commercial Banks	2254,33,35,000	(iii) राज्य सरकारें को @	
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक		(ii) State Governments @	7,98,00,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	33,26,64,000	ऋण और अग्रिम :—	
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक		Loans and Advances to :—	
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	2,44,50,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को	
(iv) अन्य बैंक		(ii) Scheduled Commercial Banks†	357,42,72,000
(iv) Other Banks	2,62,32,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	
(ग) अन्य †		(iii) State Co-operative Banks‡	430,57,43,000
(c) Others	1515,53,60,000	(iii) दूसरों को	
देय बिल		(iii) Others	33,00,000
Bills Payable	185,73,05,000	राष्ट्रीय रुपय ऋण (दीर्घकालीन प्रबंद्धन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
अन्य देयताएँ		Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
Other Liabilities	879,32,58,000	(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(a) Loans and Advances to :—	
		(i) राज्य सरकारें को	110,78,43,000
		(ii) State Governments	
		(iii) राज्य सहकारी बैंकों को	24,15,57,000
		(iii) केन्द्रीय भूमि बचत बैंकों को	
		(iv) Central Land Mortgage Banks	
		(iv) रुपय पुनर्वित और विकास निगम को	
		(iv) Agricultural Refinance and Develop- ment Corporation	215,30,00,000
		(ग) केन्द्रीय भूमि बंधक बैंकों के डिवेंचरों में निवेश	
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	7,67,64,000
		राष्ट्रीय रुपय ऋण, (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	128,50,34,000
		राष्ट्रीय शोधांगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबंद्धन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	790,74,95,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किए गए बोणों/डिवेंचरों में निवेश	
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
		अन्य प्राप्तियाँ	
		Other Assets	1302,56,60,000
		रुपये Rupees	6793,29,09,000
		रुपये Rupees	6793,29,09,000

**राष्ट्रीय रुपय ऋण (दीर्घकालीन प्रबंद्धन) निधि और राष्ट्रीय शोधांगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबंद्धन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@राष्ट्रीय रुपय ऋण (दीर्घकालीन प्रबंद्धन) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

@ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund.

†भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम को आरा 17 (4) (ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अग्रिम दिये गये

2,76,00,000 रुपये शामिल हैं।

†Includes Rs. 2,76,00,000 advanced to Scheduled Commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

‡राष्ट्रीय रुपय ऋण (दीर्घकालीन प्रबंद्धन) निधि और राष्ट्रीय रुपय ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

‡Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

दिनांक 3 जनवरी, 1979

Dated the 3rd day of January, 1979

आर्डो जी० पटेल, गवर्नर
I G PATEL, Governor
[No. F. 10/1/78-BOI]

च० ब० मीरचन्दानी, प्रशंसन सचिव

C W MIRCHANDANI, Under Secy.

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात का कार्यालय

(केन्द्रीय लाइसेंस बोर्ड) नई दिल्ली

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1978

रद्द करने के आदेश

का० आ० 309.—मर्वेश्वी प्रोमिला अरोड़ा, 1/332, पंजा शरीफ, करमसीरी गेट, दिल्ली-6 अगस्त-जुलाई को 1978 अवधि के लिए अफगानिस्तान से सूखे मेंदों के आयात के लिए 32000/- रुपये (बीसीस हजार रुपये मात्र) का आयात लाइसेंस संख्या-पी०/०३११०७९, दिनांक 13-८-७८ प्रदान किया गया था। उन्होंने सूखना दी है कि उसकी सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी पत्तन पर पंजीकृत कराए बिना और बिल्कुल भी उपयोग में लाए बिना खो गई/प्रस्थानस्थ हो गई है।

2. उन्होंने उपर्युक्त बयान के समर्थन में आयात व्यापार नियंत्रक नियम तथा क्रियाविधि हैंडबुक 1978-79 के पैरा 354 के अन्तर्गत प्रयोक्तिएँ एक शयद पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन की प्रति खो गई/प्रस्थानस्थ हो गई है।

3. समय-समय पर यासांशोक्षित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सी) (सी) के अन्तर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेंस की उक्त मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति का रद्द करने का आदेश देता हूँ।

4. आवेदक के मामले पर 1978-79 की आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हैंडबुक के पैरा 353 के अनुसार अनुलिपि लाइसेंस (सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति) जारी करने के लिए विचार किया जाएगा।

[मिसिल संख्या-प्राप्ति/इफ-699/एजे-78/ए एफ टी आर/सी एल ए/574]
के० श्री० चौधरी, उप-मुख्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLY AND CO-OPERATION

(Department of Commerce)

Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports
(Central Licensing Area) New Delhi.

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 20th November, 1978

S.O. 309.—M/s. Promilla Arora, 1/332, Punja Sharif, mere Gate, Delhi-6 was granted import licence No. P/E/0311079 dated 13-6-1978 for Rs. 32,000/- (Thirty Two Thousand only) for import of Dry Fruits from Afghanistan for August/July, 1978-79 period. They have reported that Customs Purpose Copy of the same has been lost/misplaced without having been registered with any Port and utilised at all.

2. They have filed an affidavit in support of the above statement, required under para 354 of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1978-79. I am satisfied that the original Customs Purpose Copy of the above said licence has been lost/misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955, as amended time to time, I order the Cancellation of the said Original Customs Purpose Copy of the said licence.

4. The applicant's case will be considered for the issue of duplicate licence (Customs Purpose Copy) in accordance with para 353 of I. T. C. Hand Book of Rules and Procedure, 1978-79.

[No. OTHERS/DRY-699/AJ-78/AFTR/CLA/574]
K. B. CHAUDHARY, Dy. Controller.

(मार्गिक पूर्ति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1979

का० आ० 310.—केन्द्रीय सरकार, प्रतिम संविदा (विनियमन) प्रधिनियम 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन हासी वजाब कर्मशाला एक्सचेंज लिमिटेड, हासी द्वारा सामग्री के नवीकरण के लिये किए गए आवेदन पर आयदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके भीर महगमाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोक-हित में भी होगा। एक्सदारा उक्त प्रधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त एक्सचेंज को बिना० की प्रतिम संविदाओं के बारे में 13 जनवरी, 1979 से 12 जनवरी, 1980 (जिसमें ये दोनों दिन भी सम्मिलित हैं) की एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के प्रिय मान्यता प्रदान करती है।

2. एक्सदारा प्रवत्त मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि एक्सचेंज ऐसे निवेशों का अनुपालन करेगा जो आयदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जायें।

[मिसिल संख्या 12 (27)-11/78]
के० एस० मैथू, उप सचिव

(Department of Civil Supplies and Cooperation)

New Delhi, the 9th January, 1979

S.O. 310.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Hansi Punjab Commercial Exchange Ltd., Hansi and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 13th January, 1979 to the 12th January 1980 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cottonseed.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12(27)-II/78]

K. S. MATHEW, Dy. Secy.

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात का कार्यालय, नई दिल्ली

आदेश

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1979

का० आ० 311.—श्री ए० एस० सोदी, 71-सेक्टर-8-ए, चण्डीगढ़, जिल्हे दंतसत 120 बाई एस्टेट कार्चेजिस संख्या वी० बी०-210. 114726 आयात करने के लिए 24000/- रुपये के लिए एक सीमा शुल्क निकासी परमिट संख्या पी०-जे०/३०५७३५९/एन०/एम०पी०/६८/एच०/७८, दिनांक 22-९-७८ प्रदान किया गया था। उन्होंने सीमा शुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा शुल्क निकासी परमिट खो गया है। आगे यह भी बताया गया है कि मूल सीमा शुल्क निकासी परमिट किसी सीमा शुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं किया गया है और न ही उपयोग में लाया गया है।

2. इस तर्क के समर्थन में श्री ए० एम० सोधी ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। उन्होंने सीमा शुल्क निकासी परमिट को यदि बाद में मिल जाता है तो इस कार्यालय के रिकार्ड के लिए बाप्स करने का भी वचन दिया है। मैं सतुष्ट हूं कि मूल सीमा शुल्क निकासी परमिट संख्या पी/जे/3057359/एन/एम पी/68/एच/68, चिनांक 22-9-78 आं गया है तथा निवेश वेता है कि उन्हे सीमा शुल्क निकासी परमिट को अनुसिलिपि प्रति जारी की जानी चाहिए। मूल सीमा शुल्क निकासी परमिट रद्द किया गया समझा जाएगा।

[निविल संख्या-2(बी-18)/78-79/बी एल एस/480]

ए० एम० चटर्जी, उप-मुख्य नियन्त्रक

**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS, NEW DELHI.**

ORDER

New Delhi, the 12th January 1979

S.O. 311.—Mr. A. S. Sodhi, 71-Sector 8A, Chandigarh who was granted a Customs Clearance Permit No. P/J/3057359/N/MP/68/H/78 dated 22-9-1978 for Rs. 24,000/- for import of a Datsun 120 Y Estate car—Chassis No. VB 210114726 has applied for a duplicate copy of the Customs Clearance Permit as the original Customs Clearance Permit has been lost. It is further stated that the original Customs Clearance Permit was not registered with any Custom House and not utilised.

2. In support of this contention Shri A. S. Sodhi has filed an affidavit. He has undertaken to return the Customs Clearance Permit if traced later to this office for record. I am satisfied that the original Customs Clearance Permit No. P/J/3057359/N/MP/68/H/78 dated 22-9-1978 has been lost and direct that a duplicate Customs Clearance Permit should be issued to him. The original Customs Clearance Permit may be treated as cancelled.

[F. No. 2(B-18)/78-79/BLS/480]
A. N. CHATTERJEE, Dy. Chief Controller.

(नामांकित पूर्ति एवं सहकारिता विभाग)

(भारतीय भालक संस्था)

मई दिल्ली 12, जनवरी, 1979

का०आ० 313.—प्रमय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) नियम और विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन मानकों के भौतिक विवरण दिए गए हैं, 1976-3-31 को निर्धारित किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा द्वारा दिए गए भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	प्रत्यक्ष विवरण
1	2	3	4
1. IS : 299-1975 प्लामिनो फेरिक की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 299-1962 प्लामिनो फेरिक की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	1975-11-30 को रजापित	
2. IS : 624-1975 गाइकिल के रिमों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 624-1961 साइकिल के रिमों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	—	
3. IS : 656-1975 प्लाईवुड के लिए लकड़ी के बोटों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	IS : 656-1964 प्लाईवुड के लिए लकड़ी के बोटों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	—	

मई दिल्ली, 15 जनवरी, 1979

(रबड़ नियंत्रण)

का०आ० 312.—रबड़ नियम, 1955 के नियम 3 के उप नियम (2) के साथ पठित रबड़ अधिनियम, 1947 (1947 का 24) की धारा 4 की उपधारा 3 के अंडे (ज्ञ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की दिनांक 11 जनवरी, 1978 की अधिसूचना संख्या का०आ० 13(भ) में निम्नोक्त संशोधन करती है, प्रार्थतः—

उक्त अधिसूचना की मार्गी में क्रमांक (3) के सामने दूसरे स्तम्भ में दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नोक्त प्रविष्टि रखी जाएगी, प्रार्थतः—

“श्री के० ए० भोज शेट्टी,
मुख्य वन (विकास) संरक्षक
तमिलनाडु सरकार,
मद्रासा।”

[का० सं० 15(2)/77-PLANT (बी)]
एम० महादेव अम्पर, उप निवेशक

New Delhi, the 15th January, 1979

(RUBBER CONTROL)

S.O. 312.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (3) of section 4 of the Rubber Act, 1947 (24 of 1947), read with sub-rule (2) of rule 3 of the Rubber Rules, 1955, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce, S.O. 13(E), dated the 11th January, 1978, namely :—

In the Table under the said Notification, for the entry in the second column against serial No. (3), the following entry shall be substituted, namely :—

“Shri K. A. Bhoja Shetty,
Chief Conservator of Forests (Development),
Government of Tamil Nadu,
Madras.”

[F. No. 15(2)/77-PLANT (B)]
S. MAHADEVA IYER, Dy. Director.

1	2	3	4
4. IS : 733-1975 पिटवां एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम की सरिया, छड़ों और सेक्शनों (सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 733-1967 पिटवां एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम की सरिया, छड़ों और सेक्शनों (सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1976-02-20 को स्थापित	
5. IS : 734-1975 पिटवां एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम की गदाई का सामान और गदी बस्तुओं (सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 734-1967 पिटवां एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम की गदाई का सामान और गदी बस्तुओं (सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1976-02-29 को स्थापित	
6. IS : 795-1975 सारंतेयार करने की संदर्भिका (पहला पुनरीक्षण)	IS : 795-1956 सारंतेयार करने के नियमों की विशिष्टि	--	
7. IS : 1758-1975 पटसन के खेप बनाने में प्रयुक्त तेल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1758-1960 पटसन के खेप बनाने में प्रयुक्त तेल की विशिष्टि	--	
8. IS : 1844-1975 सुधर के बालों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1844-1962 सुधर के बालों की विशिष्टि	--	
9. *IS : 1879 (भाग 1 से 10) -1975 आधातवर्ध्य पिटवा लोहे के पाइप फिटिंगों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1879-1961 आधातवर्ध्य पिटवा लोहे के पाइप फिटिंगों की विशिष्टि	1975-11-30 को स्थापित	
10. IS : 1893-1975 संरक्षनादारों की भूकम्प रोधी डिजाइन की कसोटियां (सीसरा पुनरीक्षण)	IS : 1893-1966 संरक्षनादारों की भूकम्प रोधी डिजाइन की कसोटियां (पहला पुनरीक्षण)	--	
11. IS : 2117-1975 हाथ की बनी पक्की निट्री की आय इमारती ईंटों के बनाने की संदर्भिका (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2117-1967 हाथ की बनी पक्की निट्री की आय इमारती ईंटों के बनाने की संदर्भिका	--	
12. IS : 2587-1975 पाइप के बांकों (मुक्त माइड वाली और जड़ी माइड वाली) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2587-1964 पाइप के बांकों (मुक्त माइड वाली और जड़ी माइड वाली) की विशिष्टि	--	
13. IS : 2613-1975 सूती जीन (छातों के लिये जलरोक न बनाई हुई) को विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2613-1964 सूती जीन (छातों के लिये जलरोक न बनाई हुई) की विशिष्टि	--	
14. IS : 2635-1975 एसी बिजली के बेलिंडग जनिन्हों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2635-1966 एसी बिजली के बेलिंडग जनिन्हों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	1976-01-31 को स्थापित	
15. IS : 2720 (भाग 29) -1975 मृतिकादारों की परीक्षण पद्धतियों भाग 29 कोर कर्तव्य पद्धति द्वारा मौके पर मृतिका का शुष्क घनत्व ज्ञात करना (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2720 (भाग 29) -1966 मृतिकादारों की परीक्षण पद्धतियों भाग 29 कोर कर्तव्य पद्धति द्वारा मौके पर मृतिका का शुष्क घनत्व ज्ञात करना	--	
16. IS : 2925-1975 श्रौद्धोगिक बचाव हेलमेटों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2925-1964 श्रौद्धोगिक बचाव हेलमेटों की विशिष्टि	1975-11-30 को स्थापित	
17. IS : 3003 (भाग 3) -1975 बिजली की मर्जीनों के लिए कार्बन बूहश	--	1975-10-31 को स्थापित	
18. IS : 3468-1975 गाइपों की विशिष्टियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3468-1966 गाइपों की विशिष्टियों की विशिष्टि	--	
19. IS : 3564-1975 ढोर क्लोजरों (द्रव नियंत्रित) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 3564-1970 ढोर क्लोजरों (द्रव नियंत्रित) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1976-01-31 को स्थापित	
20. IS : 4173-1975 4-मिथाइल एमिनोफॉनल सल्फेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4173-1967 4-मिथाइल एमिनोफॉनल सल्फेट की विशिष्टि	1976-02-29 को स्थापित	
21. IS : 4223-1975 छाते की निलियों के लिये इस्पात के तार की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4223-1967 छाते की निलियों के लिये इस्पात के तार की विशिष्टि	1976-01-31 को स्थापित	
22. IS : 4375-1975 बुनी हुई सूती खेल कमीज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4375-1967 बुनी हुई सूती खेल कमीज की विशिष्टि	1976-02-29 को स्थापित	
23. IS : 4880 (भाग 1) -1975 अलवाही सुरंगों की डिजाइन की रीति संहिता : भाग 1 सामान्य डिजाइन	--	--	
24. IS : 4965 (भाग 1) -1975 इंटरलैक बुनी हुई सूती बनियानों की विशिष्टि : भाग 1 कॉपड़ा (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4965-1968 इंटरलैक बुनी हुई सूती बनियानों की विशिष्टि	--	

*भा मा० संस्था प्रमाणन योजना के लिये IS : 1879 (भाग 1 से 10) 31 मई, 1967 तक IS : 1879-1961 के साथ लागू रहेगा।

1	2	3	4
25. IS: 4965 (भाग 2) - 1975 ईंटरलाक सूनी हुई सूती बनियानों की विशिष्टि भाग 2 बनियान (पहला पुनरोक्तण)	IS: 4965-1968 ईंटरलाक बुनी हुई सूती बनियानों की विशिष्टि	—	—
26. IS : 5046-1975 पुस्तक छपाई की लेटरप्रेस की काली स्थाही IS : 5046-1968 पुस्तक छपाई की लेटरप्रेस की काली स्थाही की विशिष्टि (पहला पुनरोक्तण)	—	1975-01-31 को स्थापित	—
27. IS: 5807 (भाग 4)-1975 लकड़ी के फर्नीचर की साफ फिनिश को परीक्षण पद्धति : भाग 4 दर्जों के निशान पड़ने की प्रतिरोधिता	—	1975-02-29 को स्थापित	—
28. IS:5807 (भाग 5)-1975 लकड़ी के फर्नीचर की साफ फिनिश को परीक्षण पद्धति भाग 5 कम कोणीय चमक परीक्षण	—	1976-01-31 को स्थापित	—
29. IS:6213 (भाग 15) -1975 लुगाई की परीक्षण पद्धति भाग 15 मैग्नीज की माझा ज्ञात करना	—	1976-02-29 को स्थापित	—
30. IS:6908-1975 सीधर और जल निकास के लिए ऐस्वेस्टास सीमेंट के पाइप और फिटिंग की विशिष्टि	—	1976-10-31 को स्थापित	—
31. IS:7305 (भाग 2) -1975 इलेक्ट्रॉनिक सामान में प्रयुक्त जड़ धारिकों का विशिष्टि भाग 2 मूतिका के परावैश्वृत धारिक, टाइप की विशिष्टि	IS:1980-1967 मूतिका के परावैश्वृत धारिक टाइप की विशिष्टि	—	1976-02-29 को स्थापित
32. IS:7396 (भाग 2)-1975 महोर्मि (सर्ज) टंकियों की जलीय डिंगादन की फसौरियों भाग 2 बहाव महोर्मि पाव टंकी	—	—	—
33. IS: 7416 (भाग 2)-1976 टीवी के फेराहिट पुजों के माप भाग 2 रेखिकता नियन्त्रण यूनिट की फेराहिट छड़	—	—	—
34. IS:7416 (भाग 3)-1976 टीवी के फेराहिट पुजों के माप भाग 3 रेखिकता नियन्त्रण यूनिट का सुर बिलाने का चुनाक	—	—	—
35. IS: 7437-1974 बनस्पति चेप पदार्थों की बानी सेने तथा परीक्षण की पद्धतियाँ	—	1976-01-31 को स्थापित	—
36. IS: 7788-1975 एक फेझी कर्यक पावर परिवर्तक की विशिष्टि	—	1976-02-29 को स्थापित	—
37. IS:7779 (भाग 1/भनुभाग 1)-1975 निमणि कार्य के पिए पत्थरों के गुणवर्णी और उपलब्धता की सूची भाग 1 गुजरात राज्य अनुभाग 1 पत्थरों की उपलब्धता	—	—	—
38. IS: 7815-1975 खाद्य पदार्थ में एमीनो अम्लों की माझा जानने की पद्धतियाँ	—	—	—
39. IS:7822-1975 प्रतिरक्त लम्बी सिरीज बाली मोसं शावदुम यैक बाली द्विस्त ड्रिल की विशिष्टि	—	—	—
40. IS:7827 (भाग 1)-1975 हवारोक शीशों के बिजली के बाइपर की विशिष्टि भाग 1 बाइपर तंद	—	—	—
41. IS: 7827-(भाग 2) -1975 हवारोक शीशों बिजली के बाइपर की विशिष्टि भाग 2 बाइपर मोटर	—	—	—
42. IS:7843-1975 रंगन परीक्षण द्वारा प्रम्य रंजकों की तेजी और ग्रामा की मूल्यांकन पद्धति	—	1976-01-31 को स्थापित	—
43. IS:7850-1975 सूक्ष्मदर्शी स्लाइडों के लकड़ी के बक्सों की विशिष्टि	—	1976-02-29- को स्थापित	—
44. IS:7851-1975 सूतों करड़ों को धोने और पहनने सम्बन्धी ग्रेप-धारों की विशिष्टि	—	—	—
45. IS:7833-1975 दंत छलवा सर्वेयर की विशिष्टि	—	1976-01-31 को स्थापित	—
46. IS: 7866-1975 मिथित धारे की विशिष्टि	—	—	—
47. IS:7868-1975 ड्रिलिंग के पिए प्रमुख रूप से कोयले में प्रयुक्त धूर्णक ड्रिल छड़	—	—	—
48. IS:7874 (भाग 1)-1975 पशु आहार और भाद्यार पदार्थों की परीक्षण पद्धति भाग 1 सामान्य पद्धतियाँ	—	—	—

1	2	3	4
49. IS:7878-1975 चौड़े करने पर हाथ की बनी मानीन के रोल की विशिष्टि	—	—	1976-02-29 को स्थापित
50. IS: 7879 (भाग 1)-1975 बैमानिक परिवारिक शब्दावली भाग 2 विमान गति	—	—	—
51. IS: 7881 (भाग 1)-1975 भारती लोहे के सामान सम्बन्धी परिवारिक शब्दावली	—	—	1976-02-29 को स्थापित
52. IS:7887-1975 सामान्य इंजीनियरिंग कार्पोरेशन के लिए मूदू इस्पात की तार छड़ की विशिष्टि	—	—	—
53. IS:7893-1975 बसवास नमने के सौलिये फोर्सेंप्स की विशिष्टि	—	—	—
54. IS:7896-1975 ग्रीष्म मध्यीनों के वासानकूलन के लिये बाहर की डिजाइन स्पेशली सम्बन्धी आकड़	—	—	—
55. IS:7898-1975 हस्तचित्रित चारा कटने की मरीन की विशिष्टि	—	—	—
56. IS:7900-1976 पूर्णतः गिनतियों में तारीबे लिंबन की पद्धति	—	—	—
57. IS:7903-1976 उच्च अनुबंध पालीइयाइलीन के मूरे कपड़े के बने निखालों की विशिष्टि	—	—	1976-02-29 को स्थापित
58. IS:7904-1975 कार्बन इस्पात तार छड़ों की विशिष्टि	—	—	—
59. IS:7909-1975 मुमरों को मूर्छित करने के बिजली के चिमटों की विशिष्टि	—	—	—
60. IS:7911-1975 डाइइयानोल मरीन की विशिष्टि	—	—	—
61. IS:7912-1975 स्टैनलस ब्यायड नमूने के स्कूप की विशिष्टि	—	—	—
62. IS:7919-1975 ऐवे टाइप परावनमापी की विशिष्टि	—	—	—
63. IS:7926-1975 कृषि मरीनों की जौब के लिये मृतिका का वर्णन करण	—	—	—
64. IS:7928-1975 आव ग्रेड ऐलिजिनिक अम्ल की विशिष्टि	—	—	—
65. IS:7929-1975 रमायनिक कोक की विषुत प्रतिरोधिता भात करने की पद्धति	—	—	—
66. IS:7932-1976 खायसर के पानी के उपचार सम्बन्धी यौगिकों की विशिष्टि	—	—	—
67. IS:7943-1976 द्राइस्सोरोफोन धूलन पाउडर की विशिष्टि	—	—	—
68. IS:7947-1976 टोकसाफीन धूलन पाउडर की विशिष्टि	—	—	—
69. IS:7943-1976 फॉर्मिमान पायसनीय तेजवृद्धि की विशिष्टि	—	—	—
70. IS:7949-1976 किंवटोजीन जल विसर्जनीय तेज पाउडर	—	—	—
71. IS:7951-1976 धारों और कपड़ों के रेशों की रंगाई धरनियों की विशिष्टि	—	—	—
72. IS:7952-1976 लूसे आरज में कपड़ों के उपचार की बस्त्र फिनिशदारी मरीन की सर्कितिक बोडीर्स	—	—	—
73. IS:7964-1976 ग्रीन मार्मिटो नमूने के रक्त रोकने वाले सश्लेष्य बढ़वा जनत किया संबंधी फोर्सेंप्स की विशिष्टि	—	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियोगी विक्री के लिये भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, १ बहावुर शाह जफर मार्ग, नई विल्ली, ११०००२ तथा इसके अहमवासाद, बंगलौर, कर्नाटक, बंडीगड, हैवराबाद, मद्रास, पटना और डिवेलपमेंट स्थित शाखा कार्यालयों में उपलब्ध हैं।

(Department of Civil Supplies & Co-operation)
INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1979-01-12

S.O. 313.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1976-03-31;

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 299—1975 Specification for alumino-ferric (second revision)	IS : 299—1962 Specification for alumino ferric (revised)	Established on 1975-11-30
2.	IS : 624—1975 Specification for bicycle rims (second revision)	IS : 624—1961 Specification for bicycle rims (revised)	—
3.	IS : 656—1975 Specification for logs for plywood (second revision)	IS : 656—1964 Specification for logs for plywood (revised)	—
4.	IS : 733—1975 Specification for wrought aluminium and aluminium alloy bars, rods and sections (for general engineering purposes) (second revision)	IS : 733—1967 Specification for wrought aluminium and aluminium alloys, bars, rods, and sections (for general engineering purposes) (first revision)	Established on 1976-02-29
5.	IS : 734—1975 Specification for wrought aluminium and aluminium alloy forging stock and forgings (for general engineering purposes) (second revision)	IS : 734—1967 Specification for wrought aluminium and aluminium alloys, forgings stock and forgings (for general engineering purposes) (first revision)	Established on 1976-02-29
6.	IS : 795—1976 Guide for preparation of abstracts (first revision)	IS : 796—1956 Specification for canone for making abstracts	—
7.	IS : 1758—1975 Specification for Jute batching oil (first revision)	IS : 1758—1960 Specification for jute batch- ing oil	Established on 1976-02-29
8.	IS : 1844—1975 Specification for bristles (first revision)	IS : 1844—1962 Specification for bristles	—
9.	*IS : 1879 (Parts I to X)—1975 Specification malleable cast iron pipe fittings (first revision)	IS : 1879—1961 Specification for malleable cast iron pipe fittings	Established on 1975-11-30 *For purposes of ISI Certification Marks scheme IS : 1879 (Pt I to X) shall run concurrently with IS : 1879—1961 upto 1976-05-31
10.	IS : 1893—1975 Criteria for earthquake resistant design of structures (third revision)	IS : 1893—1966 Criteria for earthquake resistant design of structures (first revision)	—
11.	IS : 2117—1975 Guide for manufacture of hand made common burnt clay building bricks (second revision)	IS : 2117—1967 Guide for manufacture of hand-made common burnt clay building bricks (first revision)	—
12.	IS : 2587—1975 Specification for pipe vices (open side type and fixed sides type) (first revision)	IS : 2587—1964 Specification for pipe vices (open side type and fixed sides type)	—
13.	IS : 2613—1975 Specification for cotton drill (non waterproofed for umbrellas) (first revision)	IS : 2613—1964 Specification for cotton drill (non waterproofed for umbrellas)	—
14.	IS : 2635—1975 Specification for dc electric welding generators (second revision)	IS : 2635—1966 Specification for dc electric welding generators (revised)	Established on 1976-01-31
15.	IS : 2720 (Pt XXIX)—1975 Method of test for soils Part XXIX Determination of dry density of soil in place by the core-cutter method (first revision)	IS : 2720 (Part XXIX)—1966 Method of test for soils Part XXIX Determination of dry density of soils in place by the core Cutter method	—

(1)	(2)	(3)	(4)
16. IS : 2925—1975 Specification for industrial safety helmets (first revision)	IS : 2925—1964 Specification for industrial safety helmets	Established on 1975-11-30	
17. IS : 3003 (Part III)—1975 Specification for carbon brushes for electrical machines Part III Requirements of carbon brushes	—	Established on 1975-10-31	
18. IS : 3468—1975 Specification for pipe nuts (first revision)	IS : 3468—1966 Specification for pipe nuts		
19. IS : 3564—1975 Specification for door closers (hydraulically regulated) (second revision)	IS : 3564—1970 Specification for door closers (hydraulically regulated first revision)	Established on 1976-01-31	
20. IS : 4173—1975 Specification for 4-methylamino-phenol sulphate (first revision)	IS : 4173—1967 Specification for 4-methylamino-phenol sulphate	Established on 1976-02-29	
21. IS : 4223—1975 Specification for steel wire for umbrella ribs (first revision)	IS : 4223—1967 Specification for steel wire for umbrella ribs	Established on 1976-01-31	
22. IS : 4375—1975 Specification for cotton knitted sports shirts (first revision)	IS : 4375—1967 Specification for cotton knitted sports shirts	Established on 1976-02-29	
23. IS : 4880 (Part I)—1975 Code of practice for design of tunnels conveying water Part I General design	—	—	—
24. IS : 4965 (Part I)—1975 Specification for interlock knitted cotton vests Part I fabric (first revision)	IS : 4965—1968 Specification for interlock knitted cotton vests		
25. IS : 4965 (Part II)—1975 Specification for interlock knitted cotton vests Part II Vests (first revision)	IS : 4965—1968 Specification for interlock knitted cotton vests	—	—
26. IS : 5046—1975 Specification for letterpress ink, black, book-printing (first revision)	IS : 5046—1968 Specification for letterpress ink, black, book-printing	Established on 1975-10-31	
27. IS : 5807 (Part IV)—1975 Methods of test for clear finishes for wooden furniture Part IV resistance to marking by liquids	—	—	Established on 1975-02-29
28. IS : 5807 (Part V)—1975 Methods of Test for clear finishes for wooden furniture Part V Test for low-angle glare	—	—	Established on 1976-01-31
29. IS : 6213 (Part XV)—1975 Methods of test for pulp Part XV Determination of manganese	—	—	Established on 1976-02-29
30. IS : 6908—1975 Specification for asbestos cement pipes and fittings for sewerage and drainage	—	—	Established on 1975-10-31
31. IS : 7305 (Part II)—1975 Specification for fixed capacitors used in electronic equipment Part II Ceramic dielectric capacitors Type I	IS : 1980—1967 Specification for ceramic dielectric capacitors Type I (first revision)	Established on 1976-02-29	
32. IS : 7396 (Part II)—1975 Criteria for hydraulic design of surge tanks Part II tail surge tanks	—	—	—
33. IS : 7416 (Part II)—1976 Dimensions for TV ferrite components Part II ferrite rod for linearity control unit	—	—	—
34. IS : 7416 (Part III)—1976 Dimensions for TV ferrite components Part III tuning magnet for linearity control unit	—	—	—
35. IS : 7437—1974 Methods of sampling and test for vegetable adhesives	—	—	Established on 1976-01-31

(1)	(2)	(3)	(4)
36.	IS : 7788—1975 Specification for single-phase traction power convertors	—	Established on 1976-02-29
37.	IS : 7779 (Part I/Sec I)—1975 Schedule for properties and availability of stones for construction purposes Part I Gujarat State Section 1 Availability of stones	—	Established on 1976-02-29
38.	IS : 7815—1975 Methods for Estimation of amino acids in food	—	Established on 1976-02-29
39.	IS : 7822—1975 Specification for twist drills, Morse taper shank, extra long series	—	—
40.	IS : 7827 (Part I)—1975 Specification for electrical wind screen wipers Part I Wiper system	—	—
41.	IS : 7827 (Part II)—1975 Specification for electrical wind screen wipers Part II wiper motors	—	—
42.	IS : 7843—1975 Method for evaluating strength and shade of acid dyes by dyeing test	—	Established on 1976-01-31
43.	IS : 7850—1975 Specification for wooden box for microscope slides	—	Established on 1976-02-29
44.	IS : 7851—1975 Specification for wash and wear requirements of cotton fabrics	—	—
45.	IS : 7853—1975 Specification for surveyor, cast, dental	—	Established on 1976-01-31
46.	IS : 7866—1975 Specification for blended yarn	—	—
47.	IS : 7868—1975 Specification for rotary drill rods for drilling principally in coal	—	—
48.	IS : 7874 (Part I)—1975 Methods of tests for animal feeds and feeding stuffs Part I General methods	—	—
49.	IS : 7878—1975 Specification for hand-made broadloom roll carpets	—	Established on 1976-02-29
50.	IS : 7879—(Part II)—1975 Glossary of aeronautical terms Part II Motion of aircraft	—	—
51.	IS : 7881 (Part I)—1975 Glossary of terms relating to builders' hardware Part I Locks	—	Established on 1976-02-29
52.	IS : 7887—1975 Specification for mild steel wire rod for general engineering purposes	—	—
53.	IS : 7893—1975 Specification for forceps, towel, Backhaus' pattern	—	—
54.	IS : 7890—1975 Data for outside design conditions for air conditioning for summer months	—	—
55.	IS : 7898—1975 Specification for manually operated chaff cutter	—	—
56.	IS : 7900—1976 Method for writing calendar dates in all numeric form	—	—
57.	IS : 7903—1976 Specification for tarpaulines made from high density polyethylene woven fabric	—	Established on 1976-02-29
58.	IS : 7904—1975 Specification for carbon steel wire rods	—	—
59.	IS : 7909—1975 Specification for electrical stunning tongs for pigs	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
60.	IS : 7911—1975 Specification for diethanolamine	—	—
61.	IS : 7912—1975 Specification for scoop, Stanley Boyd's pattern	—	—
62.	IS : 7919—1975 Specification for refractometer—Abbe type	—	—
63.	7926—1975 Classification of soil for testing of agricultural machinery	—	—
64.	7928—1975 Specification for alginic acid, food grade	—	—
65.	IS : 7929—1975 Methods for determination of electrical resistivity of chemical coke	—	—
66.	IS : 7932—1976 Specification for boiler water treatment compounds	—	—
67.	IS : 7943—1976 Specification for trichlorfon dusting powders	—	—
68.	IS : 7947—1976 Specification for Toxaphene dusting powders	—	—
69.	IS : 7948—1976 Specification for fenthion emulsifiable concentrates	—	—
70.	IS : 7949—1976 Specification for quintozene water dispersible powder concentrates	—	—
71.	IS : 7951—1976 Specification for beams for dyeing fibres, yarns and fabrics	—	—
72.	IS : 7952—1976 Nominal width of textile finishing machines for treatment of textile fabrics in open width	—	—
73.	IS : 7964—1976 Specification for forceps, caesarean section, haemostasis, Green-Armytage pattern	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

का०धा० 314.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणित चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि 67 लाइसेंस जितके बीचे नीचे प्रत्युम्भी में दिए हैं लाइसेंसधारियों का मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार देते हुए स्वीकृत किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस सं० (सीएम/एल)	वैधता की प्रवधि से	लाइसेंसधारी का नाम और पता तक	लाइसेंस के प्राप्तीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्संबंधी भारतीय मानक : परनाम	6
1	2	3	4	5	
1.	सी एम/एल-5115 1976-04-01	1976-04-01	1977-03-31	स्टार रबड़ प्रोडक्ट्स, बी-25, एच-स्लाक, अनिकों के लिए सुरक्षा रबड़ एम०झाई०झी०सी०, पिम्परी- पुने-18 केन्वस के बूट, टाइप 1— IS : 3976—1975	
2.	सी एम/एल-5116 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	सीबा गाहगी फाफ इंडिया लि०, सोयेता मोनिका प्लॉट, कोलिन इलाहाबाद, गोप्ता (कार्यालय : 14 जे० टाटा रोड, बम्बई-400020)	बाइकोर्वोस तकनीकी— IS : 4929—1968

1	2	3	4	5	6
3.	सी एम/एल-5117 1976-04-19	1976-03-16	1977-03-15	श्री मंशुनाथ पल्कराहजर्स, 62, इंडिस्ट्री भालाधियोन पायमनीय तेज द्रव— यल सर्वर्व, यशवन्नपुर, बंगलोर, 560022 (कार्यालय : सावुदानी विल्डिंग्स, एन०ग्रार० रोड, बंगलोर 560002)	IS : 2567—1973
4.	सी एम/एल-5118 1976-04-19	1976-03-16	1977-03-15	”	श्री डी टी पायमनीय तेज द्रव— IS : 633—1966
5.	सी एम/एल-5119 1976-04-19	1976-04-01	1977-03-31	अलबिसाम इलैक्ट्रोकल्म प्रा० लि०, 10-श्री कस्तूरी रंगा आयंगर रोड, अनन्दारपेट, मद्रास-600018 (कार्यालय : ए-6, इंडिस्ट्रीयल इस्टेट, अम्बानूर, मद्रास-600068)	पूर्ण एल्यूमीनियम सालक और इस्पात प्रबलित एल्यूमीनियम चालक— IS : 398—1961
6.	सी एम/एल-5120 1976-04-19	1976-04-01	1977-03-31	मोदी इलैक्ट्रिक मैन्य० क०, 10-वी, कस्तूरी रंगा आयंगर रोड, अलबार- पेट, मद्रास-600018 (कार्यालय और फैक्टरी : ए-10, इंडिस्ट्रीयल इस्टेट, अम्बानूर, मद्रास-600058)	पूर्ण एल्यूमीनियम चालक और इस्पात प्रबलित एल्यूमीनियम चालक— IS : 398—1961
7.	सी एम/एल-5121 1976-04-19	1976-04-01	1977-03-31	इण्डिस्ट्रीयल इलैक्ट्रिक एन्ड एलाहड प्रोडक्ट्स, प्लाट नं० 81/82, अनु- साक्षा इंडिस्ट्रीयल इस्टेट, गणेश बाग, मंदिराचा, पुणे-411036 (कार्यालय : 2423, नवी नुकवार वेठ, पुणे-411002)	रक्त दायमापी, निर्देश प्रबाल— IS : 7652—1975
8.	सी एम/एल-5122 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	इलैक्ट्रिकल कास्टिंग्स लि०, ए-7, श्री०टी० रोड के हस्तिण, गाजियाबाद (उ०प्र०)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के स्पष्ट में वेल्सन के लिए कार्बन इस्पात के ढंगे हुए विलेट और इंगट— IS : 6914—1973
9.	सी एम/एल-5123 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	”	संरचना इस्पात (सामान्य किस्म) के स्पष्ट में वेल्सन के लिए कार्बन इस्पात के ढंगे हुए विलेट और इंगट— IS : 6915—1973
10.	सी एम/एल-5124 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	श्री डी स्टील रोलिंग मिल्स, श्री०टी० रोड, ज्ञानग्नर छावनी (पं)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1975
11.	सी एम/एल-5125 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	”	संरचना इस्पात (माध्यरक्त किस्म)— IS : 1977—1975
12.	सी एम/एल-5126 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	जयपाल उद्योग, 33 से 35, शर्ल इंडिस्ट्रीयल इस्टेट, लोनी, जि० मेरठ (उ०प्र०)	भालाधियोन धूलन पाउडर— IS : 2568—1973
13.	सी एम/एल-5127 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, 21/3, मधुरा रोड, बल्लभगढ़ (हरियाणा)	प्रदापि प्रकार ए के लिए सतह ठोरीकरण इस्पात, IS : 4432—1967
14.	सी एम/एल-5128 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	स्वास्तिक रबड़ प्रोडक्ट्स लि० एम०ग्राई० श्री०सी० इंडिस्ट्रीयल एरिया, विजवाड़, (कार्यालय : स्वास्तिक भवन, विजवाड़, पुणे-411003)	खनिकों के लिए सुरक्षा रबड़ केव्स के बूट टाईप I— IS : 3976—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
15. सी एम/एल-5129 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	हिन्दुस्तान कॉपर लिंग, (भारत मरकार का उद्यम) इंडियन कॉपर कम्प्लेक्स, माउंटभार, बटमिला, जिला मिहार्भुमि ' (बिहार) (कार्यालय : इंडस्ट्री हाउस, 10कैम्क स्ट्रीट, कलकत्ता-700017)	नपकूप की जालियों के निर्माण में प्रयुक्त सीमायुक्त पीली की छहरें और पत्तियां— IS : 5494-1969	
16. सी एम/एल-5130 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	मुरेन्ह इंडस्ट्रीज (बम्बई) प्रा० लि०, संरचना इस्पात (मानक किस्म)--- दूसरी पोखरन रोड, माजीवाड़ा, ठाणे (कार्यालय : 24, बड़ीदा स्ट्रीट, बम्बई-400009)		IS : 226-1975
17. सी एम/एल-5131 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	"	संरचना इस्पात (माधारण किस्म) IS : 1977-1975	
18. सी एम/एल-5132 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	राठी एल्वायर एण्ड स्टोल लि०, प्लाट नं० ए-1, इंडस्ट्रियल प्रिया, जी० टो० रोड के दक्षिण गांधियाबाद (उ०प्र०)	मंरजना इस्पात (मानक किस्म)--- IS : 226-1975	
19. सी एम/एल-5133 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	प्रशाप स्टील रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, 21/3, मथुरा रोड, बलभगुड (हरियाणा)	कठोरीकरण और उत्पाद ऐने का इस्पात, प्रदापि, टाइम ए के लिए— IS : 5517-1969	
20. सी एम/एल-5134 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	फोरोना इंडस्ट्रीज, 218 ए. चिनरंजन एवेन्यू, कलकत्ता-700006	टाइटराइटर के लिए, टाइप-I (एल०एम०ए०इका) टाइप-II (एल०एम०इकिंग)--- IS : 4174-1967	
21. सी एम/एल-5135 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	नंगर म्यन पाइप कं०, मज़द्दावाड़ा, (पंजाब)	प्रबलिन बीमेट कफरीट पाईव 450 मिमी एनपी, मकेतिक व्यास तक तथा 600मिमी सांकेतिक व्यास तक एनपी, ब्रेंपी— IS : 458-1971	
22. सी एम/एल-5136 1975-04-19	1976-04-16	1977-04-15	स्पैशन स्टोल लि०, इनापाड़ा रोड, बोरी बल (पूर्व) बम्बई-400066	जस्टीक्षण इस्पात के रोक नार प्रेड-2— IS : 2141-1968	
23. सी एम/एल-5137 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	किलोस्कर बाइरे किलोस्कर बाइरे, नाल नामगाड़ जिला मार्गी (कार्यालय : निलक रोड, पुणे-411002)	ज्ञेतिज प्रोकेट्री प्रम, याक ठंडे और ताजे पानी के लिए, माइल ई एस एम 2, माइल 80 × 65 मिमी, माइल 3 गूमी-1 15, माइल 100 × 80 मिमी— IS : 1520-1972	
24. सी एम/एल-5138 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	मुकंद आयरन एण्ड स्टोल वर्क्स लि०, काल्य, ठाणे बेनापुर रोड, ठाणे (महाराष्ट्र)	रेल-डिब्बों के लिए शेषादर्श और कुंडलीदार कमातियों के निर्माणार्थ इस्पात की छह— IS : 3195-1975	
25. सी एम/एल-5139 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	मुकंद आयरन एण्ड स्टील वर्क्स लि०, काल्य, ठाणे बेनापुर रोड, ठाणे (महाराष्ट्र)	स्वचल वाहन में निम्नजल के लिए गोखावर्त कुंडलीदार और परस्दार कमातियों के बास्ते इस्पात की छह— IS : 3431-1965	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
26. सीएम/एल-5140 1976-04-19		1976-04-16	1977-04-15	दि अंगूष क० लि०, अंगूष डाक० दुगली, (कार्यालय : 3, क्लाइव रोड, कलकत्ता-700001)	उर्वरक बोरों के लिए जूट का कपड़ा— IS : 7407-1974
27. सीएम/एल-5141 1976-04-19		1976-04-16	1977-04-15	दि अॉकलैण्ड जूट क० लि०, शोबपाडा रोड, जगतबल, 24 परगना-743125 (प०ब०) (कार्यालय : 6, लिटिशलसेल, स्ट्रीट, कलकत्ता-700016)	उर्वरक बोरों के लिए जूट का कपड़ा— IS : 7407-1974
28. सीएम/एल-5142 1976-04-19		1976-04-16	1977-04-15	माकामारी स्टील एंड एल्बायज लि०, 39, एम०प्रा०डी०सी० इंडस्ट्रियल एरिया, हिंगना रोड, नागपुर-440001	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के वेलन कोसिए काबैन इस्पात के पिं IS : 6914-1973
29. सीएम/एल-5143 1976-04-20		1976-04-01	1977-03-31	भीता भायरन एंड ब्राम बकर्स प्रा०लि०, ब्रजबा (जिला बड़ोदा)	1. जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व (भलौह तकुधों और छल्लों वाले) श्रेणी I, 600 मिमी साइज तक के, दुहरे फ्लैंज वाले— 2. जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व (भलौह तकुधों और छल्लों वाले) श्रेणी II, 1200 मिमी साइज तक के दुहरी फ्लैंज वाले— IS : 2906-1969
30. सीएम/एल-5144 1976-04-21		1976-05-01	1977-04-30	सुपर स्टील्स, प्लाट नं० 34, सेक्टर 6, फरीदाबाद (हरियाणा)	भामाल्य इंजीनियरी कार्यों के लिए मृदु इस्पात का तार, जस्ता बदायुमा— IS : 280-1972
31. सीएम/एल-5145 1976-04-22		1976-04-16	1977-04-15	बंगाल रेड मीट्य० क० 2, न्यू तांगड़ा रोड, कलकत्ता-700046	अनिकों के लिए सुरक्षा रेड फैक्ट्री के बूट टाइप 2— IS : 3976-1975
32. सीएम/एल-5146 1976-04-22		1976-04-16	1977-04-15	प्रमेरिक्स स्प्रिंग एंड प्रेसिंग बकरी लि०, मावरं हाउसिंग सोसायटी, कास रोड नं० 1, मलाड बम्बई-400064	हस्तबालित पृष्ठभागी सतत छिड़- कावक यंत्र— IS : 3906 (भाग I)-1974
33. सीएम/एल-5147 1976-04-26		1976-05-01	1977-04-30	फार्मर्स पेसिस्टाइल्स, एसोसिएटिड प्रा० इंडस्ट्रियल इस्टेट, येणागुटा (भार एस) प्रोधात्तुर-518360, जिला कडपा (भारप्र०)	बी एच सी जल विमर्जीय पाउडर— IS : 562-1972
34. सीएम/एल-5148 1976-04-26		1976-05-01	1977-04-30	स्थानिक नेमिनेटिंग इंडस्ट्रीज, मावरं इंडस्ट्रियल इस्टेट, वहारुगढ़	उर्वरक भरने के लिए परतदार जूट के बोरे— IS : 7406-1974
35. सीएम/एल-5149 1976-04-26		1976-05-01	1977-04-30	मार्टिन बन लि०, (इंडिस्ट्रियल डिवीजन) 1, मध्य शाफ्टर रोड, खिंदिरपूर, कल- कत्ता-700023	एल पी जी के साथ इन्मेमास के हिंग घरेलू गैस स्टोर IS : 4246-1972
36. सीएम/एल-5150 1976-04-26		1976-05-01	1977-04-30	फैंस निटिंग क०, 88-एफ, कामराज रोड, निश्चुर-638604	मार्टे (प्लैन) श्रृंगी सूती बनियन— IS : 4974 (भाग II)—195
37. सीएम/एल-5151 1976-04-28		1976-05-01	1977-04-30	एम० बी० एम० एफ० (पेट डिवीजन) प/। 5/3, शिल्पिन इंडस्ट्रियल एरिया, गाहू- दरा, विल्सो-110032	समेकित सीमेट जलसहयोगक, शोषण बलोगढ़ की मात्रा % IS : 2645-1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
38. मा.एम/ए.३-5152 1976-04-28	1976-05-01	1977-04-30	फैक्टरी नायडू कारपो० प्रा० लि० 2, इच्छन रेफिनिंग, 165 लिटर समाई स्ट्रियल गृणिगा, कालकाजी, नवी दिल्ली- 110019	2, इच्छन रेफिनिंग, 165 लिटर समाई स्ट्रियल गृणिगा, कालकाजी, नवी दिल्ली- 110019	IS 1476—1971
39. पी.एम/ए.३-5153 1976-04-26	1976-05-01	1977-04-30	ग्राह कृषि उद्योग, रिंग रोड, निकट रेलवे मार्ग गोदाम, बैलनगंग आगरा (उ० प्र०)	ग्राह कृषि उद्योग, रिंग रोड, निकट रेलवे मार्ग गोदाम, बैलनगंग आगरा (उ० प्र०)	निम्नांकित रेटिंगों के उधर्व एक सिल- डर वाले, जल जीति, चार रुपों के द्वीजल इंजन— किंवा चक्कर टाइप मार्क प्र०म०
					3 67 1500 पैस वी १ 'हार्ड-स्ट' (5 हापा) IS : 1601—1960
40. मा.एम/ए.३-5154 1976-04-28	1976-05-01	1977-04-30	डिपलेन्स कार्सेट्स (इंडिया), 47-48, नवीन ओखला इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, फैज 1, नवी दिल्ली- 110044	जल संचालों के निम्न फेरला, 15 इमर्ज और 20 मिमी भाइजो—	IS : 2692—1964
41. मा.एम/ए.३-5155 1976-04-28	1976-05-01	1977-04-30	भारत पम्पएंड कंपनीसर्विस लि०, नैरी, हलाहा- याद (उ० प्र०)	कलोगाइन गैस के लिए जले हुए निम्न आर्बन इस्पात के गैस सिलिंडर, 84 लिटर समाई वाले—	IS : 7681—1975
42. मा.एम/ए.३-5156 1976-04-28	1976-05-01	1977-04-30	कैरी ल्यास्टिक प्रा० लि०, बिशन उद्योग प्रीमियम कॉर्पो० सोसा० लि०, यूनिट नं० 8, 9 और 10, मुख्य (परिवर्ती) बम्बई- 400080	उच्चस्य सी और मूलालयों के लिए ऊचे पर और नीचे लगाने वाली दोनों 12.5 लिटर समाई आर्की ल्यास्टिक की पलण की टकिया—	IS : 7231—1974
43. मा.एम/ए.३-5157 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	दि. रिलायेस जूट एंड इंडस्ट्रीज लि० भाट-पाड़ा डाक रेलवे स्टेशन, कलकीनाडा (पूर्व रेलवे) 24 परगना (कार्यालय ९, ब्रेंबांग राड, कलकत्ता- 700001)	उधर्वरकी के बांसों के लिए जूट का कपड़ा—	IS : 7407—1974
44. मा.एम/ए.३-5158 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	शर्कित पाइप लि०, ग्लाशूर, कुम्हेदीपुर नालुक, जिला चिंचलपेट (कार्यालय प्लाट नं० 6, पोथेम गाडेन, मद्रास- 600086)	जलमस और गैस के लिए अपकेन्द्री चुने लाइंस के दाव पाइप, मादाज 300 मिमी व्यास तक थोणी पूल—	IS : 1536—1967
45. मा.एम/ए.३-5159 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	मर्दन इंसेक्टिमाइक्स एंड फार्टिलाइजर्स, १८/२, इंडियन इस्टेट, अम्बालूर, मद्रास- 600098	डाइमोपोएट पायसनीय मानव—	IS : 3903—1975
46. मा.एम/ए.३-5160 1976-04-29	1976-05-01	1977-04-30	राष्ट्रमणी स्टॉल इम्प्रॉज प्रा० लि०, कोहू-गाड़ी डाकघर, ब्राह्मपुरी, बंगलौर (कार्यालय २८/२, केगल हनुमन्तेया रोड, बंगलौर- 560027)	कक्षीय प्रबलन के लिए ठंडी भरोडी विकृत इस्पात की मरिया—	IS : 1786—1966
47. मा.एम/ए.३-5161 1976-04-29	1976-05-01	1977-04-30	"	मरचना इम्पाल (मानक किम्ब)—	IS : 226—1975
48. मा.एम/ए.३-5162 1976-04-29	1976-05-01	1977-04-30	"	मरचना इम्पाल (मानक किम्ब)—	IS : 1977—1975
49. मा.एम/ए.३-5163 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	प्रताप स्टील गोलिंग मिल्स लि०, प्लाट नं० 24, सेक्टर ८, मथुरा रोड, कल्पनगढ़ (हरियाणा)	कक्षीय प्रबलन के लिए ठंडी मरोडी विकृत इम्पाल की मरिया—	IS : 1786—1966
50. मा.एम/ए.३-5164 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	प्रताप स्टील गोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा० लि०, प्रताप इम्पेट, छेहरा (उ० रेलवे) अमृतसर (प०)	गहर्ड के लिए कालेन इम्पाल की मरिया—IS : 1875—1971	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
51. ना एम/ग्न-5165 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स लि०, 21/3, मध्यग रोड, बत्लभगड़ (हरियाणा)	मशीन पेंचों की तार इंडियन मॉर्णिंग मृदु इस्पात के पिड़— IS : 2255-- 1969	
52. ना एम/ग्न-5156 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा० लि०, प्रताप इस्टेट, छेहरता (उ० रेलवे) अमृतसर (पं०)	मेटल आर्क बेलिंग इलेक्ट्रोड कोर के तार के लिए मृदु इस्पात— IS : 2879-- 1967	
53. ना एम/ग्न-5167 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	"	लकड़ी के पेचों के निर्माण के लिए कार्बन इस्पात पिड़— IS : 1812-- 1973	
54. ना एम/ग्न-5168 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	यूनिबर्सल स्टील एंड एलोय लि०, 12/6, मौल मधुग रोड, डाकघर अमृत नगर, फरीदाबाद—121003	परतदार कमानियों रेस-डिव्वे के लिए इस्पात पिड़, सी 55 और 55 प्रम भाई, परम प्रन 40 रेल IS : 3885 (भाग 1)-- 1968	
55. ना एम/ग्न-5169 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	फिलेस्ट्र प्रा० लि०, 7-सी, इंडिस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल (म०प्र०)	डी डी टी पायमनीय सान्द्र— IS 633-- 1956	
56. ना एम/ग्न-5170 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	फार्म कैमिकल्स, रुडकी रोड, मुजफ्फर नगर (उ० प्र०)	डी एच सी धूसन पाउडर— IS : 561-- 1972	
57. ना एम/ग्न-5171 1976-04-29	1976-04-16	1977-04-15	नेशनल इंजीन इंडस्ट्रीज लि०, (रबड़ इथिंग) 2, वीरपाला नेन, दमदम, कलकत्ता 700030	खनिकों के लिए सुरक्षा रथ के थूट— IS : 3976-- 1975	

[सं० सी०ए०म०डी० / 13 : 11]
ए० पी० बनर्जी, जपमहानिदेशक

S.O. 314—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that fiftyseven licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of April 1976 authorizing the licensees to use the Standard Marks.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. No. (CM/L—)	Period of From	Validity To	Name & address of the Licensee	Article/Process covered by the Licences and the Relevant IS : Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-5115 1976-04-01	1976-04-01	1977-03-31	Star Rubber Products, B-23, H-Block, MIDC, Pimpri, Poona-18	Safety rubber canvas boots for miners Type I— IS : 3976—1975
2.	CM/L-5116 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Ciba Geigy of India Ltd, Santa Monica Plant, Corlin Ilhas, Goa (Office 14 J. Tata Road, Bombay-400020)	Dichlorvos technical— IS : 4929—1968
3.	CM/L-5117 1976-04-19	1976-03-16	1977-03-15	Sree Manjunatha Pulverizers, 62 In- dustrial Suburb, Yeshwanthpur, Bangalore-560022 (Office : Subuvani Bldgs N.R. Road, Bangalore-560002)	Malathion EC— IS : 2567—1973
4.	CM/L-5118 1976-04-19	1976-03-16	1977-03-15	-do-	DDT EC— IS : 633—1956
5.	CM/L-5119 1976-04-19	1976-04-01	1977-03-31	Alvittas Electricals Pvt. Ltd., 10-B Kasturi Ranga Iyengar Road, Alwar- pet, Madras-600018 (Office : A-6, Industrial Estate Ambattur, Madras- 600058)	All aluminium conductors & ACSR con- ductors— IS : 398—1961

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6. CM/L-5120 1974-04-19	1976-04-01	1977-03-31	Modi Electric Mfg. Co. 10-B Kasturi Ranga Iyengar Road, Alwarpet, Madras-600018 (Office : & Factory at A-10, Industrial Estate, Ambattur, Madras-600058)	All aluminium conductors and ASCR conductors— IS : 398—1961	
7. CM/L-5121 1976-04-19	1976-04-01	1977-03-31	Industrial Electronic & Allied Products, Plot No. 81/82, Anusakha Industrial Estate, Ganesh Bang, Mundhawa Poona-411036 (Office : 1423 New Shukrewar Peth, Poona-411002)	Sphygmonanometer Type—ANEROID IS : 7652—1975	
8. CM/L-5122 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Electrosteel Castings Ltd, A-7, South Side of G.T. Road, Ghaziabad (U.P.)	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973	
9. CM/L-5123 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	-do-	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973	
10. CM/L-5124 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Bee Dee Steel Rolling Mills, G.T. Road, Jullunder Cantt (Pb.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
11. CM/L-5125 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	
12. CM/L-5126 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Jaipal Udyog, 33 to 35 Rural Industrial Estate, Loni, Distt Meerut (U.P.)	Malathion DP— IS : 2568—1973	
13. CM/L-5127 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Partap Steel Rolling Mills Pvt. Ltd., 21/3, Mathura Road, Ballabhgarh (Haryana)	Case hardening steel condition of delivery type A— IS : 4432—1967	
14. CM/L-5128 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Swastik Rubber Products Ltd, M.I. D.C. Industrial Area, Chinchwad, (Office : Swastik House, Kirkee, Poona-411003)	Safety rubber canvas boots for miners, Type 1— IS : 3976—1975	
15. CM/L-5129 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Hindustan Copper Ltd, (A Govt of India Enterprise) Indian Copper Complex, Moubhandar, Ghatsila, Distt Singhbhum, Bihar (Office : Industry House, 10, Camac Street, Calcutta-700017)	Leaded brass sheets & strip for use in the manufacture of tubewell strainers— IS : 5494—1969	
16. CM/L-5130 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Surrendra Industries (Bom) Pvt. Ltd., 2nd Pokhran Road, Majiwada, Thana (Office : 24 Baroda Street, Bombay-400009)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
17. CM/L-5131 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	
18. CM/L-5132 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Rathi Alloys & Steel Ltd, Plot No. A-1, Industrial Area, South Side of G.T. Road, Ghaziabad (U.P.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
19. CM/L-5133 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Partap Steel Rolling Mills Pvt. Ltd, 21/3, Mathura Road, Ballabhgarh (Haryana)	Steel for hardening & tempering condition of delivery type A— IS : 5517—1969	
20. CM/L-5134 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Corona Industries, 218 A, Chittaranjan Avenue, Calcutta-700006,	Typewriter ribbon Type I (L.M.H. inking) Type II (L.M. inking)— IS : 4174—1967	
21. CM/L-5135 1976-04-19	1976-04-01	1977-03-31	Nangal Spun Pipe Co, Machhiwara (Punjab)	Reinforced cement concrete pipes upto & including 450 mm nominal dia NP ₁ Class & upto and including 600 mm nominal dia NP ₂ class— IS : 458—1971	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
22. CM/L-5136 1974-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Special Steel Ltd, Dattapara Road, Borivali (East), Bombay-400066	Galvanized steel stay wire, Grade 2, IS : 2141—1968	
23. CM/L-5137 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Kirloskar Brothers, Kirloskarvadi, Tal Tasgaon, Distt Sangli (Office : Tilak Road, Poona-411002)	Horizontal centrifugal pumps for clear cold fresh water model DSM ₂ , size 80x65 mm Model 3 UP-1 150, size 100x 80 mm— IS : 1520—1972	
24. CM/L-5138 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Mukand Iron & Steel Works Ltd, Kalwe, Thana Belapur Road, Thana (Maharashtra)	Steel bars for the manufacturing of volute & helical springs for Railways rolling stock— IS : 3195—1975	
25. CM/L-5139 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	-do-	Steel bars for volute, helical and laminated springs for automotive suspension— IS : 3431—1965	
26. CM/L-5140 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	The Angus Co. Ltd, Angus P.O. Hooghly (Office : 3, Clive Row, Calcutta-700001)	Jute fabric for fertilizer bag— IS : 7407—1974	
27. CM/L-5141 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	The Auckland Jute Co. Ltd, Ghoshpara Road, Jagatdal, 25 Parganas (W.B.) 743125 (Office : 6 Little Russell Street, Calcutta-700016)	Jute fabric for fertilizer bags— IS : 7407—1974	
28. CM/L-5142 1976-04-19	1976-04-16	1977-04-15	Sakamari Steel & Alloys Ltd, 39 MIDC Industrial Area, Hingna Road, Nagpur-440001	Carbon steel ingots for rolling structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973	
29. CM/L-5143 1976-04-20	1976-04-01	1977-03-31	Geeta Iron & Brass Works Pvt Ltd, Bijuva (Distt Baroda)	(1) Sluice valve for water works purposes (with non-ferrous spindles and rings) Class I, upto and including 600 mm sizes, double flanged. (2) Sluice valves for water works purposes (with non-ferrous spindles & rings) Class II upto and including 1200 mm sizes, double flanged— IS : 2906—1969	
30. CM/L-5144 1976-04-21	1976-05-01	1977-04-30	Super Steels, Plot No. 34, Sector 6, Faridabad (Haryana)	Mild steel wire for general engineering purposes, galvanized— IS : 280—1972	
31. CM/L-5145 1976-04-22	1976-04-16	1977-04-15	Bengal Rubber Mfg. Co., 2, New Tantora Road, Calcutta-700046	Safety rubber canvas boots for miners, Type 2— IS : 3976—1975	
32. CM/L-5146 1976-04-22	1976-04-16	1977-04-15	American Spring & Pressing Works Ltd, Adrash Housing Society, Cross Road No. 1 Malad, Bombay-400064	Hand operated continuous knapsack sprayer— IS : 3906 (Pt. I)—1974	
33. CM/L-5147 1976-04-26	1976-05-01	1977-04-30	Farmers Pesticides, Associated Pvt. Industrial Estate, Yerranguntia (RS) Proddatur-516360 Cuddapah Distt. (A.P)	BHC WDP— IS : 562—1972	
34. CM/L-5148 1976-04-26	1976-05-01	1977-04-30	Swastik Laminating Industries, Modern Industrial Estate, Bhadurgarh.	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS : 7406—1974	
35. CM/L-5149 1976-04-26	1976-05-01	1977-04-30	Martin Burn Ltd., (Industrial Division) 1, Satya Doctor Road, Kidderpore, Calcutta-700023.	Domestic gas stove for use with LPG— IS : 4246—1972	
36. CM/L-5150 1976-04-26	1976-05-01	1977-04-30	Friends Knitting Co., 88-F, Kamraj Road, Tirupur-638604.	Plain knitted cotton vests— IS : 4964 (Pt II)—1975	
37. CM/L-5151 1976-04-28	1976-05-01	1977-04-30	M.B.S.F. (Paint Division), A/5/3, Jhilmil Industrial Area, Shahdara, Delhi-110032.	Integral cement waterproofing compounds, chloride content declared 0%— IS : 2645—1975	
38. CM/L-5152 1976-04-28	1976-05-01	1977-04-30	Fedders Lloyd Corp. Pvt Ltd, 2, Industrial Area, Kalkaji, New Delhi-110019	Domestic refrigerators, 165 litres capacity— IS : 1476—1971	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
39. CM/L-5153 1976-04-28	1976-05-01	1977-04-30	Ravi Agricultural Industries, Ring Road. New Rly Goods Shed, Belan-ganj, Agra (U.P)	Vertical single cylinder, water, cooled four stroke diesel engines of the following ratings—	
				KW RPM Type Brand	
				3.67 1500 HV1 'HAR- (5 HP) VEST' IS : 1601—1960	
40. CM/L-5154 1976-04-28	1976-05-01	1977-04-30	Dripless Faucets (India), 47-48, New Okhla Industrial Complex, Phase I. New Delhi-110044	Ferrules for water services sizes 15mm & 20 mm— IS : 2692—1964	
41. CM/L-5155 1976-04-28	1976-05-01	1977-04-30	Bharat Pump & Compressors Ltd., Naini, Allahabad (U.P)	Welded low carbon steel gas cylinder for chlorine gas capacity 84 litres— IS : 7631—1975	
42. CM/L-5156 1976-04-28	1976-05-01	1977-04-30	Kaypee Plastics Pvt Ltd, Bishen Udyog Premises Co-op Soc. Ltd., Unit No. 8, 9 & 10 Muland (West) Bom-bay-400080	Plastic flushing cisterns (valveles siphonic type) for water closets and urinals, high level & low level, both 12.5 litres— IS : 7231—1974	
43. CM/L-5157 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	The Ralliance Jute & Industries Ltd, Bhatpara P.O. Rly Stn, Kankinara (E. Rly), 24 Parganas (Office : 9 Bra-bourne Road, Calcutta-700001)	Jute fabric for fertilizer bags— IS : 7407—1974	
44. CM/L-5158 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	Sakthi Pipes Ltd, Elavur, Cummedi-pund, Taluk Chinglepet Distt (Office : Plot No. 6. Poes Garden, Madras-600086)	Centrifugally castiron pressure pipes fo r water gas & sewage sizes : upto 300 mm dia Class LA— IS : 1536—1967	
45. CM/L-5159 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	Southern Insecticides & Ferliizers, 1A/2, Industrial Estate, Ambattur, Madras-600098	Dimethoate EC— IS : 3903—1975	
46. CM/L-5160 1976-04-29	1976-05-01	1977-04-30	Rukmani Steel Industries Pvt Ltd, Kodugodi Post, Whitefield Banga-lore (Office : 29/2, Kengal Hanumanthiah Road, Bangalore-560027)	Cold twisted deformed steel bars for con-crete reinforcement— IS : 1786—1966	
47. CM/L-5161 1976-04-29	1976-05-01	1977-04-30	Rukmani Steel Industries Pvt Ltd, Kadu-godi Post, Whitefield, Bangalore (Office : 29/2, Kengal Hanumanthiah Road, Bangalore-560027)	Structural steel (standard quality)— 226—1975	
48. CM/L-5162 1976-04-29	1976-05-01	1977-04-30	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	
49. CM/L-5163 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	Partap Steel Rolling Mills Ltd, Plot No. 24, Sector 6, Mathura Road, Ballabhgath (Haryana)	Coldtwisted deformed steel bars for con-crete reinforcement— IS : 1786—1966	
50. CM/L-5164 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	Partap Steel Rolling Mills (Amritsar) Pvt Ltd, Partap Estate, Chheharta (N. Rly) Amritsar (Pb.)	Carbon steel bars for forgings— IS : 1875—1971	
51. CM/L-5165 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	Partap Steel Rolling Mills Ltd, 21/3, Mathura Road, Ballabghar (Har-yana)	Mild steel ingots for the manufacture of wire rod for machine screw— IS : 2255—1969	
52. CM/L-5166 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	Partap Steel Rolling Mills (Amritsar) Pvt Ltd, Partap Estate, Chheharta (N. Rly) Amritsar (Pb.)	Mild steel for metal arc welding electrode core wire— IS : 2879—1967	
53. CM/L-5167 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	Do.	Carbon steel ingots for manufacture of wood screws— IS : 1812—1973	
54. CM/L-5168 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	Universal Steel and Alloy Ltd, 12/6, Milc Stone, Mathura Road, P.O. Amar Nagar, Faridabad-121003	Steel ingots for the manufacture of laminationd springs (railway rolling stock), C 55 & 55 Si 2 MN 90 Grades— IS : 3885 (Part I)—1966	
55. CM/L-5169 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	Kilpest Pvt Ltd, 7-C, Industrial Area, Govindpura Bhopal (M.P)	DDT EC— IS : 633—1956	
56. CM/L-5170 1976-04-29	1976-05-16	1977-05-15	Farm Chemicals, Roorkee Road, Mu-zaffarnagar (U.P)	BHC DP— IS : 561—1972	
57. CM/L-5171 1976-04-29	1976-04-16	1976-04-15	National Engg Industries Ltd, (Rubber Division), 2 Beerpura Lane, Dum Dum Calcutta-700030	Miners safety rubber boots— IS : 3976—1975	

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय
(पेट्रोलियम विभाग)

तरह विली, 8 जनवरी 1979

का० आ० 315.—यतः पेट्रोलियम और अनियंत्रित पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार प्राप्ति) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2079 तारीख 23-6-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए अंजित करने का प्रत्यना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) की सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और यांगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्रिया का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिये एवं द्वारा अंजित किया जाता है।

और यांगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० डबका-1 से जी०सी०एम० तक पाइप लाइन विछाने के लिए।
राज्य : गुजरात जिला : बडोदा तालुका : पादरा

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एकारहै सेंटीयर	
गवासद	101412	0	03	90
	1015	0	14	56
कार्ट-ट्रैक	0	03	25	
58	0	00	65	
56	0	23	40	
46/1	0	02	60	
45	0	06	50	

[सं० 12016/2/78-प्र०]

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND
FERTILIZER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 8th January, 1979

S.O. 315.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S. O. No. 2079 dated 23-6-1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum

and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Right of user for flow Line from Well No. Dabka—1 to Dabka — GCS

State : Gujarat	District : Baroda	Taluka : Padra
Village	Survey No.	Hectare
Gavasad	101412	0
	1015	0
Cart-track	0	03
58	0	00
56	0	23
46/1	0	02
45	0	06

[No 12016/2/78/Prod.]

का० आ० 316.—यतः पेट्रोलियम और अनियंत्रित पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार प्राप्ति) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2606 तारीख 16-8-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए अंजित करने का प्रत्यना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और यांगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्रिया का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिये एवं द्वारा अंजित किया जाता है।

और यांगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

प्रत्यक्षी ।

कृप नं० एन० के० एक्स० से स्टीम पोर्ट ग्रार०ओ०य०एन०के०ए०जेस० से डम्प्य०एच०आर्ह० कड़े०-25 तक पाष्प लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : अहमदाबाद तालुका : विरमगांग

गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टेयर	एक्स०	सेटीयर
भटारीखा	72/3	0	08	16
	72/2	0	07	20
	71/1	0	03	84
तेलावी	209/34	0	19	32
	209/38	0	03	24
	209/42	0	04	08
	210/1	0	11	16
	209/17	0	05	52
	209/16	0	00	36
	209/18	0	06	00
	209/19	0	06	00
	209/20	0	03	60
	209/21	0	06	60
	209/22	0	09	28

[सं० 12016/6/78/प्र०]

SCHEDULE

Well no NKX to steam point at ROUNKAZ to WHI Kadi-25

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgrān

Village	Survey No	Hct	Arc	Centiare
Bhatariya	72/3	0	08	16
	72/2	0	07	20
	71/1	0	03	84
Telavi	209/34	0	19	32
	209/38	0	03	24
	209/42	0	04	08
	210/1	0	11	16
	209/17	0	05	52
	209/16	0	00	36
	209/18	0	06	00
	209/19	0	06	00
	209/20	0	03	60
	209/21	0	06	60
	209/22	0	09	18

[No. 12016/6/78/Prod.]

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1979

का०आ० 317.—यतः पेट्रोलियम और अनिंश पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार प्रजेत) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० धा० सं० 1141 तारीख 3-4-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न प्रत्यक्षी में विनियिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अंजित करने का प्रपना घोषित कर दिया था ।

और यतः सभी प्रधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनियय किया है ।

यद्य, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त विविध का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न प्रत्यक्षी में विनियिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अंजित किया जाता है ।

श्रीर भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त विविध का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बावजूद तेल और ग्राहकीय गैस आयोग में, सभी वाधाओं से नुक्त रूप में घोषणा के प्रकार उक्त की इस तारीख को नहित होगा ।

And further in exercise of power conferred by Sub-section

(4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

भासूची

जी० एस० के० डी० ई०-२२ से जी० जी० एस०-३ तक पाइप लाइन
विश्वासी के लिए

राज्य : गुजरात

गांव	ब्लॉक नं०	फ्रेटेवर एजार्ह सेन्टीयर
	जिला : मेहसाना	तालुका : कलोल
छत्ताल	84	0 03 90
	83	0 03 60
	82	0 07 20
	87	0 17 10
	94	0 11 70
	99	0 07 35
	101	0 06 75
	93	0 01 50
	102	0 15 60
	कार्ट ट्रैक	0 0 05
वडावस्वामी	256	0 00 50
	257	0 22 50
	258	0 02 70
	261	0 13 50
	255	0 18 60
	263	0 03 90
	262	0 13 95
	कार्ट ट्रैक	0 00 75
	264	0 01 50
		तालुका : कडी
अम्बावपुरा	सर्वे नं०	
	139/2	0 07 65
	कान्स	0 01 50
	142/1	0 03 90
	142/2	0 01 00
	141/1	0 13 50
	141/2	0 09 90
	136/1	0 11 10
	135	0 04 95
	127	0 11 10

[सं० 12016/4/78/प्र०]

New Delhi, the 9th January, 1979

S.O. 317.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1141 dated 3-4-1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in hand) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from D. S. KDE-22 to GGS III state-Gujarat

State : Gujarat

Village	Block No.	Hectare Are	Centiare
	Taluka : Kalol	District : Mehsana	
Chhatral	84	0 03 90	
	83	0 03 60	
	82	0 07 20	
	87	0 17 10	
	94	0 11 70	
	99	0 07 35	
	101	0 06 75	
	9	0 01 50	
	102	0 15 60	
	Cart track	0 00 05	
Vadavswami	256	0 01 50	
	257	0 22 50	
	258	0 02 70	
	261	0 13 50	
	255	0 18 60	
	262	0 03 90	
	262	0 13 95	
	Cart track	0 00 75	
	264	0 01 50	
		Taluka : Kadi	District : Mehsana
		Survey No.	
Ambavpura	139/2	0 07 65	
	Kans	0 01 50	
	142/1	0 03 90	
	142/2	0 01 00	
	141/1	0 13 50	
	141/2	0 09 90	
	136/1	0 11 10	
	135	0 04 95	
	127	0 11 10	

[No. 12016/4/78/Prod.]

वर्ष दिसंबर, 8 जदवरी, 1979

का० आ० 318.—मारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा ऐसा कि यहां
संलग्न भासूची में प्रदर्शित किया गया है भौतिक्यम और स्वनियम
पाईप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962
के खण्ड 6 के उपचारण (1) के मन्तरांत प्रकाशित किया गया है गुजरात
राज्य के ए० बी० जी० एस० पर तेल धोका में उक्त परियोग भूमि में
स्थित सं० सी० पी० भूमि से ऐनोडेक्ट तक वैट्रोलियम के लिए भूमि
उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उप-
चारण (1) की धारा (1) में निविष्ट कार्य दिनांक 17-3-76/9-2-76
से समाप्त कर दिया है।

प्रत: भूत वैट्रोलियम पाइपलाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि
अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के मन्तरांत सक्षम प्राधिकारी एवं
द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

मी० पी० स्थल से प्रौद्योगिकी का पर तक पाठ्य-
पत्र कार्य की समाप्ति

मकान का नाम	गाव	का० आ०	भारत के राज कार्य समाप्ति पत्र में प्रकार की नियमिति यन की तिथि
पैट्रोलियम रसायन और उर्वरक	मानपुर	3360	25-11-78 17-3-76
	नाभिपुर		9-2-76

[12016/3/78 Prod.]

एम० पी० वाई नादीम, अध्यक्ष सचिव

S.O. No. 318 Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from C.P. station to Annode Bed on ABGL oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 9-2-76 and 17-3-76.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDE

Termination of operation of pipeline from C. P. station to
Annode Bed

Name of Ministry	Villages	S. O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Manpur	3360	25-11-78	17-3-76
	Nabipur			9-2-76

[No. 12016/3/78/Prod.]
S.M.Y. Nadeem, Under Secy.

(राजायन और उर्वरक विभाग)

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1979

का०आ० 319—सरकारी स्थान (अनधिकृत अधिभोगियों की वेदायनी) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, राजायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना सं० का० आ० 4761 दिनांक 20 अक्टूबर 1975 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अध्यात्।

उक्त अधिसूचना के नीचे दी गई लालिका के स्थान पर निम्नलिखित लालिका प्रतिस्थापित की जाएगी अध्यात्।

लालिका

अधिकारी का पदनाम

सरकारी स्थानों की अंगियों और
क्षेत्राधिकार की स्थानापारी मीमांसा

मुख्य प्रणालीनिक अधिकारी नेशनल नगल कारखाने और उसके टाउन-फिलाइजर्स लि०, नेशनल एकक, नया शिप (उप-नगर) के लिए नेशनल नगल फिलाइजर्स लि० द्वारा अवधा उनकी ओर से पटे पर लिए गये स्थान।

[फाईल न० 91(16)/78 एफ० डी० सी०]
के० पी० श्रीवास्तव, उप मंत्रिव

(Department of Chemicals and Fertilizers)

New Delhi, the 8th January, 1979

S.O. 319.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Chemicals and Fertilizers No. S. O. 4761 dated the 20th October, 1975 namely :—

For the Table below the said notification, the following Table shall be substituted, namely :—

TABLE

Designation of the Officer	Categories of the Public Premises and local limits of jurisdiction
The Chief Administrative Officer, National Fertilizers Ltd. Nangal Unit, Naya Nangal	Premises belonging to, or taken on lease by or on behalf of the National Fertilizers Ltd. for the Nangal Factory and its township.

[F. No. 91(16)/78-FDC]
K. P. SRIVASTAVA, Dy. Secy.

जन्मांग मंत्रालय

(बोर्डीय विभास विभाग)

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1978

का०आ० 320.—केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 4 (3) (ब) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनडीट्रारा श्री जी० सी० अम्बर, निवेशक (वित्त) उद्योग मंत्रालय को श्री एम० वाई० गुप्ते के स्थान पर केन्द्रीय रेशम बोर्ड का मदम्य नामित करनी है तथा सरकार, वाणिज्य मंत्रालय के का० आ० सं० 642 दिनांक 16 फरवरी, 1977 की भारत सरकार की अधिसूचना में निम्नलिखित अप्रेतर संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना में क० सं० 2 के सामने वी गई प्रतिक्रिया के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिनिर्दिष्ट की जाए, अयति—

2 श्री जी० सी० अम्बर, निवेशक (वित्त)
उद्योग मंत्रालय,
नई दिल्ली।

[मिसिल सं० 25012/24/76-सिल्क]
एस० वेणुगोपालन, निवेशक

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 30th December, 1978

S.O. 320.—In exercise of the powers conferred by Section 4(3) (b) of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby nominates Shri G. C. Iyer, Director (Finance) Ministry of Industry as a member of the Central Silk Board Vice Shri S. Y. Gupte and makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce S.O. No. 642 dated the 16th February, 1977 namely.

In the said Notification, for the entry against Serial number 2, the following entry shall be substituted, namely :—

2. Shri G. C. Iyer,
Director (Finance)
Ministry of Industry
New Delhi.

[File No. 25012/24/76-Silk]
S. VENUGOPALAN, Director

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

पुष्टिपत्र

नई विली, 9 जनवरी, 1979

का० आ० 321. भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 21 अगस्त, 1978 के पृष्ठ 2411-2413 पर प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2617 में—

(क) पृष्ठ 2411 पर पंक्ति 2 में “भारत सरकार” के स्थान पर “भारत सरकार” पढ़िए।

अनुसूची “क” के भीचे ड्राइंग सं० “1073-0278” के स्थान पर “073-0278” पढ़िए।

अनुसूची “क” में ग्राम सोमापुर के सामने राजस्व भूमि के भीचे “164.223” के स्थान पर “164.213” पढ़िए।

“ग्राम सीमापुर” में अंजित किए जाने वाले प्लाटों के संख्याक” के स्थान पर “ग्राम सोमापुर” में अंजित किए प्लाटों की संख्याक” पढ़िए।

“ग्राम बोगाई खापा” में अंजित किए जाने वाले प्लाटों का संख्याक” के स्थान पर “ग्राम बोगाई खापा” में अंजित किए गए प्लाटों की संख्याक” पढ़िए।

“ग्राम बोगाई खापा” में अंजित किए गए प्लाटों की संख्याक में दर्शाय गए प्लाट “90, 92 फी” के स्थान पर “90, 91 फी, 92 फी” तथा “220 फी” के स्थान पर “230 फी” पढ़िए और उससे पूर्ण संख्याक 223,224 को काट दीजिए।

ग्राम बोगाई खापा में अंजित किए गए प्लाटों की संख्याक में दर्शाय गए प्लाट “90, 92 फी” के स्थान पर “90, 91 फी, 92 फी” तथा “220 फी” के स्थान पर “230 फी” पढ़िए और उससे पूर्ण संख्याक 223,224 को काट दीजिए।

(ब) पृष्ठ 2412 पर

अनुसूची “ख” में, स्तंभ 4 में, XLIII के सामने स्तंभ 7 में “पूरा” के स्थान पर “भाग”, स्तंभ 3 में “389” के स्थान पर “399” और इसी पंक्ति में स्तंभ 6 में “40.562” के स्थान पर “48.562”, स्तंभ 4 में “XXVIII” के पूर्व स्तंभ 3 में, “” के स्थान पर “400”, इसी पंक्ति में स्तंभ 6 में, “40.089” के स्थान पर “42.089” तथा अनुसूची के स्तंभ 6 में सबसे नीचे “874.074” एकड़ (लग-भग) के स्थान पर “878.074” एकड़ (लगभग) पढ़िए। अनुसूची “ग” में स्तंभ 5 के शीर्षक “क्षेत्रल हेक्टरों में” के स्थान पर “क्षेत्रफल हेक्टरों में” पढ़िए तथा स्तंभ 1 में कम सं० “7 सरेनी” के स्थान पर “7 सारनी” पढ़िए। “पश्चेरा खण्ड 3 की अनुसूची “क”, “ख” और “ग” का सीमा वर्णन” के सीधे

क—ख के सामने पंक्ति में, “ग्राम सीमापुर” के स्थान पर “ग्राम सीमापुर” तथा “125” के स्थान पर “135” पढ़िए।

ल—ग के सामने पंक्ति में, “प्लाट सं० 109” के स्थान पर “119” तथा “ग्राम सोमापुर” के स्थान पर ग्राम सोमापुर” पढ़िए।

ग—ग के सामने पंक्ति में “टेवा नदी” के स्थान पर “तेवा नदी” पढ़िए। छ—क के सामने पंक्तियों में, “कृष सं० कम्पार्टमेंट” के स्थान पर कृष सं० XLII कम्पार्टमेंट तथा “49” के स्थान पर “249” पढ़िए।

अधिसूचना के अंक में “[सं० 19 (123)/78-सी० एस०]” के स्थान पर “[सं० 19 (13)/78-सी० एस०]” पढ़िए।

[सं० 19 (13)/78-सी० एस०] एस० प्रार० ए० रिक्वी, निवेदक

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 9th January, 1979

S.O. 321.—In the notification of Government of India, in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2617, dated the 21st August, 1978, published at pages 2413 to 2415 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 9th September, 1978,—

at page 2415 :

(i) In Schedule 'C'—Total area—
for “390.20 acres (approximately)” read “390.270 acres (approximately)”;

(ii) At the end of the notification—
for “S. R. A. RIZVI” read “S. R. A. RIZVI”.

[No. 19(13)/78-CL]
S. R. A. RIZVI, Director

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आईएस

नई चिन्हिनी, 8 जनवरी, 1979

काठा०आ० 322.—वन् केंद्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, खेतीय खाद्य निवेशालयों, उपायित निवेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा सेखा कार्यालयों द्वारा लिए जाने वाले खाद्यालयों के अव० भण्डारकरण, संचयन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बद्द कर दिया है जो कि खाद्य तिगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य है।

ग्रोरयन: खाद्य विभाग, खेतीय खाद्य निवेशालयों, उपायित निवेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा सेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरिवर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्ननिम्नतम अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपद के प्रत्यभार में उभयं विनियिष्ट तारीख के अन्वर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आपके को उभयं अधिनियम की धारा 12ए की उपशाखा (1) के परन्तुक द्वाग यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अब: अब खाद्य तिगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा असतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है:—

क्रम संख्या	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन किस पद पर स्थायी है	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के किस पद पर ये	भारतीय खाद्य निगम को स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1. श्री सुखलाल शर्मा	.	—	गोदाम लिपिक	20-8-78
2. श्री डी० पी० श्रीवास्तव	.	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	7-10-77
3. श्री सुवाय चन्द्र शर्मा	.	—	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	6-10-77
4. श्री प्रभालाल सुपुत्र श्री देवी गाम	.	गोदाम लिपिक	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	7-1-78
5. श्री बीरसाहे भुभन सुपुत्र श्री अनन्त गाम	.	तोल लिपिक	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	21-11-74
6. श्री रामप्रकाश तिवारी	.	गोदाम लिपिक	गोदाम लिपिक	14-12-77
7. श्री एस० पी० धुसिया	.	—वही—	—वही—	8-12-77
8. श्री आर० ग० ग० शर्मा	.	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	गुण निरीक्षक	28-9-75
9. श्री डी० पी० नौरियाल	.	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	19-2-78
10. श्री आर० वी० वर्मा	.	—	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	25-10-77
11. श्री होरीलाल सुपुत्र श्री हेतराम	.	गोदाम लिपिक	गोदाम लिपिक	25-10-77
12. श्री गंगा शरण	.	गोदाम लिपिक	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	25-10-77
13. श्री बेंजीराम	.	तोल लिपिक	गोदाम लिपिक	18-1-77
14. श्रीमती एस० उज्ज्वा	.	—	महानीकी महायक	6-7-77
15. श्री जसबीर सिंह महेन्द्र	.	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	गण निरीक्षक	21-3-74
16. श्री गजराज सिंह	.	गोदाम लिपिक	गोदाम लिपिक	1-9-77
17. श्री के० ए० बेंकेश्वरन	.	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	गोदाम अधीक्षक	8-4-75
18. श्री पी० एस० उबले	.	गोदाम लिपिक	शेष पर्यवेक्षक	1-3-69
19. श्री के० ए० अडवानी	.	—वही—	गोदाम लिपिक	1-3-69
20. श्री एन० जै० फारनन्डेज	.	—	झाइवर सेकेनिक	1-3-69
21. श्री के० वी० चवान	.	चौकीदार	चौकीदार	1-3-69
22. श्री डी० पी० पवार	.	—	चौकीदार	1-3-69
23. श्री माई० के० गोस्त्याज	.	—	गोदाम लिपिक	1-3-69
24. श्री के० पी० कुप्रकारनी	.	गोदाम लिपिक	—वही—	1-3-69
25. श्री वी० ए० हुबावेल	.	खलासी	कस्तीनर	1-3-69
26. श्री एम० बी० सरोदया	.	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	गुण निरीक्षक	1-3-69

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 8th January, 1979

S.O. 322—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchased, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directors and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-Section (1) of section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

Sl. No.	Name of the Officer/Employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the FCI
1	2	3	4	5
1.	Sh. Sukh Lal Sharma	—	Godown Clerk	20-8-78
2.	Sh. D.P. Srivastava	Junior Godown Keeper	Senior Godown Keeper	7-10-77
3.	Sh. Subhash Chander Sharma	—	Junior Godown Keeper	6-10-77
4.	Sh. Panna Lal S/o Devi Ram	Godown Clerk	Junior Godown Keeper	7-1-78
5.	Sh. Vir Sahey Suman S/o Anant Ram	Weightment Clerk	Junior Goodown Keeper	21-11-74
6.	Shri Ram Prakash Tiwari	Godown Clerk	Godown Clerk	14-12-77
7.	Sh. S.P. Dhusia	Do.	Do.	8-12-77
8.	Sh. R.L. Sharma	Junior Godown Keeper	Quality Inspector	28-9-75
9.	Sh. D.P. Nautiyal	Senior Godown Keeper	Senior Godown Keeper	19-2-78
10.	Sh. R.B. Verma	—	Junior Godown Keeper	25-10-77
11.	Sh. Hori Lal S/o Het Ram	Godown Clerk	Godown Clerk	25-10-77
12.	Sh. Ganga Saran	Godown Clerk	Junior Godown Keeper	25-10-77
13.	Sh. Beli Ram	Weightment Clerk	Godown Clerk	18-1-77
14.	Smt. S. Uzma	—	Technical Assistant	6-7-77
15.	Sh. Jasbir Singh Mahendroo	Senior Godown Keeper	Quality Inspector	21-2-74
16.	Sh. Gaj Raj Singh	Godown Clerk	Godown Clerk	1-9-77
17.	Sh. K.A. Venkateswaran	Senior Godown Keeper	Godown Superintendent	8-4-75
18.	Sh. P.S. Ubale	Godown Clerk	Shed Supervisor	1-3-69
19.	Sh. K. S. Advani	Do.	Godown Clerk	1-3-69
20.	Sh. N.J. Fernandes	—	Driver Mechanic	1-3-69
21.	Sh. K.B. Chavan	Watchman	Watchman	1-3-69
22.	Sh. D.P. Pawar	—	Watchman	1-3-69
23.	Sh. I.K. Golandaz	—	Godown Clerk	1-3-69
24.	Sh. K.P. Kulkarni	Godown Clerk	Do.	1-3-69
25.	Sh. V. S. Whavel	Khalasi	Cleaner	1-3-69
26.	Sh. M.B. Sarodaya	Junior Godown Keeper	Quality Inspector	1-3-69

[No. 52/1/79-FC. III]

BAKHSHI RAM, Dy. Secy.

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्रालय

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1979

का० आ० 323.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 14 मई, 1977 के पृष्ठ 1632—1634 पर प्रकाशित, भारत सरकार के शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्रालय (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की अधिसूचना ना० का० 1408, तारीख 26 अप्रैल, 1977 द्वारा सीचे की अमूर्खी में विनिविष्ट किया गया प्राचीन संस्मारकों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रतिलिपि, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उक्त प्राचीन संस्मारकों के लकड़ सहज दुर्घट स्थलों पर चिपका दी गई थी;

और उक्त राजपत्र की प्रातियाँ 17 मई, 1977 को जनता को उपबन्ध करा दी गई थीं;

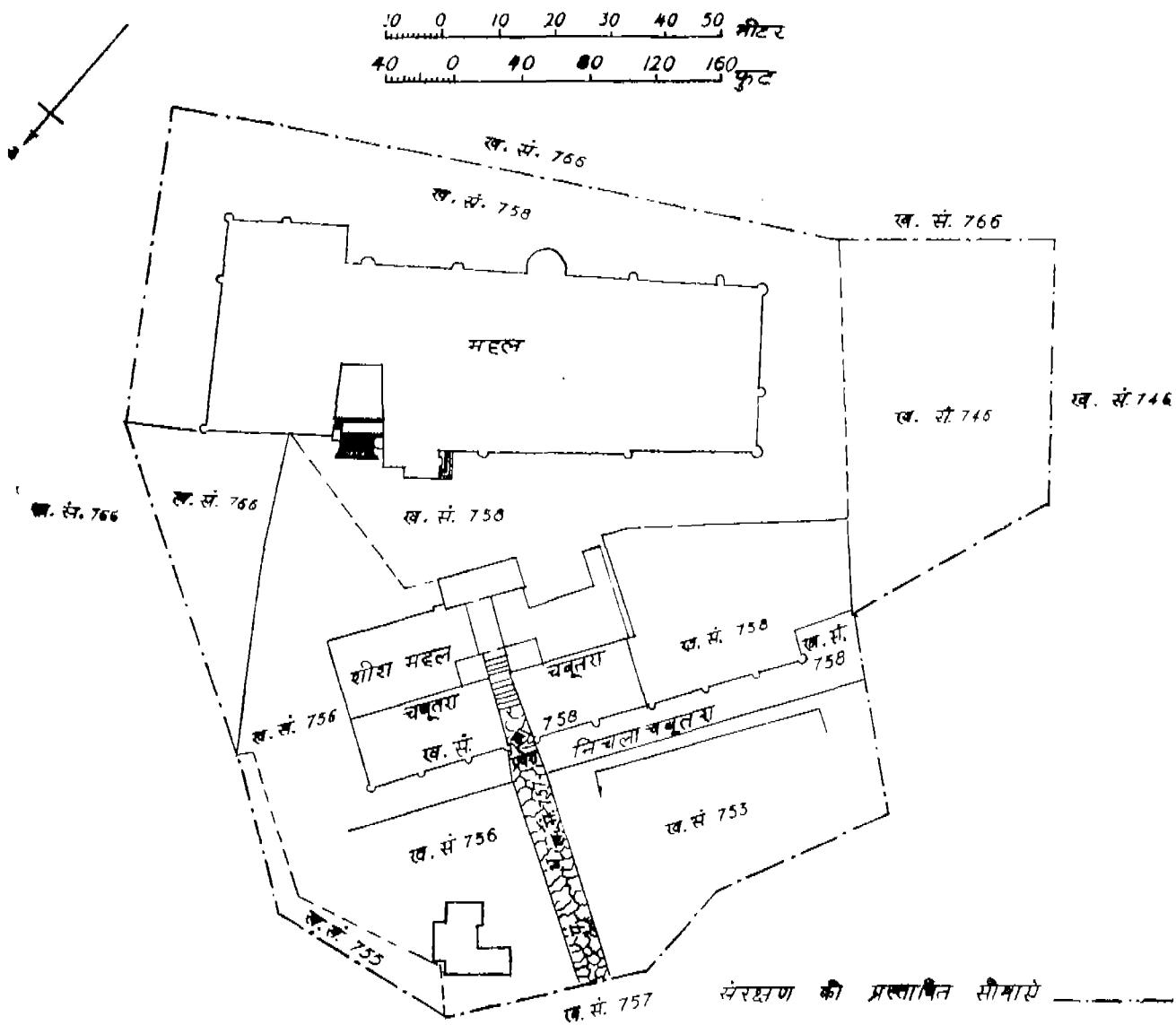
और केन्द्रीय सरकार ने जनता से प्राप्त आवेदों पर सम्मत रूप से विचार करलिया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त परिक्रमाओं का प्रयोग करते हुए, सीचे की अमूर्खी में विनिविष्ट प्राचीन संस्मारकों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

जानकारी

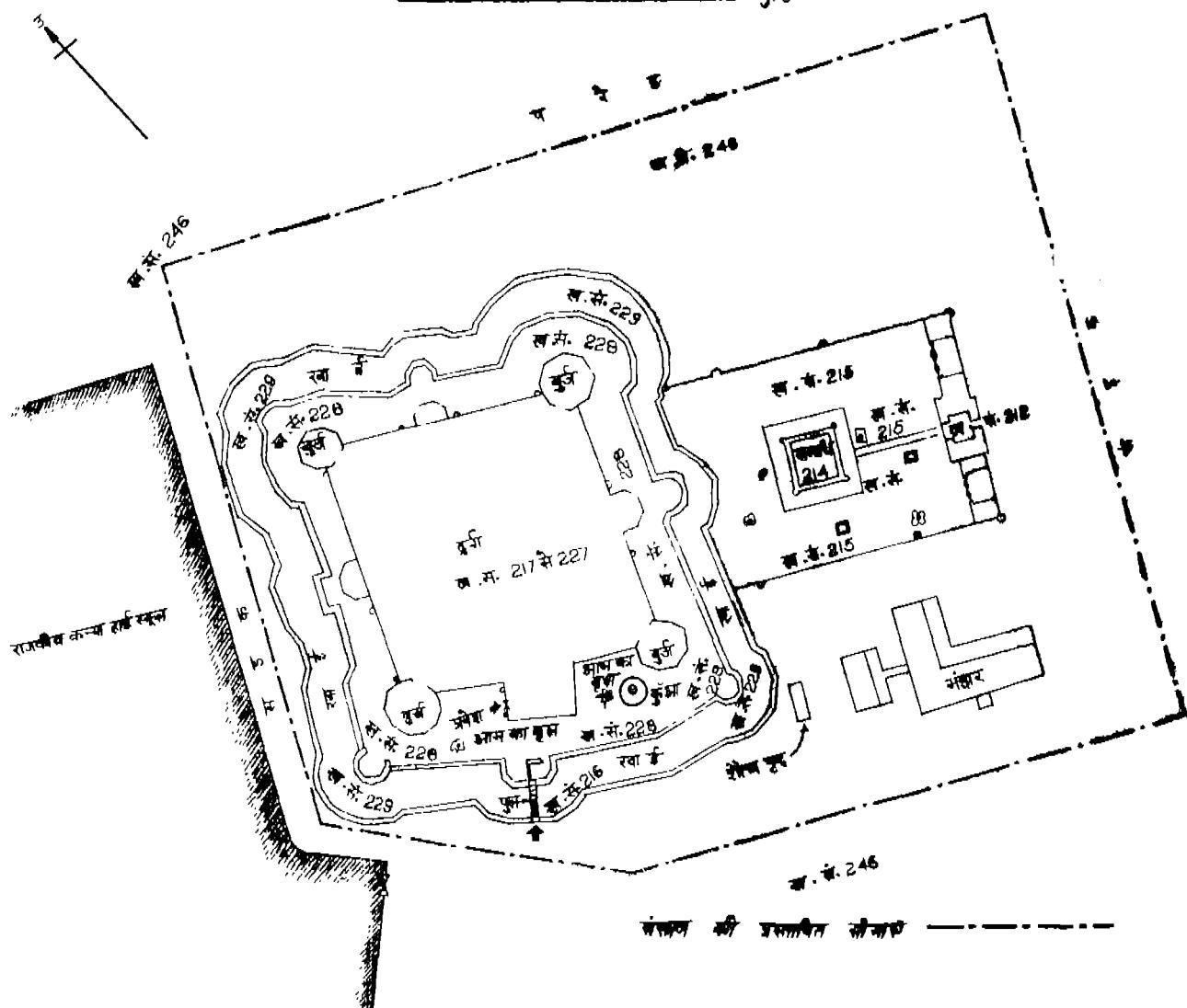
क्रम	राज्य	जिला	तहसील	परियोजना	संस्मारक का नाम	राजस्व संदर्भाएं	भूखण्ड जिन्हें संरक्षणाधीन किया जाता है	धेनुकल	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
1.	जम्मू और कश्मीर	ऊधमपुर श्रीनगर	रामनगर	रामनगर	राजा सुचेत सिंह को अध्यासित प्राचीन दुर्घट और राजा सुचेतसिंह की महारानी की समाधि	नीचे दिए गए स्थलों में रेखांक में यथा- और 16 दर्शित खसरा सं० 753, 755, 756-758 तथा खसरा सं० 746 757 और 766 का भाग	39 कनाल और 18 मर्ला खसरा सं० 212 से 219 तक और 246 का भाग	उत्तर : खसरा सं० 246 का शेष	केन्द्रीय भाग ।	सं० 246 का शेष	सार्वांगिक उपयोग में नहीं है।
2.	जम्मू और कश्मीर	ऊधमपुर श्रीनगर	रामनगर	रामनगर	राजा सुचेत सिंह को अध्यासित प्राचीन भृहत् रेखांक में यथा- और 16 दर्शित खसरा सं० 746 757 और 766 का भाग	33 कनाल और 16 मर्ला खसरा सं० 766 का शेष	उत्तर : खसरा सं० 766 का शेष	केन्द्रीय भाग ।	सं० 766 का शेष	सार्वांगिक उपयोग में नहीं है।	

रामनगर में प्राचीन महल का मानचित्र
तहसील रामनगर जिला ऊधमपुर



रामनगर में प्राचीन दुर्ग का मनचित्र तहसील रामनगर जिला उपमपुर

10 0 10 20 30 40 50 मीटर
40 0 10 20 30 40 50 फूट



MINISTRY OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE

(Archaeological Survey of India)

New Delhi, 11th January, 1979

S.O. 323:—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Education, Social Welfare and Culture (Archaeological Survey of India) No. S.O.1408, dated the 26th April, 1977, published in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (ii) dated the 14th May, 1977, at pages 1632 to 1634, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare certain ancient monuments specified in the schedule below to be of national importance, and a copy of the said notification was affixed in conspicuous places near the said ancient monuments, as required by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958);

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 17th May, 1977;

And whereas objections received from the public were duly considered by the Central Government;

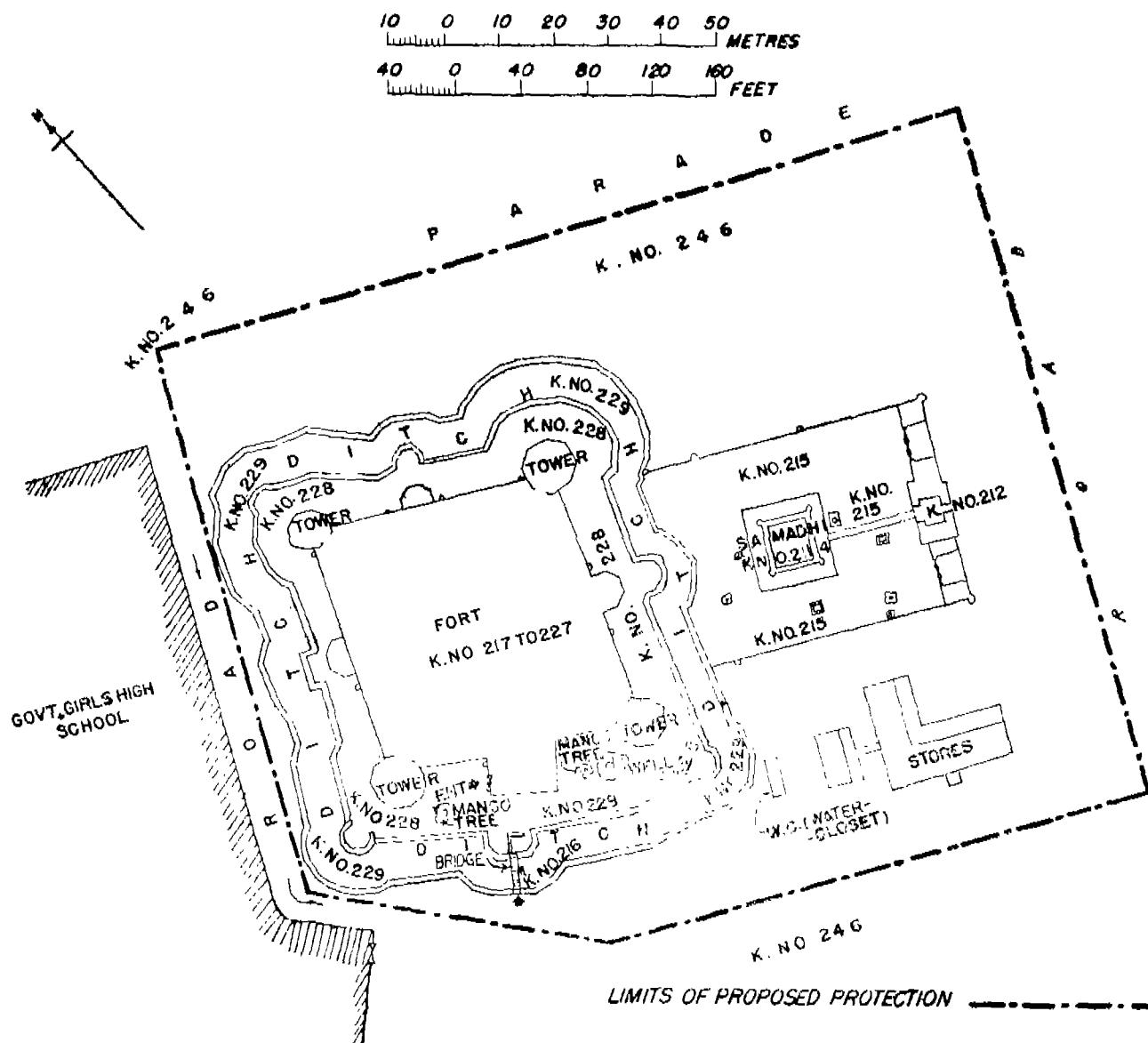
Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government here by declares the ancient monuments specified in the Schedule below to be of national importance.

SCHEDULE

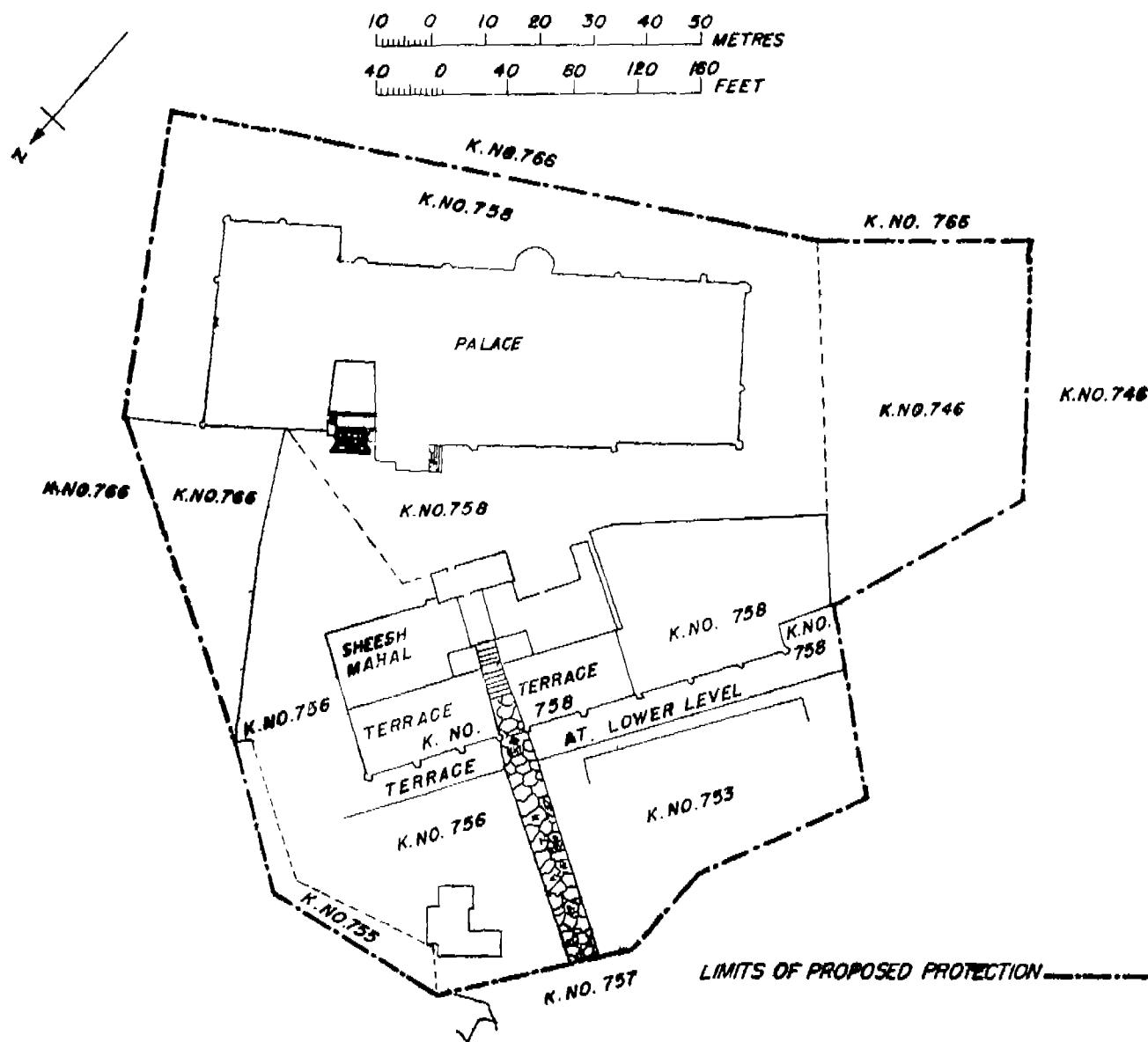
S. No	State	District	Tehsil	Locality	Name of Monument
1. Jammu and Srinagar	.	Udhampur	Ramnagar	Ramnagar	Ancient fort attributed to Raja Suchet Singh and Samadhi of Queen of Raja Suchet Singh.
2. Jammu and Srinagar	.	Udhampur	Ramnagar	Ramnagar	Ancient Palace attributed to Raja Suchet Singh.

Revenue plot number to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
Revenue plot K. numbers 212 to 229 and part of 246 as shown in the site plan reproduced below	39 Kanals and 18 marlas.	North—Remaining portion of K. number 246. East—Remaining portion of K. number 246. South—Remaining portion of K. number 246. West—Road and Girls High School and the remaining portion of K. number 246.	Central Government	Not in religious use.
K. numbers 753, 755, 756 758 and portion of 766 as shown in the site plan reproduced below.	33 Kanals and 16 marlas.	North—Remaining portion of K. number 766. East—Remaining portion of K. number 766. South—Remaining portion of K. number 746. West—Remaining portion of K. number 757.	Central Government	Not in religious use.

SITE-PLAN OF ANCIENT FORT AT RAMNAGAR, TEHSIL RAMNAGAR, DISTT. UDHAMPUR



SITE-PLAN OF ANCIENT PALACE AT RAMNAGAR, TEHSIL RAMNAGAR, DISTT. UDHAMPUR.



नई दिल्ली, 15 अनवरी, 1970

(पुरातत्त्व)

का० शा० 324.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपायुक्त अनुसूची में विनिविष्ट प्राचीन स्थल राष्ट्रीय महत्व का है ;

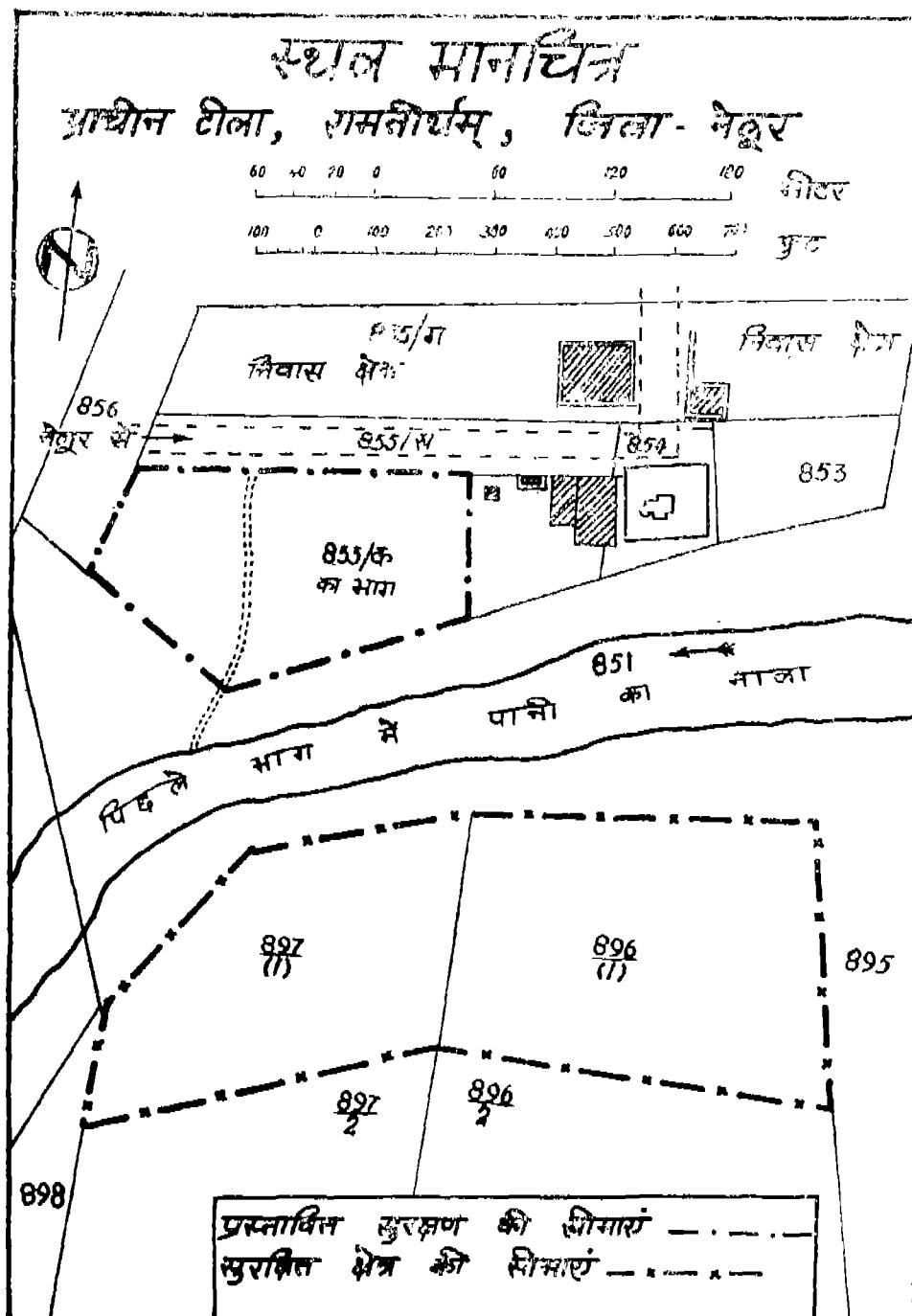
और यह केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्वीय स्थल और प्रबोधन अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन स्थल को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करते के अपने प्राशय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के बारी होने के पश्चात् यो भास के भीतर इकत्र प्राचीन स्थल में हितवड़ किसी व्यक्ति द्वारा भवि कोई मालेप किए जायेंगे तो केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

अनुसूची

राज्य	जिला	ताहसील	परिवेश	स्थल का नाम
1	2	3	4	5
आनंद प्रदेश	नेलोर	कोदूर	रामतीर्थम (वरिसी का हेमलेट)	मीने दिए गए रेखाएँ में विचार गए सर्वेक्षण प्लाट सं० 855 के भाग में समाविष्ट प्राचीन टीपो

सरकार के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले राजस्व प्लाट की संख्या	लेव	सीमा	स्थानिक	विषयी
6	7	8	9	10
मीने दिए गए रेखाएँ में विचार गए सर्वेक्षण 1.672 हेक्टर द्वारा में : सर्वेक्षण प्लाट सं० 855/क पूर्व विष्यास बोर्ड (प्राइवेट) में : सर्वेक्षण प्लाट सं० 855/क का लेव भाग विक्षण में : सर्वेक्षण प्लाट सं० 851 परिवेश में : सर्वेक्षण प्लाट सं० 856				



(सं. 2/18/78-एम)
 श्री के० शापर, महानिदेशक
 तथा प्रबन्ध समिति सचिव

New Delhi, the 15th January, 1979.

S.O. 324.—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient site specified in the Schedule attached hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said ancient site to be of national importance.

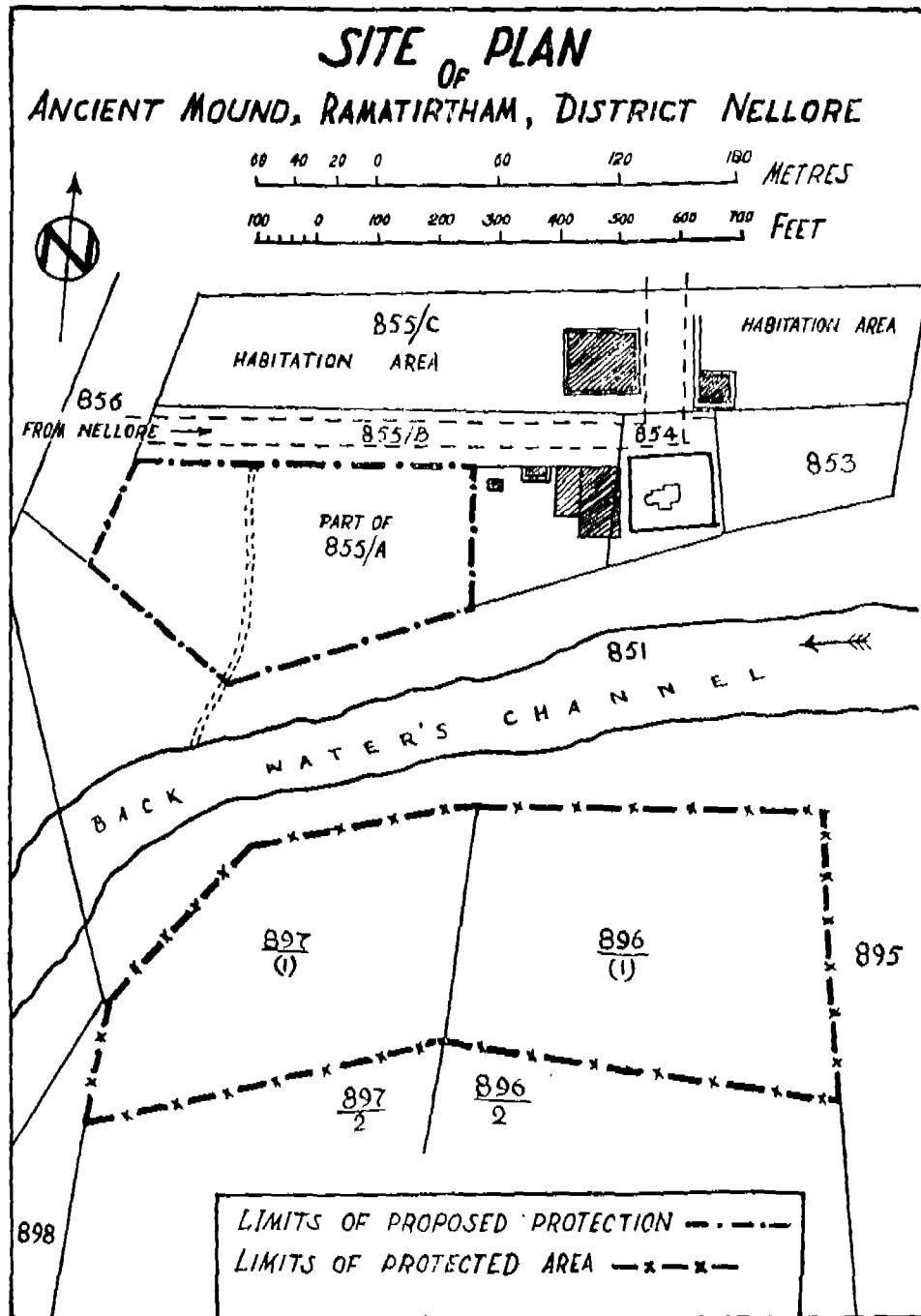
Any objection made within two months after the issue of this notification by any person interested in the said ancient site will be considered by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of site
Andhra Pradesh	Nellore	Kovur	Ramatirtham (Hamlet of varini)	Ancient mound comprised in part of survey plot No. 855 A as shown in the plan reproduced below.
Revenue plot numbers to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks

Part of Survey plot No. 855/A as 1.672 hectares.
shown in the plan reproduced
below.

North : Survey plot No. 855/B. Endowment board
East : Remaining portion of (Private)
survey plot No. 855/A
South : Survey plot No. 851
West : Survey plot No. 856.



संसार मंत्रालय

(उत्तर-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1979

का० आ० 325 केन्द्रीय सिविल सेवा (बर्गकरण) नियन्त्रण और (प्रभील) नियम, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के खंड (ख) और नियम 24 के उपनियम (1) जिसके साथ नियम 34 पढ़ा जाएँ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार संचार मंत्रालय (डाक तार) और० एस० प्रार० 620 दिनांक 28 फरवरी, 1957 की प्रधिदूकना राष्ट्रपति एतद्वारा आगे निम्नलिखित संशोधन करते हैं, प्रार्थता:—

(1) उक्त प्रधिसूचना की अनुसूची में —भाग II—सामाज्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी III में शीर्ष “क्षेत्रीय हंजीनियर के अनुरक्षण के कार्यालय और उसके कार्य-क्षेत्र के अधीनस्थ अन्य कार्यालय” के लिए और इसके नीचे की प्रविधियों के नीचे निम्नलिखित शीर्ष और प्रविधियां प्रतिरक्षित की जाएँगी पर्याप्तिः—

1	2	3	4	5
कार्यालय अधीक्षक	महाप्रबन्धक	महाप्रबन्धक	सभी	सदस्य (प्राप्तासन) टाक तार दोषी
उच्च व्यवस्था अधिकारी या अधिकारी	उप-महाप्रबन्धक या निदेशक	उप-महाप्रबन्धक या निदेशक	(1) से (4)	महाप्रबन्धक
अध्यन वेद के कर्मचारी या सम्बेदन-मान जूनियर इंजीनियर, भवन और संरचना, रिपोर्टर स्टेशन सहायक, संकेत अध्यक्षों के स्टेनोग्राफर अधिकारी पदकारी के तार मास्टर, सहायक तार मास्टर, जूनियर पर्यवेक्षक, अध्यन वेद ब्राफर्डसमैन लाइन निरीक्षक, फोन निरीक्षक, तार परियात पर्यवेक्षक-III	निदेशक	निदेशक	सभी	महाप्रबन्धक
पूर संचार लेखा लिपिक	उप महाप्रबन्धक या निदेशक	उप महाप्रबन्धक या निदेशक	सभी	महाप्रबन्धक
केविं जाइटर उप निरीक्षक लाइन-मैन	द्वितीय या प्रथम श्रेणी (फिल्ड वेतनमान)	द्वितीय या प्रथम श्रेणी (कनिष्ठ वेतनमान) के तार इंजीनियरिंग के सेवा के अधिकारी	मुख्य लेखा अधिकारी 1 से (4) तक	उप महाप्रबन्धक या निदेशक
सभी अन्य पद	मंडल इंजीनियर या क्षेत्रीय इंजीनियर अनुरक्षण या क्षेत्रीय परियात अधीक्षक या क्षेत्रीय नियंत्रक तार परियात	मंडल इंजीनियरिंग या क्षेत्रीय इंजीनियर अनुरक्षण या क्षेत्रीय परियात अधीक्षक या क्षेत्रीय नियंत्रक तार परियात	सभी (1) से (4) तक	मंडल इंजीनियर तार उप महाप्रबन्धक या निदेशक

(2) सामन्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-IV में, भीष्य "क्षेत्रीय इंजीनियर अनुरक्षण के कार्यालय और उनके कार्यालय के प्रधीनस्थ प्रत्यक्षालय" के लिए और उसके भीचे फॉ प्रवित्रियों के लिए निम्नलिखित शीर्षक और प्रवित्रियों को प्रतिस्थापना की जाएगी प्रधारत :-

1	2	3	4	5
सभी पद	महाप्रबंधक अनुरक्षण का कार्यालय और उसके अधिकार सेवक के भव्य कार्यालय	तार इंजीनियरिंग सेवा तार इंजीनियरिंग सेवा युप सभी पुप बी के अधिकारी बी के अधिकारी या तार या तार परियात सेवा परियात सेवा युप बी के अधिकारी पुप बी के अधिकारी कारी	तार इंजीनियरिंग सेवा युप ए के अधिकारी या तार परियात सेवा पुप ए के अधिकारी	

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, 9th January, 1979

S. O. 325.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 9, Clause (b) of sub-rule (2) of Rule 12, and sub-rule (1) of Rule 24, read with rule 34 of the Central Civil Services (Classification Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs) No. S. R. O. 620 dated the 28th February, 1957, namely:

In the schedule of the said notification—

(1) In part II—General Central service, Class III, for the heading “Offices of the Regional Engineers, Maintenance and other offices under their jurisdiction” and the entries thereunder, the following heading and entries shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5
Office of the General Manager, Maintenance and other offices under his jurisdiction				
Office Superintendent	General Manager	General Manager	All	Member (Administration) Posts and Telegraph Board.
		Deputy General Manager or Director.	(i) to (iv)	General Manager
Staff in higher or lower se- lection grade or on identi- cal scale of pay, Junior Engineer, Building, Over- seer, Repeater Station, Assistant, Stenographer to the Head of the Circle Lower Selection Grade Telegraphmaster, Assis- tant Telegraph Master, Junior Supervisor, Selec- tion Grade Draftsman, Line Inspector, Phones Ins- pector, Telegraph Traffic Supervisor, Class III	Deputy General Manager or Director	Deputy General Manager or Director.	All	General Manager.
Telecommunications Ac- counts Clerks	Deputy General Manager/ Manager/Director.	Deputy General Manager/ Director Chief Accounts Officer.	(i) to (iv)	Deputy General Manager/ Director.
Cable Joiner, Sub-Inspect- or, Lineman	Office of the Telegraphs Engg. Service Class II or Class I (Junior scale)	Office of the Telegraphs Engg. Service Class II or Class I (Junior scale)	All	Divisional Engineer Telegraphs
All other Posts	Divisional Engineer/Re- gional Engineer Mainte- nance/Regional Traffic Superintendent/Regional Controller Telegraphs Traffic.	Divisional Engineer/Re- gional Engineer Mainte- nance/Regional Traffic Superintendent/Regional Controller Telegraph Traffic.	All	Deputy General Manager/ Director
		Officer of Telegraph Engineering Service, Group B/Officer of Telegraph Traffic Service Group—B	(i) to (iv)	Divisional Engineer/ Regional Engineer Maintenance/Regional Traffic Superintendent/ Regional Controller Telegraph Traffic.

(2) In part III—General Central Service, Class IV for the heading “Offices of the Regional Engineers, Maintenance and other offices under their jurisdiction” and the entries thereunder, the following heading and entries shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5
Office of the General Manager, Maintenance and other offices under his jurisdiction				
All posts	Officer of Telegraph En- gineering Service, Group B/Officer of Telegraph Traffic Service, Group, B	Officer of Telegraph En- gineering Service Group B/ Officer of Telegraph Service, Group B.	All	Officer of Telegraph En- gineering Service Group A/ Officer of the Telegraph Traffic Service Group 'A'.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1979

का० ना० 326.—स्थायी आवेदन संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक तार महानिवेशक ने द्वारापुरम टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-2-79 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-5/79-पी०-एच० बी०]

New Delhi, the 16th January, 1979

S.O. 326.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs; hereby specifies the 1st February, 1979 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Dharapuram Telephone Exchange, T. N. Circle.

[No. 5-5/79-PHB]

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1979

का० ना० 327.—स्थायी आवेदन संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिवेशक ने जावरा टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-2-79 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-6/79/ पी० एच० बी०]

त्रिलोकी नाथ, सहायक महानिवेशक (पी० एच० बी०)

New Delhi, the 18th January, 1979

S.O. 327.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16th February, 1979 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Jaora Telephone Exchange, M.P. Circle.

[No. 5-6/79-PHB]

TRILOKI NATH, Asst. Dir. Gen. (PHB)

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1979

का० ना० 328.—राष्ट्रपति, मूल नियमों के नियम 45 के उपर्यों के अनुसरण में, सरकारी निवास-स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, भव्यता:—

1. (1) इन नियमों का नाम सरकारी निवास-स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) संशोधन नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. सरकारी निवास-स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में, अनु० नि० 317-ख-10 उपनियम (3) का लोप किया जाएगा।

[का० सं० 12035(10)/77-नी०-II]

बी० एम० गुप्ता, संपादक उप-निवेशक

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 5th January, 1979

S.O. 328.—In pursuance of the provisions of rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Amendment Rules, 1979.

(2) These rules shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, sub-rule 3 of S.R. 317-B-10 shall be omitted.

[File No. 12035(10)/77-Pol. II]

B.M. GUPTA, Dy. Director of Estates

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1978

का० ना० 329.—दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1957 (1957 की संख्या 61) की धारा 52 के उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण एतद्वारा निर्देश देता है कि दिल्ली मुक्य योजना के अन्तर्गत "विशेष अपील" की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत प्रवान की गई शक्तियों का प्रयोग अव्यक्त तथा उपायमें, दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा पृथक्-पृथक् किया जा सकता है।

[सं० एक० 1(71) 76-ई० बी०]

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 8th November, 1978

S.O. 329.—In exercise of powers conferred by Sub-section (1) of Section 52 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957), the Delhi Development Authority hereby directs that powers exercisable by it under the provisions of 'Special Appeal' provided for under the Master Plan of Delhi may also be exercised by its Chairman and Vice-Chairman, severally.

[No. F. 1(71)/76-EB.]

का० ना० 330.—दिल्ली डेवेलपमेंट एक्ट, 1957 की धारा 52 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रवान शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण एतद्वारा निर्देश देता है कि उक्त एक्ट (1957 की सं०-61) की धारा 49 की उपधारा (1) के अन्तर्गत पृथक् अनुमति प्रवान करने की शक्तियों का प्रयोग सचिव द्वारा भी किया जा सकता है। आगे यह भी निर्देश दिया जाता है कि उक्त शक्तियों का प्रयोग अपर सचिव (प्रवान) द्वारा भी सचिव के नियंत्रण में किया जा सकता है।

[सं० एक० 1(70)/76-ई० बी०]

S.O. 330.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 52 of the Delhi Development Act, 1957, the Delhi Development Authority hereby directs that its power to give previous sanction under sub-section (1) of Section 49 of the Act No. 61 of 1957 may also be exercised by its Secretary. It is further directed that the said power may also be exercised by its Additional Secretary (Enforcement) subject to the control of its Secretary.

[No. F. 1(71)/76-EB.]

का० आ० 331.—दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1957 (1957 की संख्या 61) की धारा 52 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण एतद्वारा निर्देश देता है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 14 के उल्लंघन की शिकायत दर्ज करने, उन का प्रतिवाद करने, जिस पर इसके सचिव का नियन्त्रण हो की शक्तियों का प्रयोग अपर सचिव, प्रधिशासी प्रभियन्ता (प्रबंदन भाषा) द्वारा भी पृथक-पृथक किया जा सकता है किन्तु उक्त प्रधिनियम की धारा 34 के अन्तर्गत शमनीय प्रपराध बनाने तथा दाया वापिस लेने, अपराध अमा करने की शक्तियों का प्रयोग उक्त अपर सचिव, प्रधिशासी प्रभियन्ता तथा सहायक द्वारा भी किया जा सकता है किन्तु इसके संबंध में अनुमति लिखित रूप में सचिव दिल्ली विकास प्राधिकरण से प्राप्त कर सी गई हो।

[सं० एक० 1(71)/76-ई० शी०]

S.O. 331.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 52 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957), the Delhi Development Authority hereby directs that its powers to file complaint in violation of Section 14 ibid and to defend may, subject to the control of its Secretary, also be exercised by its Additional Secretary, Executive Engineer and Assistant Engineer in the Enforcement Branch severally, and its power to withdraw or compound an offence, made punishable by or under the said Act, under Section 34 ibid or to withdraw any claim made against or by it may also be exercised by the said Additional Secretary, Executive Engineer, and Assistant Engineer, subject to their having obtained prior approval in writing of the Secretary Delhi Development Authority.

[No. F. 1(71)/76-EB.]

का० आ० 332.—दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1957 (1957 की सं० 61) की धारा 28 में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण एतद्वारा इसके उपायक्षम, सचिव, अपर सचिव, कार्यकारी अधिकारी, अधिशासी प्रभियन्ता, सहायक अभियन्ता, तहसीलदार, कनिष्ठ अभियन्ता, सर्वेक्षक, नायब तहसीलदार, कानूनगों और पटवारियों को किसी भूमि पर कब्जा या भवन में किसी सहायक या कर्मचारी के साथ प्रथमा बिना सहायक या कर्मचारी के उक्त प्रधिनियम की धारा 28 में उल्लिखित उद्देश्यों तथा प्रतिबन्धों के अनुसार प्रवेश कर सकते के लिये प्राप्तिकृत करता है।

2. इसके प्रतिकृत उक्त प्रधिनियम की धारा 52, उपधारा (1) में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण निर्देश भी देता है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 28 में निहित शक्तियों का प्रयोग इसके सचिव द्वारा भी किया जा सकेगा।

[सं० एक० 1(71)/76-ई० शी०]

कृष्ण प्रताप, सचिव

S.O. 332.—In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957), the Delhi Development Authority hereby authorises its Vice-Chairman, Secretary, Additional Secretaries, Executive Officers, Executive Engineers, Asstt. Engineers, Tehsildars, Junior Engineers, Surveyors, Naib Tehsildars, Field Kanongos and Patwaris to enter into or upon any land or building with or without assistance or workmen for the purposes mentioned in and subject to the Proviso attached to Section 28 ibid.

2. Further, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 52, ibid, the Delhi Development Authority also directs that the powers vested in it under Section 28 ibid may also be exercised by its Secretary.

[No. F. 1(71)/76-EB.]
KRISHNA PRATAP, Secy.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नवी दिल्ली, 11 जनवरी, 1979

का० आ० 333.—भारतीय रेल प्रधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 56 व्य की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, अपना यह समाधान हो जाने पर कि किसी रेलवे स्टेशन तक केवल माल को ले जाने के लिए आणविक रेल गाड़ियों द्वारा बुक किए गए माल का, ऐसे स्टेशन से अविस्त्र हटाया जाना आवश्यक है और उम उपधारा के परन्तुक में विनिर्दिष्ट बातों को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित रेल स्टेशनों को 1-2-79 से 6 महीने की अवधि के लिए “प्रधियूक्ति स्टेशन” घोषित करती है, अर्थात्:—

1. मुम्बई (वाईंड वन्डर)
2. नागपुर
3. हवड़ा गुड्स
4. चित्तपुर
5. काशीपुर रोड़
6. इलाहाबाद
7. कानपुर मेन्ट्रल गुड्स रोड़ (वाईंड साइन)
8. नवी दिल्ली
9. मद्रास साल्ट कोटरम
10. एण्टार्कुलम गुड्स
11. बंगलोर मिट्टी जंक्शन
12. राशपुरम
13. कालीकट
14. सिकन्दराबाद
15. हैदराबाद
16. विजयवाड़ा
17. कोल्हापुर (गुड मार्केट)
18. सनतनगर
19. मोता ग्रामी
20. काचीगुडा
21. औरंगाबाद
22. शालीमार
23. रांची
24. टाटामगर
25. न्यू गुवाहाटी
26. न्यू जलपाईगुडी
27. सिलीगुडी टाउन (माल)
28. काकिमा
29. मड़ौदा जंक्शन
30. असरबा जंक्शन
31. मुम्बई (कार्निक ट्रिंज)

32. इटारी
 33. पुणे
 34. यूरोपाईगांव (बड़ी लाइन)
 35. न्यू बोंगाईगांव (भाटर लाइन)
 36. तिनसुकिया गुड्स

33. Puno
 34. New Bongaigaon (B.G.)
 35. New Bongaigaon (M.G.)
 36. Tinsukia Goods.

[No. TCI/1680/75/2]

P. N. MOHILE, Secy, Railway Board
and ex-officio Jt. Secy.

[सं० टी० सी० 1/1680/75/2]
 पी० एन० भोहिले, सचिव
 रेलवे शोर्ट और पदेन संयुक्त सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 11th January, 1979

S.O. 333.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 56(B) of the Indian Railways Act 1890 (9 of 1890), the Central Government, being satisfied that it is necessary that the goods booked by trains intended solely for the carriage of goods to any railway station should be removed without delay from such railway station and having regard to the factors specified in that sub-section, hereby declares the following railway stations as "notified stations" for a further period of six months with effect from 1st February, 1979 namely :—

1. Bombay (Wadi Bunder)
2. Nagpur
3. Howrah goods
4. Chitpur
5. Cossipur Road
6. Allahabad
7. Kanpur Central Goods shed (Broad Gauge)
8. New Delhi
9. Madras Salt Cotaurs
10. Ernakulam goods
11. Bangalore City Junction
12. Royapuram
13. Calicut
14. Secunderabad
15. Hyderabad
16. Vijayawada
17. Kolhapur (gur market)
18. Sanat Nagar
19. Maula Ali
20. Kacheguda
21. Aurangabad
22. Shalimar
23. Ranchi
24. Tatanagar
25. New Gauhati
26. New Jalpalguri
27. Siliguri Town (goods)
28. Kankaria
29. Baroda Junction
30. Asarva Junction
31. Bombay (Carnac Bridge)
32. Itwari.

पूर्व और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1979

का० आ० 334.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 6 की उप धारा (2) के अन्त (क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा शिहार राज्य के विभिन्न जिलों में कार्य कर रहे सभी अपर कलकटारों की उनके अधिकार भौतिकों में स्थित मुश्तावजा पूल की सम्पत्तियों के संबंध में, कलवड़र के रूप में अपने कार्यभार के अलावा उक्त अधिनियम या उसके अधीन प्रबंध अधिकारी को सीधे गए कार्यों का नियादन करने के लिए, प्रबंध अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[सं०-1(1) विशेष सैल/79-एस० एस०-II]

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 3rd January, 1979

S.O. 334.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-Section (2) of Section 16 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints all Additional Collectors of various Districts in the State of Bihar to be the Managing Officers for the purpose of performing, in addition to their own duties as Additional Collector the functions assigned to a Managing Officer by or under the said Act, in respect of properties of the Compensation Pool situate within their jurisdiction.

[No. 1(1)/Spl.Cell/79-SS.II]

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1979

का० आ० 335.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा राजस्थान के बलवर तथा भरतपुर जिलों के पुनर्वास अधिकारियों को, उनके अपने अधिकार भौतिकों में जिला पुनर्वास अधिकारी के कार्यभार के अलावा पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) नई दिल्ली द्वारा राजस्थान सरकार को हस्तांतरित किए गए अवधिकारी कार्यों के संबंध में, उक्त अधिनियम या उसके अधीन प्रबंध अधिकारी को सीधे गए कार्यों का नियादन करने के लिए प्रबंध अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[सं०-1(30)/विशेष सैल/75-एस०-II]

New Delhi, the 4th January, 1979

S.O. 335.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints District Rehabilitation Officers in Alwar & Bharatpur in the State of Rajasthan as Managing Officers for the purpose of performing, in addition to their own duties as District Rehabilitation Officers within

their jurisdiction, the functions assigned to a Managing Officer by or under the said Act in relation to the residual work transferred to the Government of Rajasthan by the Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation), New Delhi.

[No. 1(30)/Spl.Cell/75-SS.II]

—४५ ४३१ ३३८—

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1979

का० आ० 336.—विस्थापित अधिकारी (प्रतिकर तथा पुनर्वासि) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 34 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा निवेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 24 की उपधारा (4) और धारा 33 के संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्तियों का प्रयोग पुनर्वासि विभाग के उप सचिव श्री धर्मेन्द्र वेद द्वारा भी किया जाएगा।

[संख्या ६(21)/७७-एस० एस०]

वीना नाथ प्रसीजा, संयुक्त निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1979

S.O. 336.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby directs that the powers exercisable by it under Sub-section (4) of Section 24 and Section 33 of the said Act shall be exercisable also by Shri Dharmendra Deo, Deputy Secretary in the Department of Rehabilitation.

[No. 6(21)/77-SS. I]
D. N. ASIJA, Jr. Director.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1978

का० आ० 337.—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2, के खंड (३) के उप-खंड (६) के उपबन्धों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का आ० 1484 तारीख 6 मई, 1978 द्वारा किसी सेवा थेव में सेवाओं को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 22 मई, 1978 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (३) के उप-खंड (६) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उच्चोग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 22 नवम्बर, 1978 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस० 11017/4/78-टी० १ (ग.)]
पी० बी० एस० सक्सेना, डेस्क प्रधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 17th November, 1978

S.O. 337.—Whereas, the Central Government having been satisfied that the public interest so required, had in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 1484 dated the 6th May, 1978 the services in any Oil field to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 22nd May, 1978;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 22nd November, 1978.

[No. S. 11017/4/78/DI(A)]
P. B. L. SAXENA, Desk Officer

संवेदन

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1979

का० आ० 338.—भारत सरकार के मूलपूर्व थम, रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय के अधिसूचना का० आ० संख्या 3453, विनाक 22 मितम्बर, 1967 द्वारा गठित थम व्यायालय जिसका मुख्यालय नागपुर में स्थित है; के पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हो गया है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री एस० वि० वाजे को पूर्वोदान गठित थम व्यायालय का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है।

[सं० एस० 11020/1/79/टी० १(ए)]

ORDER

New Delhi, the 10th January, 1979

S.O. 338.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Labour Court with headquarters at Nagpur, constituted by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation No. S.O. 3453 dated the 22nd September, 1967;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri S. V. Vaze, as the Presiding Officer of the Labour Court constituted as aforesaid.

[No. S. 11020/1/79/DI(A)]

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1979

का० आ० 339.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (३) के उप-खंड (६) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2155 तारीख 12 जूनाई, 1978 द्वारा फारसफाराई खनन उच्चोग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 जूनाई 1978 से छ: मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छ: मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

ग्राम, ग्राम, ग्राम, ग्राम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (५) के उपबंध (६) के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों को 27 जनवरी, 1979 से छः मास की ओर कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा सेवा घोषित करती है।

[सं. एस० ११०१७/१४/७८-दी० १(ए)]

New Delhi, the 11th January, 1979

S.O. 339.—Whereas, the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour S.O. No. 2155 dated the 12th July, 1978, the phosphorite mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 27th July, 1978;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 27th January, 1979.

[No. S. 11017/14/78/DI(A)]

का० आ० ३४०. केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में देसा करना अपेक्षित था, ग्रामोपिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (५) के उपबंध (६) के उपबंधों के अनुसरण में, भारत सरकार के थ्रम मंत्रालय की अधिसूचना संघर्षा का० आ० २१५४ तारीख १२ जुलाई, १९७८, द्वारा पाइराइट्स अनन्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए २७ जुलाई, १९७८ से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

ग्राम केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की ओर कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

ग्राम, ग्राम, ग्राम, ग्राम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (५) के उपबंध (१) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए २७ जनवरी, १९७९ से छः मास की ओर कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं. एस० ११०१७/१३/७८-दी० १(ए)]
एस० के० मारायणन, डेस्क अधिकारी

S.O. 340.—Whereas, the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2154 dated the 12th July, 1978, the pyrites mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 27th July, 1978.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 27th January, 1979.

[No. S. 11017/13/78/DI(A)]
L. K. NARAYANAN, Desk Officer

New Delhi, the 11th January, 1979

S.O. 341.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the Industrial Dispute between the employer in relation to the management of Shyamsunderpur Colliery of Eastern Coalfields Limited Bankola Area, P.O. Ukhra, District Burdwan and their workmen which was received by the Central Government on 4th January, 1979.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT
CALCUTTA

Reference No. 83 of 1978

PARTIES:

Employers in relation to the management of Shyamsunderpur Colliery under Bankola Area of Eastern Coalfields Limited

AND

Their Workmen.

PRESENT:

Sri Justice S. K. Mukherjee

Presiding Officer

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Sri S. K. Acharya, Deputy Personnel Manager (I.R.) Bankola Area.

On behalf of Workmen—Absent.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Coal Mines.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by their Order No. L-19012(31)/78-D-IV(B) dated the 21st October, 1978 referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Shyamsunderpur Colliery under Bankola Area of Eastern Coalfields Limited, Bankola Area, P.O. Ukhra, District Burdwan and their workmen, to this Tribunal, for adjudication. The Reference reads as :

“Whether the action of the management of General Manager Bankola Sub-Area of Eastern Coalfields Limited in stopping Sarva/Shri Seonaryan Harijan, Fatu Das, Chandradeo Goalra and Mahesh Harijan, Wagon loaders from work for the period from 1-8-77 to 15-10-77 is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled.”

2. The employers filed a written statement on 1st December, 1978 by which they stated that the dispute in the Reference has been settled between the Secretary, Colliery Mazdoor Union (INTUC) Ukhra who raised the dispute and the management of Bankola area, on November 16, 1978. A copy of the memorandum of settlement in Form 'H' was also enclosed. As regards the workmen, no written statement was filed pursuant to the notice issued by this Tribunal.

3. On 16th December, 1978 the matter appeared on notice to the parties. At the hearing Mr. S. K. Acharya, Deputy Personnel Manager (I.R.), Bankola Area, appeared on behalf of the management and filed the memorandum of Settlement in court. No one appeared on behalf of the Union. I have gone through the Terms of the Settlement which the parties have accepted by subscribing their signatures. In my opinion, the terms are fair and reasonable. A copy of the memorandum of settlement is annexed hereto as part of this Award and marked with the letter 'A'.

4. In the context of event, I make my Award in this Reference in terms of the Memorandum of Settlement.

Dated, Calcutta,

The 18th December, 1978

S. K. MUKHERJEE, Presiding Officer
[No. L-19012(31)/78-D. IV(B)]

ग्रादेश

तई दिसी, 15 जनवरी, 1979

का० आ० 342.—जै० कै० नगर कोलियरी, मैसर्स ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का उप-क्षेत्र, के प्रबन्धताल से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व भारतीय कोलियरी मजदूर सभा (सी० आई० टी० य०) आमनसोल—एम० करती है, एक श्रौद्धोगिक विवाद विचार माना है;

और यह उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपशारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार कर दिया है और उक्त माध्यस्थम करार को एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अब, अब श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपशारा (3) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम करार को जो उसे 2 जनवरी, 1979 को मिला था, एवंद्वारा प्रकाशित करती है।

करार

(श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन) प्रकारों के नाम :

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले 1. श्री अभिनेत्र मिन्हा, ए० सी० पी० आ० मैसर्स ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का सतप्राम क्षेत्र, डाकघर देशबन्द नगर (बदेवान)।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले 2. श्री सुनील छे, कार्यकारी सदस्य, भारतीय कोलियरी मजदूर सभा (सी० आई० टी० य०) 87, प्रधान, आसनसोल।

प्रकारों के बीच निम्नलिखित श्रौद्धोगिक विवाद को श्री बी० मिन्हा, महायक थ्रमायुक्त, (केन्द्रीय), आमनसोल के माध्यस्थम के लिए निर्वित करने का करार किया गया है।

1. विनिविष्ट विवाद प्रम्य विषय

“क्या ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड डाकघर जै० कै० नगर (बदेवान) के अधीन जै० कै० नगर उप-क्षेत्र के प्रबन्धताल की 5-1-1973 से सर्वश्री सुनील बोरी श्रीर मोगल औरी की काम बंदी करने/नाम काटने की कार्रवाई न्यायोधित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुत्तम के हक्कावार हैं और किन तारीख में”

2. विवाद के प्रकारों का विवरण जिसमें अन्तर्भूत स्थापन या उपकरण का नाम और प्रकार भी सम्मिलित है।

1. उप-क्षेत्रीय प्रबन्धक, जै० कै० नगर ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का उप-क्षेत्र, डाकघर जै० कै० नगर (बदेवान)।

2. उपाध्यक्ष, भारतीय कोलियरी मजदूर सभा (सी० आई० टी० य०) जै० कै० नगर कोलियरी डाकघर जै० कै० नगर (बदेवान)।

3. कर्मकारों का नाम, यदि वह स्थाय विवाद में अन्तर्भूत है या कोई संघ प्रश्नगत कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करना हो तो उसका नाम।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले उपाध्यक्ष, भारतीय कोलियरी मजदूर सभा जै० कै० नगर कोलियरी, डाकघर जै० कै० नगर (बदेवान)।

4. प्रभावित उपकरण में नियोजित लगभग 1350 कर्मकारों की कुल संख्या।

5. विवाद द्वारा प्रभावित या सम्भाल्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या।

तब यह करार भी करते हैं कि माध्यस्थम का विनिष्टय हम पर आवश्यक होगा।

मध्यस्थ व्यक्ति एवं उनका भारत के राजपत्र में इन करार के प्रकाशन की तारीख में 30 दिनों की कालावधि या उससे अधिक के भीतर जिसे हमारे बीच लिखित पारम्परिक करार द्वारा बढ़ा दिया जाए, देंगे। यदि उपरिक्रित कानावधि के भीतर प्राक्कलि नहीं दिया जाता, तो माध्यस्थम के लिए निर्देश स्वतः रह ही जाएगा और हम नए माध्यस्थम के लिए बातचीत करने को स्वतंत्र होंगे।

प्रकारों के वृस्ताकार

ह०/— (मुनीष इ०)

तारीख 29-12-78

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले मार्गी

1. ह०/—प्रपाठ्य (29-12-78)

2. ह०/—प्रपाठ्य (29-12-78)

ह० (भ्रमित्र मिन्हा)

तारीख 29-12-78

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले मार्गी

मै विवादक बनने के सहमत हूँ।

ह० (श्री० मिन्हा)
महायक थ्रमायुक्त (केन्द्रीय)

आमनसोल—एम०

[संख्या ए०-१९०३१/१/७९-३०-४(बी)]
भूपेन्द्र नाथ, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 15th January, 1979

S.O.342.—Whereas an industrial dispute exists between the management of Jaykaynagar Colliery, Sub-Area of Messers Eastern Coalfields Limited and their workmen represented by Colliery Mazdoor Sabha of India (CITU) Asansol-M.

And whereas the said management and their workmen have by a written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) agreed to refer the said dispute to arbitration of the person mentioned therein and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement, which was received by the Central Government on 2nd January, 1979.

The parties agreed as under :—

1. It is agreed that the aforesaid workmen will be paid 50 per cent wages for the period in question i.e. from 1-8-77 to 15-10-77.
2. It is agreed that the idle period (i.e. from 1-8-77 to 15-10-77) will be counted excluding Sundays for qualifying the annual leave with wages and other allied benefits.
3. It is agreed that the payment of idle wages will be paid within 15 days from the date of this agreement.
4. It is agreed that the memorandum of agreement will be sent to RLC(C) Raniganj for information.

Representative of the Workmen.

Sd./-

Kishore Chatterjee

Secretary, Colliery Mazdoor Union

INTUC, Ukhra, Dt. Burdwan.

Representative of the Management.

Sd./-

Md. Jamaluddin

Dy. Chief Personnel Officer.

Office of the General Manager

Bankols Area (ECL)

नई विल्ली, 11 जनवरी, 1979

का० आ० 343—केन्द्रीय सरकार, कोयला खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1949 के नियम 3 (1)(क)(1) के साथ पठित, कोयला खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1947 (1947 का 32) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री वी० पी० साहनी, श्रम कल्याण महानिदेशक, श्रम मंत्रालय को, श्री के० एस० रघुपति के स्थान पर उक्त धारा के प्रधान गठित मनाहकार सभित का प्रध्यक्ष नियुक्त करती है और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की प्रधिगृहनाका० आ० स०-1264, तारीख 5 अप्रैल, 1975 में निम्नलिखित योर संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त प्रधिगृहना में, क्रम संख्या 1 के सामने की प्रविधियों में, "श्री के० एस० रघुपति" पद्धों के स्थान पर "श्री वी० पी० साहनी" शब्द रखे जाएँगे।

[का० स०-य०-23018/19/78-डॉ० ए० एम०]

जगदीश प्रसाद, प्रबंध सचिव

New Delhi, the 11th January, 1979

S.O. 343.—In exercise of the powers conferred by Section 8 of Coal Mines Labour Welfare Fund Act, 1947 (32 of 1947) read with rule 3(1)(a)(i) of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949 the Central Government hereby appoints Shri V. P. Sawhney, Director General of Labour Welfare, Ministry of Labour as Chairman of the Advisory Committee constituted under the said section vide Shri K. S. Raghupathi and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 1264 dated the 5th April, 1975, namely :—

In the said notification in the entries against Serial No. 1, for the words "Shri K. S. Raghupathi" the words "Shri V. P. Sawhney" shall be substituted.

[File No. U-23018/19/78-WAM]

JAGDISH PRASAD, Under Secy.

जादेश

नई विल्ली, 11 जनवरी, 1979

का० आ० 344.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्वारा अगुवाई में त्रिनिदिष्ट विषयों के बारे में स्टेट बैंक प्राक द्राक्षकार के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीष्मिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए नियंत्रित करना चांठनीय समझती है;

अत, अब, ग्रीष्मिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 का और धारा 10 की उपधारा (1) के अंडे (प) द्वारा प्रत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एक ग्रीष्मिक अधिकरण गठित करती है जिसके पाठारीन अधिकारी श्री के० मन्त्रारतनम थोंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त ग्रीष्मिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए नियंत्रित करती है।

अनुसूची

"उक्त स्टेट बैंक प्राक द्राक्षकार, त्रिवेन्द्रम के प्रबंधन संबंधी का श्री पी० जी० एन्टोनी, मुख्य सचिव, 'D' को 5-4-77 से बद्धस्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुत्तर का हक्कदार है?"

[संख्या एल-12012/24/78-डी० 2-ए]

एस० के० मुखर्जी, प्रबंध सचिव

ORDER

New Delhi, the 11th January, 1979

S.O. 344.—Whereas, the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of State Bank of Travancore and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7-A read with clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri K. Selvaratnam with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the State Bank of Travancore, Trivandrum in discharging Shri P. G. Antony Head Cashier 'D' with effect from 5-4-77 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[F. No. L-12012/24/78-D. II. A.]

S. K. MUKERJEE, Under Secy.

New Delhi, the 16th January, 1979

S.O. 345.—In pursuance of Section 17 of the Industrial disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India, Madras and their workman over the demand for pre-dated confirmation and consequent promotion of Shri J. K. Ramprasad, Special Assistant, which was received by the Central Government on 3-1-79.

BEFORE THIRU K. SELVARATNAM, B.A., B.L.,

Industrial Tribunal, Madras

(Constituted by the Central Government)

Wednesday, the 20th day of December, 1978

Industrial Dispute No. 16 of 1978

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Central Bank of India, Madras.)

BETWEEN

The workmen represented by

The General Secretary, Central Bank of India Staff Union, No. 7, Nagarjuna Nagar, First Street, Madras-600024.

AND

The Assistant General Manager, The Central Bank of India, Regional Officer, No. 21-A, Greams Road, Madras-600006.

REFERENCE :

Order No. I-12012/84/77-D, II, A, dated 17-1-1978 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on for final hearing on Thursday, the 30th day of November, 1978 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru P. Sundara Sivudu, President of the Union and of Thiru S. Kothandaraman, Assistant Law Officer of the Bank and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This is an Industrial Dispute under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 referred to this Tribunal for adjudication between the Management of Central Bank of India, Madras and their workmen in the matter of confirmation of a clerk Thiru Ramaprasad.

(2) The following is the reference :

Whether Sri Ramaprasad, Special Assistant is entitled to pre-dated confirmation and consequential promotion in pursuance of the Bipartite Settlement signed on 23-12-71 between the Central Bank of India and the All India Central Bank Employees' Federation and, if so, from what date is he entitled to pre-dated confirmation and from what date is he entitled to promotion as an Officer ?

(3) The Union filed a claim statement, wherein they state as follows : Thiru J. K. Rama Prasad, an employee of this Bank working a Madras on temporary basis in the year 1963 for several months with 2 or 3 days break and subsequently taken on probation on 16-1-1964 and confirmed in the Bank's service on 16-7-1964. He made representation to the Bank to regularise his temporary service during the year 1963 in terms of the Memorandum of Settlement and grant him the benefit of pre-dated confirmation, which would give him a revised advantageous rank in the seniority list for purposes of promotion to the officer cadre. The Management rejected his claim on the ground that he had not worked continuously for a period of six months without any break. A further representation was made to the Bank by the Petitioner, Thiru J. K. Rama Prasad on 30-1-1975 to reconsider his claim for pre-dated confirmation under clause (3) of the terms of agreement of the Memorandum of Settlement. There is no reference in clause (3) of the terms of agreement that the service should be continuous without break and refers to only temporary employments of more than six months in accordance with the spirit of the Settlement to give pre-dated confirmation benefit to employees who had worked for long periods on temporary basis with 2 or 3 days break.

(4) Their representation was also rejected by the Bank on the ground that "he has not worked continuously for six months" and "was given repeated breaks in service". Thereupon, representations were made to the Chairman and Managing Director of the Bank, but of no avail. In these circumstances, the dispute has been referred to this Tribunal.

(5) The Management of the Bank filed a counter, wherein they contend as follows : It was true that a Settlement was reached between the employees and the Bank in the matter of confirmation of temporary employees taking into consideration some of the employees have put in service of a long period as temporary employees. In terms of the above said agreement dated 23-12-1971, the Bank had issued a Circular No. PRS/Pol/2/73/C/55, dated 16-7-1973, whereby the employees of the Bank were informed that the employees should have worked on temporary basis continuously for a period of six months to become eligible for back-dated confirmation and in the present case from the available records of the workmen, it is seen that he has worked as a temporary hand for the following periods :

8-4-1963 to 7-5-1963
9-5-1963 to 11-6-1963
9-8-1963 to 7-9-1963
10-9-1963 to 9-11-1963 and
12-11-1963 to 9-1-1964.

He was taken on probation with effect from 16-1-1974 after six days' break and was confirmed in the bank's service six months thereafter on 16-7-1974. On representation made by the workman, even though the Management had no difficulty in rejecting his claim for pre-dated confirmation, a reference was made to the other signatory to the Settlement dated 23-12-1971, who confirmed the stand of the management that the intention of the parties were to apply the Clauses (3) to employees who have put in continuous service only. The claim of the workman that he should be confirmed in the bank's service from 9-2-1964 under clause (3) of the Settlement is untenable as he has not worked continuously for a period of six months without break in his temporary service as provided under clause (2) of the Settlement. From the records, it is seen that the workmen had a break of service between 11-6-1963 to 9-8-1963. So he is not entitled to pre-dated confirmation. He cannot also include the probationary period for calculating the continuous period of six months. It is not correct to state that if he had been given the benefit under clause (3) he would have been promoted somewhere in May/June, 1974. Having regard to the seniority list, he would have been promoted only on or after 18-2-1976. In these circumstances, he is not entitled to pre-dated confirmation.

(6) It is a common case that a memorandum of agreement has been reached between the Management-Bank and their employees in the matter of confirmation of their employees. The memorandum has been appended to the claim statement of the Union and the preamble to the Memorandum states that in what circumstances the agreement was entered into. The circumstances under which the agreement was reached were a number of employees in clerical and subordinate cadre were kept temporary for indefinite periods and that they were taken on probation and confirmed in Bank's service sometimes one year or two years after their initial appointments. In some cases of the employees, there were temporary breaks for 2 or 3 days in their temporary service. That had affected them considerably in the matter of confirmation, promotion, etc. To avoid all the anomalies the following terms were entered into. The terms are as follows :—

(1) The employees who have been appointed in the Bank's service originally on or after 1-7-1966 and were given breaks in the service not exceeding three days excluding Sundays and Bank holidays, will be considered as having been confirmed on the permanent staff after six months from the date of their original appointments. Such members of the clerical and subordinate staff will also be entitled to contribute towards provident fund from the date of their confirmation as per this agreement, and the due dates of their graded increments will be adjusted accordingly.

(2) In the case of such members of the clerical and subordinate staff who were continued to be temporary beyond the period of six months prior to 1-7-1966 and not earlier than 1-1-1959 without any break will also be allowed to contribute towards provident fund, six months after the date of their original appointment and they would be treated as confirmed from the said date.

(3) It is also agreed that the cases of the employees who were taken on temporary basis prior to 1-7-1966 and not earlier than 1-1-1959 but continued to work against permanent vacancies for more than six months will also be confirmed in service six months after the date of their original appointment and will be allowed to contribute towards provident fund as per para (2) above.

The whole question has to be decided by the interpretation of clause (2) and clause (3). The Management would rely upon clause (2) and insist that for taking into account the temporary service, there must not be any break. Inasmuch as there was a long break in the case of the Petitioner-worker, the Management was right in starting his probation on 16-1-1964 and confirming him on 16-7-1964. The Union would rely upon clause (3) and contends that the question of break in the temporary service is irrelevant and what they should have considered is whether he had worked in the permanent vacancy for more than six months. If they calculate on that basis, it would be seen that the Petitioner-worker had worked against the permanent vacancy from 9-8-1963 and as such he should be confirmed on 9-2-1964. In other words, for purpose of confirmation, the stand of the Management is the temporary service should be excluded if it falls short of six months; whereas the stand of the Union is the question whether he was working in the temporary service without breaks in irrelevant and it has to see whether he has worked against the permanent vacancy. Now the Tribunal has to interpret what is the intention of the parties when the terms was reached as seen from the terms of the Settlement. Clause (2) and (3) of the terms of Agreement relate to employees appointed prior to 1-7-1966. Clause (2) confers the benefit of pre-dated confirmation beyond the period of six months without any break; whereas clause (3) confers the benefit of pre-dated confirmation if an employee had worked for more than six months temporarily against the permanent vacancy. It appears that there was a Circular No. PRS/Pol/2/73/C/55, dated 16-7-1963 modifying the Settlement that the benefit of the settlement would be applicable to all temporary employees irrespective of the nature of vacancy against which they were initially appointed, i.e. against the temporary vacancy or a permanent vacancy. In the face of the circular the requirement under clause (3) that an employee should have worked against the permanent vacancy has given up. Therefore in the face of this Circular, the question is whether pre-dated confirmation against the permanent vacancy has become obsolete. The only thing remains to be considered is whether continuous temporary service for a period of six months is absolutely necessary for pre-dated confirmation. There is no reference to the temporary service without any break in clause (3). But there is a reference to the temporary service without any break in clause (2). The contention of the Management is that clause (2) and (3) should be read together and if read together, certainly temporary service without any break is the pre-requisite for pre-dated confirmation. But on the other hand, the contention of the Union is that the revised settlement was arrived at to find solution for people who suffer due to the break for 2 or 3 days in their temporary service though they are not continuously working temporarily. If the spirit of the Settlement is to be taken into consideration, it should be strictly interpreted and their contention in-as-much-as there is no reference to temporary period for six months without break is not material for conferring pre-dated confirmation. But to me, it appears that clause (3) cannot be interpreted distinctively and it should be interpreted taking it along with clause (2) in the context and circumstances the settlement was reached, which stimulates no break in the temporary service. In this context, the Management would file Ex. M-1 which is a letter from the signatory to the settlement. His view is that clause (2) and (3) should be read together and the qualification of the temporary service without any break is applicable to clause (3). No importance can be attached to Ex. M-1, for his personal view cannot prevail against the terms embodied in the Settlement. The Tribunal has to see from the circumstances and

conduct of parties as what was the intention. The Management has acted and promoted people on the basis of agreement and if the Management accept the interpretation as required by the Union it will have far reaching consequences upsetting the entire gradations and promotions. It is no doubt true that it is not the province of the Tribunal to weigh the consequences and interpret but when the interpretation made by the Management is plausible, having regard to the spirit in which clauses (2) and (3) have been enacted, there is no reason as to why this Tribunal should not accept the procedure followed hitherto and acted upon for a number of years by the Management. Therefore my finding is that the period of six months service without any break will be the deciding factor for conferring the starting of probation and confirmation.

(7) Viewed in that light, there was considerable breaks in the periods of temporary service of the petitioner-worker. Though there is some difference in the length of break between the Management and the Union, the fact remains that there was break during the temporary service. On account of the break in the temporary service, the petitioner-worker Thiru Ramaprasad will not be entitled to pre-dated confirmation.

(8) In the result, an Award is passed negating the claim of the worker.

Dated, this 20th day of December, 1978.

K. SELVARATNAM, Presiding Officer.

WITNESSES EXAMINED

For both sides : Nil.

DOCUMENTS MARKED

For workmen : Nil.

For Management :

Ex. M-1/30-12-75—Letter from the Bank to the General Secretary, All India Central Bank Employees' Federation, West Bengal regarding back dated confirmation of service.

Note : Parties are directed to take return of their document/s within six months from the date of the Award.

K. SELVARATNAM, Presiding Officer.

[No. L-12012/84/77-D. II. A.]

S.O. 346.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman over termination of services of Shri Ghazi Lal Teli, Peon, which was received by the Central Government on 2-1-79.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NEW DELHI

I.D. No. 42 of 1977

In re :

Shri K. N. Bhayal, General Secretary, Rajasthan Bank Employees Union, c/o Punjab National Bank, Bikaner. (Ghazi Lal Teli). Workman/Petitioner.

Versus

The Managing Director, State Bank of Bikaner and Jaipur
8. M.S. Highway, Jaipur.

Management/Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. F. I-12012/198/76-D. II. A. dated the 24th March, 1977 made a reference w/s 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms :

"Whether the action of the management of the State Bank of Bikaner and Jaipur in terminating the services of Shri Ghazi Lal Teli, Peon Swamadhopur Branch w.e.f. 20-5-1976 is legal and justified ? If not, to what relief is the workman entitled."

2. After receipt of the reference usual notices were issued to the parties and in pursuance thereof a statement of claim was filed on behalf of the workman and a written statement also was filed. Thereafter an application dated 27-11-78 was filed on behalf of the State Bank of Bikaner and Jaipur in which it was stated that the State Bank of Bikaner and Jaipur and the State Sector Bank Employees Association have entered into the agreement whereby the matter in dispute and other matters have been settled. A copy of the agreement was also filed. Notice of the application was given to the union but no reply has so far been filed inspite of the opportunities given to the union. The application is supported by an affidavit of Shri T. N. V. Raman who is the Manager (Personal Administration) of the Bank. This case was fixed for today but none has appeared for the Union. In view thereof the Statement of Shri T. N. V. Raman and Shri M. B. Dutta, Manager (Personal Administration) and the Managing Director respectively of the Bank were recorded. Shri M. B. Dutta is one of the signatory to the said settlement which is now exhibited as Ex. A-1. The affidavit of Shri T.N. V. Raman is Ex. A-2. In view of the application supported by an affidavit Ex. A-2 and the settlement Ex. A-1 I find that the matter in dispute has been settled between the parties and no dispute remains alive thereafter. The settler ready been ordered to be recorded by my order. As such a no dispute award is hereby made in this matter. Parties are however left to bear their own costs.

Further Awarded :

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
Central Government Industrial Tribunal

Dated : the 28th December, 1978.

New Delhi.

[No. L-12012/198/76-D. II. A.]

S.O. 347.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, Jaipur and their workman over termination of services of Shri Ram Chandra Pujari, Peon, which was received by the Central Government on 2-1-79.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NEW DELHI
I.D. No. 41 of 1977

In re :

The Asstt. General Secretary, Rajasthan Bank Employees Union, Jaipur Hotel Building, 8, S.M.S. Highway, Jaipur. Workman/Petitioner.

Versus

The Managing Director, State Bank of Bikaner and Jaipur, S.M.S. Highway, Jaipur.

Respondent/Management.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/197/76-D. II. A dated the 24th March, 1977 made a reference u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms :

'Whether the action of the management of the State Bank of Bikaner and Jaipur in terminating the services of Shri Ram Chandra Pujari, Peon Navli Branch of the Bank w.e.f. 9-2-76 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?'

2. After receipt of the reference usual notices were issued to the parties and in pursuance thereof a statement of claim was filed on behalf of the workman and a written statement also was filed. Thereafter an application dated 27-11-78 was

filed on behalf of the State Bank of Bikaner and Jaipur in which it was stated that the State Bank of Bikaner and Jaipur and the State Sector Bank Employees Association have entered into the agreement whereby the matter in dispute and other matters have been settled. A copy of the agreement was also filed. Notice of the application was given to the union but no reply has so far been filed inspite of the opportunities given to the union. The application is supported by an affidavit of Shri T. N. V. Raman, who is the Manager (Personal Administration) of the Bank. This case was fixed for today but none has appeared for the union. In view thereof the statement of Shri T. N. V. Raman and Shri N. B. Datta, Manager (Personal Administration) and the Managing Director respectively of the Bank were recorded. Shri M. B. Dutta is one of the signatory to the said settlement which is not exhibited as Ex. A-1. The affidavit of Shri T. N. V. Raman is Ex. A-2. In view of the application supported by an affidavit Ex. A-2 and the settlement Ex. A-1 I find that the matter in dispute has been settled between the parties and no dispute remains alive thereafter. The settlement has already been ordered to be recorded by my order of even date. As such a no dispute award is nearly made in this matter. Parties are however left to bear their own costs.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
Central Government Industrial Tribunal

Dated : the 28th December, 1978.

New Delhi.

[No. L-12012/197/76-D. II. A.]

S.O. 348.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India, New Delhi and their workman over termination of services, of Shri Ahmed, Messenger, Meerut Branch of the Bank, which was received by the Central Government on 2-1-79.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI
I.D. No 94 of 1978

In re :

The General Secretary, Delhi Circle State Bank Staff Association, 33-Bank Enclave, Rajouri Garden, Ring Road, New Delhi. . .Petitioner.

Versus

The Regional Manager, State Bank of India, Region—III, Parliament Street, New Delhi. . .Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government made a reference u/s 10 of the I. D. Act, 1947 vide its Order No. L-12012/167/76-D. II. A dated the 26/28th October, 1978 in the following terms to this Tribunal :

'Whether the action of the management of the State Bank of India, Region-III New Delhi in terminating the services of Shri Ahmed, Messenger, Meerut Branch of the Bank w.e.f. 9-2-76 in violation of the provisions of Shastri Award is legal and justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?'

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties to appear on 13th December, 1978. While none appeared for the workman, Shri S. Mishra, the Assistant Law Officer of the State Bank of India had appeared for the Bank and had stated that this matter has been settled between the parties and accordingly his statement was recorded which reads as under :

"The workman has already been reinstated with full back wages w.e.f. 9-6-77. There is no longer any dispute. So a no dispute award be made."

He has also filed two letters dated 21st November, 1978 and 8th October, 1978 in this behalf. Both these letters purport to have been issued by the Regional Manager and the General Manager (Operations). From the perusal of statement of Shri S. Mishra read with the letters above referred I find that a no dispute subsists any longer and as such a no dispute award is made in this reference. The parties however are left to bear their own costs.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
Central Government Industrial Tribunal
New Delhi.

Dated : the 22nd December, 1978.

[No. L-12012/167/76-D. II. A]
S. K. MUKERJEE, Under Secy.

New Delhi, the 18th January, 1979

S.O. 349.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner & Jaipur and their workman over termination of services of Shri Dinesh Chand Vyas which was received by the Central Government on 2-1-79.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 53 of 1977

In re :

The General Secretary,
Rajasthan Bank Employees Union,
c/o Punjab National Bank,
Jaipur.

...Petitioner

Versus

The General Manager,
State Bank of Bikaner & Jaipur,
S. M. S. Highway,
Jaipur.

... Respondent.

AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. vide its order No. L. 12012/178/76-D. II. A dated the 4th May, 1977 made a reference u/s 10 of the I. D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms :

"Whether the action of the management of the State Bank of Bikaner & Jaipur in terminating the services of Shri Dinesh Chand Vyas, Ex. employee of the Jaswantpura Branch of the Bank w.e.f. 28-2-76 is legal and justified. If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. After receipt of the reference usual notices were issued to the parties and in pursuance thereof a statement of claim was filed on behalf of the workman and a written statement also was filed. Thereafter an application dated 27-11-78 was filed on behalf of the State Bank of Bikaner and Jaipur in which it was stated that the State Bank of Bikaner & Jaipur and the State Sector Bank Employees Association have entered into the agreement whereby the matter in dispute and other matters have been settled. A copy of the agreement

was also filed. Notice of the application was given to the union but no reply so far been filed inspite of the opportunities given to the union. The application is supported by an affidavit of Shri T. N. V. Raman, who is the Manager (Personal Administration) of the Bank. This case was fixed for today but none has appeared for the Union. In view thereof the statement of Shri T. N. V. Raman and Shri M. B. Dutta Manager (Personal Administration) and the Managing Director respectively of the Bank were recorded. Shri M. B. Dutta is one of the signatory to the said settlement which is now exhibited as Ex. A-1. The affidavit of Shri T. N. V. Raman is Ex. A-2. In view of the application supported by an affidavit Ex. A-2 and the settlement Ex. A-1 I find that the matter in dispute has been settled between the parties and no dispute remains alive thereafter. The settlement has already been ordered to be recorded by my order of even date. As such a no dispute award is hereby made in this matter. Parties are however left to bear their own costs.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
Central Govt. Industrial Tribunal
New Delhi.

Dated : the 28th December, 1978.

[No. L-12012/178/76-D. II. A]

S.O. 350.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United Commercial Bank, Parliament Street, New Delhi and their workman over non-accepting the date of birth mentioned in the discharge certificate issued by the Military authorities to Shri Malu Singh, Armed Guard, which was received by the Central Government on 2-1-1979.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
NEW DELHI

I.D. No. 193 of 1977

In re :

The President,

Delhi State Bank Workers Organisation,
898, Nai Sarak, Chandni Chowk,
Delhi.

...Petitioner.

Versus

The Asstt. General Manager,
United Commercial Bank,
Parliament Street,
New Delhi.

...Respondent.

PRESENT :

Shri C. L. Bhardwaj—for the workman.

Shri B. R. Ghai—for the Management.

AWARD

The Central Government as appropriate Government made a reference u/s 10 of the I. D. Act, 1947 to this Tribunal vide this order No. L-12012/65/77-D.II.A dated the 9th September, 1977 in the following term :

"Whether the action of the management of United Commercial Bank, Parliament Street, New Delhi in not accepting the date of birth mentioned in the discharge certificate issued by the Military authorities to Shri Malu Singh, Armed Guard is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties and statement of claim was filed on behalf of the workman. Thereafter a written statement was filed by the Bank and finally a replication was also got filed. On the pleadings of the parties the following issues were framed :

1. Whether the dispute or demand of the workman constitutes an Industrial Dispute ?
2. Whether the dispute has been properly espoused by a competent Union ?
3. As in terms of reference.
4. The parties evidence was recorded which consists of the statement of W.W. 1 Shri Malu Singh who has appeared as a witness for himself apart from producing documents Ex. W.W. 1/1 to Ex. W.W. 1/8 and examining Shri C. L. Bhardwaj as W.W. 2.

4. In rebuttal the Bank has examined Shri Gobind Ram, the Building Officer as M.W. 1 apart from Ex. M-1 and Ex. M-2, documents. I have gone through the evidence produced by the parties and have given my considered thought to the matter before me after hearing arguments of parties representative and I have come to the following findings :

5. The contention of the workman as disclosed from his statement of claim is that Kalu Singh had joined the Bank services as an Armed Guard in 1958 and is now workman as permanent confirmed Armed Guard; that in December, 1973 Malu Singh had come to know that his date of birth recorded by the Bank is August, 1924 whereupon he represented the matter to the Manager of the Bank on 7-12-1973; that his date of birth was 2-4-1928 and requested him to make necessary corrections but without any effect and in consequence a demand was made and after usual formalities this reference was made.

6. In reply the Bank has contended that the matter referred does not constitute an Industrial Dispute; that the Industrial Dispute has not been properly espoused by a competent union; that the workman had himself given his date of birth as August, 1924 and it was too late in the day to say that this was not his correct date of birth and it is contended that this claim of the workman is misplaced and wrong.

7. The statement of Shri Malu Singh reads as under :

"I am illiterate. I joined service of the respective Bank in October, 1958. I joined as Armed Guard. I had submitted my discharge certificate from the Military to the Bank authorities on joining the service as I had earlier been in the Military services. I joined Military in 1948. I was 20 years old at the time when I joined Military. I was born on 2nd April, 1928. My parents had informed me of my date of birth. My father is dead. My mother is alive. I learnt on 7th December, 1973 that the Bank had registered wrong date of birth in my service record. The Bank has recorded August, 1924. I represented to the Bank against it in 1974. Copy is Ex. W.W. 1/1. I had told the facts to the typist who had type out it in English. Then I submitted another representation copy Ex. W.W. 1/2. Then a third representation was made copy Ex. W.W. 1/3. Ex. W.W. 1/4 is the letter from the union. Ex. W.W. 1/5, 1/6, 1/7 are the other letters exchanged between the Bank and the union on the subject. I also tender Ex. W.W. 1/8, a true copy of the service record from the Military. I had requested my union to take up my matter and thereafter this reference was ultimately made. I am in the Bldg. Department of the Bank. There are 18 workmen in the said Branch apart from three officers. 18 of those 19 workmen are members of the Delhi State Bank Workers' Organisation. I have been in the membership of the Union since I joined service. I pay Re. 1/- per month as the subscription. I am illiterate and I do not know what papers had been thumb marked from me by the Bank.

* * * *

During cross examination Malu Singh has stated that it was after the present dispute arose that I enquired from my parents about my date of birth and then I was told that I was born in April, 1928. It was

after about a month of the dispute arose that I went to my parents to enquire about my date of birth. May be it was in 1974. I did not know my date of birth prior thereto. They had told me my date of birth out of their memory. I was born in village Budh Singh Bhani in Rajasthan. There was no Municipal Committee in that village when I was born. Ex. M-1 bears my signatures. I know that date of birth is entered in the service record. I do not know how this date of birth was entered in this service record of mine. It is incorrect that my date of birth in the provident fund papers was entered as August, 1924 but I did sign the papers. I cannot say how many people are there in our Branch. Apart from Building staff no other workman of the Branch is member of Delhi State Bank Organisation."

8. Shri Gobind Ram as M.M. 1 has stated in his examination-in-chief that I was posted in Delhi Parliament Street Branch of our Bank as Care-Taker since 1958 to 1963. I was the Incharge of the Building Department at that time. Kalu Singh was working in Building Deptt. under me. I have seen M/1 which bears the date of birth of Malu Singh in my hand writing. It was signed by Malu Singh. This date was entered by me on the statement of Malu Singh. The signatures of Malu Singh were obtained after the date of birth had been filled on this form. Malu Singh had filled a declaration at the time of becoming member of Provident Fund of the Bank which is Ex. M-2. This was also filled by me. It was signed by Malu Singh and bears the signature of this witness as a witness at mark X and it also bears the date of birth which was filled by him at his statement. The Parliament Street Building Department is controlled by A.G.M. Office.

During cross examination he has stated that I did not asked Malu Singh to produce documentary evidence of his date of birth. I did not know an Ex. Army Men. It is incorrect to suggest that Ex. M/1 and Ex. M/2 bears signatures of Malu Singh. It is correct that I have not mentioned the date of birth and rather only the month and the year of birth of Malu Singh have been mentioned therein because he had been able to give only the month of his birth."

ISSUE NO. 1 :

9. The contention of the Management is that no proper demand was raised with the Bank and as such it is not an Industrial Dispute. However from the perusal of Ex. W.W. 1/1, find that the workman had not only raised the demand but had further pursued it with the Management. Ex. W.W. 1/2 Ex. W.W. 1/3 also show that demand was in fact raised. These are letters sent by the workman to the Bank. Thereafter Ex. W.W. 1/4 was addressed to the Manager of the Bank on 29-1-1976 by the Delhi State Bank Workers' Organisation which is representing the workman in this case. This also shows that a demand was raised by the Union as well, so much so that even a reply to it was sent vide Ex. W.W. 1/5 by the Bank and a reply to this reply was sent by the Delhi State Bank Workers' Organisation vide Ex. W.W. 1/6 and when Bank did not resile from its stand DSBWO referred the matter for conciliation to Asstt. Labour Commissioner vide letter copy Ex. W.W. 1/7. In the face of this correspondence it cannot be said that a proper demand had not been raised with the Bank or that the matter under dispute does not constitute an Industrial Dispute and I decide this issue in favour of the workman.

ISSUE NO. 2 :

10. The workman has produced letters Ex. W.W. 1/4, Ex. W.W. 1/6 and Ex. W.W. 1/7 which clearly show that the dispute was espoused by the Delhi State Bank Workers' Organisation. It has no where been suggested in the statement of M.W. 1 that this Organisation does not represent the Bank employees' in Delhi. Rather the statement of Shri C. L. Bhardwaj as W.W. 2 who is the Vice President of this Organisation shows that this Organisation has espoused this matter by a resolution on 24-1-1976 and that the Organisation was a representative organisation. Therefore I hold this issue in favour of the workman and against the Management.

ISSUE NO. 3 :

11. In order to prove this issue the workman has produced a copy of his certificate of discharge which is Ex. W.W. 1/8 and it is contended on behalf of the workman that his date of birth according to this discharge certificate would come to 2nd April, 1928 in as much as his age on the 2-4-1948, the date of his enrolment was 20 years. However the workman has not produced any documentary evidence of his date of birth in support of Ex. W.W. 1/8. He has not been able to show that this date of birth was entered by the Military Authorities on the basis of any birth certificate or any school leaving certificate or even on the basis of affidavit of his parents. The burden of proving that the date of birth of the workman was not the one which is entered in the Bank's record was upon the workman. It is admitted by the workman that his mother is alive but he has not cared to produce her in evidence to corroborate his statement. In the absence of any birth entry or birth certificate or certificate of school leaving, the best evidence was the statement of his mother in as much as the father was already dead and he has not even tried to produce his mother. He has not given any explanation for non-production of his mother. As against his statement Shri Gobind Ram, M.W. 1 the Building Officer of the Bank has stated that he was the Incharge of Building Department at the time when Malu Singh joined the service. It is this officer who had in fact recruited Malu Singh. He has produced Ex. M-1 in which date of birth of the workman is recorded as August, 1924. This witness has further stated that this date was entered by him on the statement of Shri Malu Singh. It is also stated by him that it is signed by Shri Malu Singh and that signatures of Malu Singh were obtained after the date of birth had been filled in the form. There is no denial by the workman that Ex. M-1 does not bear his signatures. It is further stated by M.W. 1 that Malu Singh had filed a declaration at the time of becoming a member of the Provident Fund of the Bank. The said declaration has been produced in original and is Ex. M/2. This also bears the signatures of Malu Singh and here-in-also the date of birth of Malu Singh is recorded as August, 1924. Malu Singh has not denied his signatures on Ex. M-2 either. In the face of this statement of M.W. 1 it would be difficult to accept the statement of Malu Singh as M.W. 1 for the simple reason that statement of Malu Singh is not corroborated by the statement of his mother who was the best person to state about the date, month or year of birth of Malu Singh. Even otherwise the statement of Malu Singh cannot be relied upon for the discrepancy which exist between his two statements; the one on the basis of whereof his age was recorded in Ex. M.W. 1/8 and the one exhibited as M-1. Malu Singh is a person who has been making different statements to suit his convenience and in these circumstances it is not possible to rely upon his statement. No malafide or enmity has been alleged by Malu Singh with Shri Gobind Ram. Gobind Ram is the person who had actually recruited the workman Malu Singh. In the face of my discussions above, I hold that the Bank was justified in not accepting the date of birth of Malu Singh as mentioned in the discharge certificate and was rather justified to stick to the date of birth which was given by Malu Singh to the Bank authorities at the time of his recruitment as Armed Guard. Even otherwise once a date of birth has been entered by the Competent authority of the employer's heavy burden lay upon Malu Singh to establish his exact date of birth which he has failed to do in the instant case and the Bank was justified in treating August, 1924 as his date of birth as originally entered in the service card of the Bank. Accordingly this issue is decided in favour of the Management and against the workman.

12. For my discussions and findings above, it is awarded that the Bank was justified in not accepting the date of birth entered in the discharge certificate copy Ex. W.W. 1/8 and was further justified in treating his date of birth as August, 1924 as originally recorded in the records of the Bank.

Further Awarded :

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action at their end.

Dated 22nd December, 1978.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

[No. L-12012/65/77 D. II. A.]

1069 GI/78-8.

S.O. 351.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman over termination of services of Shri Bharat Pal Arora, Godown Keeper, Srigananagar Branch, which was received by the Central Government on 2-1-1979.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT

NEW DELHI

I.D. No. 14 of 1977

In re :

Shri Bharat Pal Arora S/o Shri Niyamat Rai Arora,
Village Bhangoar, P.O. Uhak Kharajka
Distt. Srigananagar. Petitioner/Workman.

VERSUS

The Deputy General Manager,
State Bank of Bikaner and Jaipur.
S. M. S. Highway,
Jaipur. Respondent/Management.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L. 12012/170/76-D.II.A, dated the 10th February, 1977 made a reference u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms :

"Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, Jaipur in terminating the services of Shri Bharat Pal Arora, Godown Keeper Srigananagar w.e.f. 31-1-76 is legal and justified ? If not to what relief is the workman entitled ?"

2. After receipt of the reference usual notices were issued to the parties and in pursuance thereof a statement of claim was filed on behalf of the workman and a written statement also was filed. Thereafter an application dated 27-11-78 was filed on behalf of the State Bank of Bikaner and Jaipur in which it was stated that the State Bank of Bikaner and Jaipur and the State Sector Bank Employees Association have entered into the agreement whereby the matter in dispute and other matters have been settled. A copy of the agreement was also filed. Notice of the application was given to the union but no reply has so far been filed in spite of the opportunities given to the union. The application is supported by an affidavit of Shri T.N.V. Raman, who is the Manager (Personal Administration) of the Bank. This case was fixed for today but none has appeared for the Union. In view thereof the statement of Shri T. N. V. Raman and Shri M. B. Dutta, manager, (Personal Administration) and the Managing Director respectively of the Bank were recorded. Shri M. B. Dutta is one of the signatory to the said settlement which is now exhibited as Ex. A-1. The affidavit of Shri T. N. V. Raman is Ex. A-2. In view of the application supported by an affidavit Ex. A-2 and the settlement Ex. A-1 find that the matter in dispute has been settled between the parties and no dispute remains alive thereafter. The settlement has already been ordered to be recorded by my order of even date. As such a no dispute award is hereby made in this matter. Parties are however left to bear their own costs.

Further Awarded :

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated : the 28th December, 1978

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
[No. L-12012/170/76-D.II.A]

S.O. 352.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute

between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman over termination of services of Shri Mangu Singh, Peon, which was received by the Central Government on 2-1-79.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 187 of 1977

In re :

The General Secretary,
Rajasthan Bank Employees Union,
C/o Punjab National Bank,
Bikaner.
...Petitioner

Versus

The General Manager,
State Bank of Bikaner and Jaipur,
S. M. S. Highway,
Jaipur.
...Respondent

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its Order No. L-12012/49/77-D.II.A, dated the 8th/12th August, 1977 made a reference u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms :

"Whether the action of the management of the State Bank of Bikaner and Jaipur in terminating w.e.f. 8-2-1973, the services of Shri Mangu Singh, Peon, Jhalore Branch, without following the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947 is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. After receipt of the reference usual notices were issued to the parties and in pursuance thereof a statement of claim was filed on behalf of the workman and a written statement was also filed. Thereafter an application dated 27-11-78 was filed on behalf of the State Bank of Bikaner and Jaipur in which it was stated that the State Bank of Bikaner and Jaipur and the State Sector Bank Employees Association have entered into the agreement whereby the matter in dispute and other matters have been settled. A copy of the agreement was also filed. Notice of the application was given to the union but no reply has so far been filed inspite of the opportunities given to the Union. The application is supported by an affidavit of Shri T. N. V. Raman, who is the Manager (Personal Administration) of the Bank. This case was fixed for today but none has appeared for the Union. In view thereof the statement of Shri T. N. V. Raman and Shri M. B. Dutta, Manager (Personal Administration) and the Managing Director respectively of the Bank were recorded. Shri M. B. Dutta is one of the signatory to the said settlement which is now exhibited as Ex. A-1. The affidavit of Shri T. N. V. Raman is Ex. A-2. In view of the application supported by an affidavit Ex. A-2 and the settlement Ex. A-1 I find that the matter in dispute has been settled between the parties and no dispute remains alive thereafter. The settlement has already been ordered to be recorded by my order of even date. As such a no dispute award is hereby made in this matter. Parties are however left to bear their own costs.

Further Awarded :

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated : the 28th December, 1978.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
[No. L-12012/49/77-D. II. A.]

S.O. 353.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman over termination of services of Shri Bhanwar Lal, Peon-cum-Farash, Phalodi Branch of Bank, which was received by the Central Government on 2-1-79.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 48 of 1977

In re :

The General Secretary, Rajasthan Bank Employees Union,
c/o Punjab National Bank, Bikaner
...Workman/Petitioner.

Versus

The Manager, State Bank of Bikaner and Jaipur, S.M.S.
Highway, Jaipur. ...Management/Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/182/76-D. II. A dated the 13th April, 1977 made a reference u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms :

"Whether the action of the management of the State Bank of Bikaner and Jaipur in terminating the services of Shri Bhanwar Lal, Peon-cum-Farash Phalodi Branch of the Bank w.e.f. 14-12-75 is legal and justified. If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. After receipt of the reference usual notices were issued to the parties and in pursuance thereof a statement of claim was filed on behalf of the workman and a written statement also was filed. Thereafter an application dated 27-11-78 was filed on behalf of the State Bank of Bikaner and Jaipur in which it was stated that the State Bank of Bikaner and Jaipur and the State Sector Bank Employees Association have entered into the agreement whereby the matter in dispute and other matters have been settled. A copy of the agreement was also filed. Notice of the application was given to the union but no reply has so far been filed inspite of the opportunities given to the union. The application is supported by an affidavit of Shri T. N. V. Raman, who is the Manager (Personal Administration) of the Bank. This case was fixed for today but none has appeared for the union. In view thereof the statement of Shri T. N. V. Raman and Shri M. B. Dutta, Manager (Personal Administration) and the Managing Director respectively of the Bank were recorded. Shri M. B. Dutta is one of the signatory to the said settlement which is now exhibited as Ex. A-1. The affidavit of Shri T. N. V. Raman is Ex. A-2. In view of the application supported by an affidavit Ex. A-2 and the settlement Ex. A-1 I find that the matter in dispute has been settled between the parties and no dispute remains alive thereafter. The settlement has already been ordered to be recorded by my order of even date. As such a no dispute award is hereby made in this matter. Parties are however left to bear their own costs.

Further Awarded :

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated : the 28th December, 1978.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
[No. L-12012/182/76-D. III. A.]

S.O. 354.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of Shri K. Shanmughavel, Regional Labour Commissioner (C), Jabalpur, and Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank, Saugor and Punjab National Bank Employees Association over change in service conditions of Shri S. S. Sharma, Bill Collector, which was received by the Central Government on 30-12-78.

BEFORE SHRI K. SHANMUGHAVEL, REGIONAL LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL) JABALPUR AND ARBITRATOR UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

In the matter of arbitration of an industrial dispute between the employer in relation to Shri J. N. Ahluwalia, Manager, Punjab National Bank, Saugor Branch and his workman Shri S. S. Sharma working in Saugor Branch of Punjab National Bank represented by Shri M. L. Sabarwal, General Secretary,

Association of Punjab National Bank Employees (MP) Indore over payment of Bill Collector's allowance to Shri S. S. Sharma.

PARTIES :

Shri J. N. Ahluwalia, Manager, Punjab National Bank, Saugor Branch, Saugor.

Shri M. L. Sabarwal, General Secretary, Association of Punjab National Bank Employees (MP) Indore.

PRESENT :

Sri K. Shanmughavel, Regional Labour Commissioner (Central), Jabalpur and Arbitrator.

APPEARANCE :

1. Sri R. P. Raizada, Sr. Personnel Officer, Punjab National Bank, Regional Office, M.P. Region, Bhopal.

—Representing the Management.

2. Sri M. L. Sabarwal, General Secretary, Association of Punjab National Bank Employees (MP) Indore.

—Representing the workman.

INDUSTRY : Banking.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by order No. L-12012/128/77-D. II. A. dated 26th April, 78 published an Arbitration Agreement, entered into on 16-11-77, between Shri J. N. Ahluwalia, Manager, Punjab National Bank, Saugor Branch and Shri M. L. Sabarwal, General Secretary, Association of Punjab National Bank Employees (MP) Indore referring the following specific matter in dispute for my arbitration under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947:—

"Whether the stoppage of Bill Collector's allowance to Shri S. S. Sharma of Punjab National Bank, Saugor Branch from 17-2-77 involves change in service condition? If so what relief the workman is entitled to?"

2. The agreement dated 16-11-77 of the parties provides that the Arbitrator shall make his award within a period of 3 months or within such further time as extended by mutual agreement between the parties in writing. The parties, by mutual agreement signed on 19-9-78 had extended the time upto 31-12-78.

3. The parties in the award would be named as management and union.

4. The management and the union had submitted their respective statements dated 19-9-78 and 20-10-78 of the case respectively by endorsing copies to each other. Hearing in the case was held on 16-5-78, 19-9-78 and on 20-10-78. The arguments in the case were heard on 20-10-78. Mr. S. S. Sharma the concerned workman was examined by Shri Sabarwal and cross-examined by Shri R. P. Raizada. No documentary evidences were produced. But the management representative stated that they would submit documentary evidences regarding the leave position of Shri Sharma within 10 days from 20-10-78. So far the documentary evidences in this regard have not been received. Waiting for further period, it is considered would serve no purpose.

5. A short synopsis of the case would be helpful in analysing the pros and cons of the specific matter in the case referred to for my arbitration. Shri S. S. Sharma is working at Saugor Branch of Punjab National Bank in the subordinate cadre. He was officiating as Bill Collector now and then i.e. as and when vacancy had risen for the period from 1969 to 1972. After the death of Shri Daulat Ram, another member of the subordinate cadre who was working as Bill Collector Shri Sharma was permanently working from 1972 as Peon-cum-Bill Collector. The Manager, Saugor Branch of the Bank vide his letter No. 14752 dated 18-7-78 had recommended to his higher authorities that Shri Sharma would be designated as Peon-cum-Bill Collector. The Regional Manager's office at Bhopal vide their letter No. S/JR/Sub/5049 dated 1-8-72 permitted the Manager to designate Shri Sharma as Peo-cum-

Bill Collector. Since that time Shri Sharma was working as a Bill Collector. In the Month of February 1977 he went on 3 days casual leave. The casual leave application was not handed over by him in person to the Manager. It was reported that he had handed over it to his fellow workman for its delivery to the manager. Shri Sharma also did not wait for the sanction of the casual leave prior to his availing of it. After having availed the leave he reported for duty on 18th February, 1977; the Branch Manager did not allow him to work as Bill Collector. He had entrusted this work with Shri Manoosha with effect from 17-2-77 as he happened to be senior in service to Shri Sharma. Aggrieved over the discontinuance of work by Shri Sharma as Bill Collector and consequent stoppage of bill collector's allowance to him, the General Secretary, Association of Punjab National Bank Employees (MP) raised an industrial dispute before the Assistant Labour Commissioner (C), Jabalpur. As no settlement of the dispute could be arrived at, at the forum of conciliation the parties had agreed to refer the dispute namely whether stoppage of the bill collector's allowance to Shri S. S. Sharma with effect from 17-2-77 involves change in service condition and if so what relief the workman is entitled to had been referred to me for my arbitration.

6. The issues on which I have to answer is (a) whether the stoppage of Bill Collector's allowance to Shri S. S. Sharma with effect from 17-2-77 involves a change in his service condition. (b) If so to what relief Shri Sharma is entitled to.

7. Before I dwell on the examination of the case I have to mention that during the pendency of the arbitration proceedings, the management of Punjab National Bank had entrusted the duties of Bill Collector to Shri Sharma with effect from 25-7-78 by their office order No. 89/78 dated 23-7-78. On account of this development in the case the scope of my arbitration is limited for the period from 17-2-77 to 24-7-78.

8. The management of Punjab National Bank had not denied the fact that Shri S. S. Sharma was working occasionally i.e. as and when vacancy had risen in the capacity of bill collector from the year 1969 to 1972 and thereafter after the death of Shri Daulat Ram, from 1972 to the date he had proceeded on casual leave on a permanent basis. There was no denial of the fact that in all communications from Saugor Branch to the Regional Office at Bhopal of the Bank Shri S. S. Sharma had been mentioned as Bill Collector-cum-Peon. In the attendance register as well as in the salary bill also his name is recorded as Bill Collector-cum-Peon. The said allowance was paid through the regular salary bill; like any other workmen he was enjoying this allowance during his leave period too. In this connection I may quote para 5.10 of the Bi-partite Settlement dated 19-10-66.

"The special allowance would continue to be drawn by a permanent incumbent while on leave. A workman who is asked to work temporarily in a post carrying a special allowance would be entitled to such a special allowance pro-rata for such period during which he occupies that post."

9. No evidence was adduced before me to the fact that Shri Sharma was appointed as a permanent peon-cum-bill collector. At the same time no evidence was produced to say that he had not worked as a Bill Collector-cum-Peon continuously for a considerable period. No doubt he had been appointed only as a Peon, but by virtue of the fact that he was performing the duties of a Peon as well as a Bill Collector since 1972 continuously he should be regarded as a permanent incumbent of the post. It is brought to my notice that no one is appointed as Peon-cum-bill collector. Even Shri Daulat Ram on whose expiry Shri Sharma started working as a Peon-cum-bill collector had not been appointed as a Peon-cum-bill collector. The above facts clearly show that Shri Sharma is a permanent incumbent of the post of peon-cum-bill collector.

10. The argument of the Management that Shri Manoosha was senior to Shri Sharma and as such he was designated as Peon-cum-Bill Collector from 17-2-1977 does not carry any conviction. Shri Manoosha was senior to Shri Sharma not only from 17-2-1977 but also from 1969 and from 1972. A appointment of him as a Peon-cum-bill collector had been agitated by the trade unions. But due to his indifferent health and deficiency in English knowledge he had already given in writing to the management that he was not interested to work as a bill-collector. Besides, the management also found him

unit for the work. They could not produce any evidence either orally or documentary to the effect that he had improved in his health, efficiency and proficiency to make him fit enough to work as a bill collector. Even during the period when he was more or less on trial in the capacity of a bill collector from 17-2-77 to 24-7-78 his work was not found satisfactory. Only to deprive Shri Sharma from earning bill collector's allowance, Shri Manoos was posted as a Bill Collector. It was not on account of his seniority and claim of legitimacy he was posted to the post. The simple reason as stated by Shri Sabarwal was that the Manager of the Bank at Saugor was annoyed at the manner Shri Sharma had proceeded on casual leave. He expected that Shri Sharma should have personally handed over the casual leave letter to him and should have enjoyed the casual leave only once it was granted. In this regard I have to state that casual leave is a leave to be availed of on occasions which are unexpected or not anticipated. Had he given a little thought to the circumstances which led Shri Sharma who had an unblemished service of about ten years, to proceed on three days casual leave, the Manager would not have annoyed with him and would not have stopped him from working as a Bill Collector abruptly, on his return from leave. It is not always possible for a workman or for that matter to any one to get prior permission before proceeding on casual leave. In this regard clauses no. 13.23 and 13.24... of the bi-partite settlement is quoted below :—

13.23. Casual leave shall be non-cumulative except as provided in Clause 13.31 under sick leave. Ordinarily the previous permission of the sanctioning authority shall be obtained before taking such leave. When this is not possible, the said authority shall be informed as soon as practicable in writing or if writing is not possible, orally or through any person, of the employee's absence from work, reason thereof and of the probable duration of such absence. In any event a written application shall be submitted to such authority latest on the day the employee resumes duty. In no case will an employee take casual leave on frivolous grounds.

13.24. Casual leave is only intended to meet special or unforeseen circumstances for which provision cannot be made by exact rules. Holidays except Saturdays and Sundays shall not be prefixed or suffixed to casual leave without the previous permission of the officer granting such leave.

11. I very well appreciate the management's argument that they cannot afford to lose their clients or earn their displeasure on account of the negligence of a bill collector. The work of a bill collector has its own importance and is necessarily required to perform on a day-to-day basis. But no evidence had been adduced before me to show that Shri Sharma even from 1972 onwards was not functioning efficiently thus causing damage to the Bank. So it is not judicious to give weight to the arguments of the management to the effect that since Shri Sharma was not good at his work or was indifferent to work Shri Manoos was posted as a Bill Collector. The other issue raised by the management is that Shri Sharma was in the habit of absenting himself from duty and was indifferent to his work. They also stated that there were occasions that he had extended his leave as a result of which besides dislocation of the work of bill presentation, the bank's clients were put to inconvenience. A mere statement of the management like this without support of either oral or documentary evidence does not carry any credibility and it is not to be taken into account for deciding the attitude of Shri Sharma to his work.

12. The above facts would amply prove that Shri Sharma was fit enough for the post of bill collector and was doing the work occasionally from 1969 to 1972 and from 1972 as a permanent incumbent. Only on account of the displeasure incurred by him at the hands of the Manager he was arbitrarily stopped from serving as a Bill Collector from 17-2-1977. The action of the Manager is neither supported by custom or law. By virtue of the fact that Shri Sharma was working as a Bill Collector-cum-Peon continuously from 1972 and was drawing the special allowance attached to a bill collector, this aspect of his service becomes one of the conditions of his service. Payment of Bill Collector's allowance is one of the conditions of service, found in the IVth Schedule of the I.D. Act. Section 9A of the Act states that no employer who proposes to effect any change in the conditions of service applicable to any workman in respect of

any matter specified in the IVth Schedule, shall effect such change, (a) without giving to the workmen likely to be affected by such change a notice in the prescribed manner of the nature of the change proposed to be effected or (b) within twenty-one days of giving such notice. Provided that no notice shall be required for effecting any such change where the change is effected in pursuance of any settlement, or award. The change as referred to above had not been made as a result of a settlement or award. No notice of change has been served. It is evident that the Manager had effected change in the service conditions of Shri Sharma on 17-12-1977 without observing the legal requirements. The management have thus clearly contravened Section 9A of the I.D. Act, 1947. I am not dwelling on this subject in detail as contravention of Section 9A of the I.D. Act, 1947 by the management is not the specific matter referred to my arbitration. But this action of the management enables me to come to the conclusion that stoppage of bill collector's allowance to Shri Sharma has involved a change in his service conditions. The management themselves have realised that they had effected the change in the service conditions of Shri Sharma which would not be supported by law. So they had already engaged Shri Sharma as Peon-cum-bill Collector from 25-7-78. So I decide my first issue in the affirmative.

13. Before I decide the nature and quantum of relief I have to state that the period of relief is confined only to from 17-2-77 to 24-7-1978. On this issue the management were arguing that Shri Manoos had already worked as Peon-cum-bill collector and had been paid bill collector's allowance. For one post two persons could not claim allowance/wages. It would not therefore be prudent to extend the benefit of bill collector's allowance to Shri Sharma for the period when he had not actually worked. Apparently this argument seems to be plausible, but in labour jurisprudence we had to view it from the angle of social justice. Shri Sharma was deliberately deprived of his work as bill collector and consequently became the non-recipient of the allowance, attached to the bill collector. Not only the management had contravened the legal provisions but also had deprived of Mr. Sharma of his legitimate allowance due to no fault of him. Para 5.9 of the bipartite settlement which is quoted below, will lend support to this argument :—

"A workman will be entitled to a special allowance only so long as he is in charge of such work or the performance of such duties which attract such allowance. Whether a workman can be asked to cease to do such work or discharge such duties and consequently cease to draw such allowance, will depend upon the terms of his employment. For instance a workman who is employed permanently as a Head Clerk or Stenographer can not be deprived of his special allowance by asking him to work as an ordinary Clerk or asking him not to work as a Head Clerk or Stenographer. If, however, a recipient of a special allowance wants to give up the work or duties which entitle him to the special allowance, he shall, if his request is granted, cease to draw the special allowance."

I therefore answer the second issue as under :—

14. The entitled relief of Shri Sharma is the payment of bill collector's allowance for the period from 17-2-77 to 24-7-78.

There are instances even in Punjab National Bank wherein two persons had been paid allowances for a particular period when only one person had actually performed the work. Shri D. R. Bodhani who was working as a clerk in Sehore Branch of Punjab National Bank was superseded by Shri G. D. Agarwal. When this anomaly was raised before the appropriate authority, by mutual settlement Shri Bodhani was paid special assistance allowance for the days he was superseded by Shri G. D. Agarwal even though the latter was already in receipt of the allowance by virtue the fact he had actually performed the duties.

15. In view of the above Shri S. S. Sharma is entitled to relief as under :—

Shri Sharma would be paid all his dues connected with payment of special allowance from 17-2-77 to 24-7-78 and other consequential benefits arising out of it within a month from the date of receipt of this award.

Regarding the plea of the union for cost, I consider that the parties should bear their respective costs in the case and I decide accordingly.

Issued under my signature and seal on this 18th Day, of December, 1978.

K. SHANMUGHAVEL, Regional Labour Commissioner(C),
Jabalpur and Arbitrator.
[No. L-12012/128/77-D.II.A]

S.O. 355.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workmen over termination of services of 19 workmen, which was received by the Central Government on 2-1-1979.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 13 of 1977

In re:

Shri J. N. Bhayal, General Secretary, Rajasthan Bank Employees' Union, c/o Punjab National Bank, Station Road, Bikaner. . .Petitioner.

Versus

The Managing Director, State Bank of Bikaner and Jaipur, S.M.S. Highway, Jaipur. . .Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/131-153/76-D. II. A. dated the 8th February, 1977 made a reference u/s 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms :

'Whether the action of the management of the State Bank of Bikaner and Jaipur in terminating the services of the following 19 workmen w.e.f. the dates indicated against each is legal and justified ?'

SI. No.	Names of workmen and branch where served	Date of termination of service.
1.	Shri Gauri Shankar, Watchman, Sagwara	31-12-75
2.	Shri Gajraj Singh, Sub Staff, Partapur	31-3-76
3.	Shri Ram Lal, Sub Staff, Partapur	23-3-76
4.	Shri Som Nath, Sub Staff, Partapur	14-3-76
5.	Shri Laxman Lal Meena, Peon, Kherwara	14-5-76
6.	Shri Nand Lal Gadri, Watchman, Rajearmand	2-5-76
7.	Shri Chagan Lal, Watchman, Dungarpur	6-3-76
8.	Shri Roop Lal, Watchman, Dungarpur	10-3-76
9.	Shri Phool Shanker, Watchman Dungarpur Branch	15-3-76
10.	Shri Heera Lal, Peon, Watchman, Banswara	30-4-76
11.	Shri Gopi Lal Parashar, Peon/ Watchman, Kapasan	31-3-76
12.	Shri Ganesh Lal Baregams, Watchman, Kapasan	26-12-75
13.	Shri Yogesh Chandra Jha, Clerk/Typist Kushalgarh	20-3-76
14.	Shri Sant Kumar Jain, Clerk/Cashier, Dungarpur	31-3-76

1	2	3
15.	Shri Janardhan Trivedi, Clerk, Banswara	6-3-76
16.	Shri Arun Kumar Doshi, Clerk/Cashier, Banswara	2-1-76
17.	Shri Wahid Ali, Clerk, Banswara	18-4-76
18.	Shri Inder Lal Mandowara, Clerk/Cashier Kapasan	8-4-76
19.	Shri Mool Chand Baghmar, Clerk/Typist Kapasan	31-3-76

2. After receipt of the reference usual notices were issued to the parties and in pursuance thereof a statement of claim was filed on behalf of the workman. Thereafter an application dated 27-11-78 was filed on behalf of the State Bank of Bikaner and Jaipur in which it was stated that the State Bank of Bikaner and Jaipur and the State Sector Bank Employees Association have entered into the agreement whereby the matter in dispute and other matters have been settled. A copy of the agreement was also filed. Notice of the application was given to the union but no reply has so far been filed inspite of the opportunities given to the union. The application is supported by an affidavit of Shri T. N. V. Raman, who is the Manager (Personal Administration) of the Bank. This case was fixed for today but none has appeared for the union. In view thereof the statement of Shri T. N. V. Raman and Shri M. B. Dutta, Manager (Personal Administration) and the Managing Director respectively of the Bank were recorded. Shri M. B. Dutta is one of the signatory to the said settlement which is not exhibited as Ex. A-1. The affidavit of Shri T. N. V. Raman is Ex. A-2. In view of the application supported by an affidavit Ex. A-2 and the settlement Ex. A-1, I find that the matter in dispute has been settled between the parties and no dispute remains alive thereafter. The settlement has already been ordered to be recorded by my order of even date. As such a no dispute award is hereby made in this matter. Parties are however left to bear their own costs.

Further Awarded :

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated : 28th December, 1978.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
[No. L-12012/133-151/76-D. II. A.]

New Delhi, the 19th January, 1979

S.O. 356.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, Jaipur and their workman over termination of services of Shri Prem Singh, Subordinate Staff, which was received by the Central Government on 2-1-1979.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 11 of 1977

In re:

The General Secretary,
Rajasthan Bank Employees Union,
C/o. Punjab National Bank,
Station Road,
Bikaner, (Shri Prem Singh)—Petitioner/workman

Versus

The Deputy General Manager,
State Bank of Bikaner and Jaipur,
S.M.S. Highway,
Jaipur. —Respondent/Management

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12012/158/76-D. II. A dated the 3rd February, 1977 made a reference u/s. 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms:

"Whether the action of the State Bank of Bikaner and Jaipur in terminating the services of Shri Prem Singh, a subordinate staff w.e.f. 25-10-1975 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled in accordance with the provisions of section 25-F of the I.D. Act. 1947."

2. After receipt of the reference usual notices were issued to the parties and in pursuance thereof a statement of claim was filed on behalf of the workman and a written statement also was filed. Thereafter an application dated 27-11-1978 was filed on behalf of the State Bank of Bikaner and Jaipur in which it was stated that the State Bank of Bikaner and Jaipur and the State Sector Bank Employees' Association have entered into the agreement whereby the matter in dispute and other matters have been settled. A copy of the agreement was also filed. Notice of the application was given to the union but no reply has so far been filed inspite of the opportunities given to the union. The application is supported by an affidavit of Shri T. N. V. Raman, who is the Manager (Personal Administration) of the Bank. This case was fixed for today but none has appeared for the Union. In view thereof the statement of Shri T. N. V. Raman and Shri M. B. Dutta, Manager (Personal Administration) and the Managing Director respectively of the Bank were recorded. Shri M. B. Dutta is one of the signatory to the said settlement which is now exhibited as Ex. A-1. The affidavit of Shri T. N. V. Raman is Ex. A-2. In view of the application supported by an affidavit Ex. A-2 and the settlement Ex. A-1 I find that the matter in dispute has been settled between the parties and no dispute remains alive thereafter. The settlement has already been ordered to be recorded by my order of even date. As such a no dispute award is hereby made in this matter. Parties are however left to bear their own costs.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

[No. L-12012/158/76-D.II.A.]

Dated: 28th December, 1978.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 8 of 1978

In re:

The General Secretary,
Rajasthan Bank Employees' Union,
C/o. Punjab National Bank,
Bikaner. —Petitioner.

Versus

The General Manager,
State Bank of Bikaner and Jaipur,
S. M. S. Highway,
Jaipur. —Respondent.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12011/61/76-D. II. A dated the 11th January, 1978 made a reference u/s. 10 of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal in the following terms:

"Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur in terminating the services of the workmen as in the list enclosed on the dates mentioned against each was legal and justified? If not, to what relief they are entitled?"

2. After receipt of the reference usual notices were issued to the parties and in pursuance thereof a statement of claim was filed on behalf of the workman. Thereafter an application dated 27-11-1978 was filed on behalf of the State Bank of Bikaner and Jaipur in which it was stated that the State Bank of Bikaner and Jaipur and the State Sector Bank Employees' Association have entered into the agreement whereby the matter in dispute and other matters have been settled. A copy of the agreement was also filed. Notice of the application was given to the union but no reply has so far been filed inspite of the opportunities given to the union. The application is supported by an affidavit of Shri T. N. V. Raman, who is the Manager (Personal Administration) of the Bank. This case was fixed for today but none has appeared for the Union. In view thereof the statement of Shri T. N. V. Raman and Shri M. B. Dutta, Manager (Personal Administration) and the Managing Director respectively of the Bank were recorded. Shri M. B. Dutta is one of the signatory to the said settlement which is now exhibited as Ex. A-1. The affidavit of Shri T. N. V. Raman is Ex. A-2. In view of the application supported by an affidavit Ex. A-2 and the settlement Ex. A-1 I find that the matter in dispute has been settled between the parties and no dispute remains alive thereafter. The settlement has already been ordered to be recorded by my order of even date. As such a no dispute award is hereby made in this matter. Parties are however left to bear their own costs.

MEHESH CHANDRA Presiding Officer.

[No. L-12011/61/76-D. II. A]

S.O. 357.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workmen even termination of services of 34 workmen, which was received by the Central Government on 2-1-79.

New Delhi, the 17th January, 1979

Sl. No.	Name	Branch	Date of Termination
1.	Krishan Kumar Lokotia	Sri Karanpur	2.5.76
2.	Devi Singh Gahlot	Baletra	12.4.76
3.	Amrit Lal Parmar	—do—	8.5.76
4.	Shyam Lal Bohra	—do—	9.4.76
5.	Harish Kumar Sharma	Chandpole, Jaipur	27.2.76
6.	Suresh Chand Saini	Bankikui	20.4.76
7.	Madan Gopal Vyas	Mandore	27.4.76
8.	Rajendra Pal	Sri Ganganagar	7.4.76
9.	Swai Dan	Hanuman Garh	
		Town ADB	24.4.76
10.	Jagdish Chand Swami	Hanuman Garh Town	16.4.76
11.	Champa Lal	Pillibanga	31.3.76
12.	Parkash Chan Paliwal	Tajamand	15.4.76
13.	Prem Chand Jain	Malpura	15.2.76
14.	Rajendra Kumar Mehta	(Bikaner Stationery Department)	27.3.76
15.	Gyarsi Lal Kunawat	M.I. Raod, Jaipur	10.1.76
16.	Jita Ram	Pillibanga	21.3.76
17.	Ramu Dan	Anupgarh	April,76
18.	Prabhu Dayal Raigarh	H.C. Jaipur	5.3.76
19.	Miss Usha Jain	Chandpole, Jaipur	26.2.76
20.	Mangal Puri	Fatna	21.3.76
21.	Phanraj Jindal	Sriganganagar	16.4.76
22.	Amar Singh	Jalorigate, Jaipur	1.1.76
23.	Bhanwar Lal Khorwal	Balotra	29.4.76
24.	Sri Krishna	Jodhpur	29.12.73
25.	Ratan Lal Jain	Jaipur	1.1.76
26.	Hukma Ram	Didwana	5.4.76
27.	Nand Kishore	—do—	10.4.74
28.	Ram Swaroop Joshi	—do—	16.3.76
29.	Ashok Kumar Gupta	Pillibanga	21.4.76
30.	S.K. Mali	Bikaner	29.5.76
31.	Narayan Das Jajoo	Jodhpur	1.2.73
32.	Miss Pratibha	H.O. Jaipur	1.6.73
33.	Akhey Singh	Sumerpur	Oct.,73
34.	Ram Swarup Bansal	Hanuman Garh	28.1.76

S. K. MUKHERJEE, Under Secy.

(रोजगार और प्रतिक्रिया भवनिकेशालय)

नई विस्ती, 16 जनवरी, 1979

कांस्टा० 358.—केन्द्रीय रोजगार सेवा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पूसा नई विस्ती के सहायक रोजगार प्रधिकारी श्री आर० एन० विश्वास ने परिवर्प गंगाल सरकार में सहायक रोजगार प्रधिकारी के रूप में अपना प्रत्यावर्तन होने पर, 1 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से अपने पद का कार्यांमार छोड़ दिया है।

[संख्या : श्री०जी०ई० टी०-४३(44)/७८-प्रसा०-२]
के० एस० बरारौ, उप सचिव

DGET

New Delhi, the 16th January, 1979

S.O. 358.—Shri R. N. Biswas, Assistant Employment Officer, Central Institute for Research & Training in Employment Service, Pusa, New Delhi, relinquished charge of the post on the forenoon of the 1st January, 1979 on his reversion to the Government of West Bengal as Assistant Employment Officer.

[No. DGET-43(44)/78-Adm. II]
K. S. BAROI, Dy. Secy.

S.O. 359.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Dalmia Magnesite Corporation, Salem and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th December, 1978.

BEFORE THIRU K. SELVARATNAM, B.A., B.L.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS.

(Constituted by the Central Government)

Monday, the 18th Day of December, 1978

Industrial Dispute No. 17 of 1978

In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of M/s. Dalmia Magnesite Corporation, Salem.

BETWEEN

Thiru S. Krishnamoorthy, 6/13, Jaghir Reddipatty, Salem-636005.

AND

The Manager, M/s. Dalmia Magnesite Corporation, Suramangalam, Salem-5.

Reference :

Order No. L-29012/33/77-D. III. B, dated 30-3-1978 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on for final hearing on Monday, the 27th day of November, 1978 upon pursuing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvalargal V. Soundararajan and K. Palanichamy, Advocates for the worker and of Thiruvalargal T. S. Gopalan and S. Ranganathan, Advocates for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This is an Industrial Dispute under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of M/s. Dalmia Magnesite Corporation, Salem-5 and their workmen in the matter of the dismissal of a Canteen Supervisor Thiru S. Krishnamoorthy.

(2) The reference is as follows :

Whether the dismissal of Shri S. Krishnamoorthy, Canteen Supervisor, by M/s. Dalmia Magnesite Corporation, Salem, w.e.f. 6-9-76 was justified ? If not, to what relief is he entitled ?

(3) The Petitioner-worker filed a claim statement, wherein he states as follows : The Petitioner was a Canteen Supervisor and was drawing a salary of Rs. 350 per month. Prior to his dismissal he had worked under the Respondent-Management for a period of 7 years as temporary clerk and permanent Canteen Supervisor without any adverse remark. In recognition of his good service, he was confirmed as Canteen Supervisor on 1-4-1975. The Petitioner joined the I.N.T.U.C. Union in February, 1976. On his joining the Union, the Respondent-Management became inimical towards him and began to victimise him for his trade union activities. The Management had deliberately charged him for disobedience and neglect of work. An enquiry was ordered by the Respondent-Management and he was dismissed by the Management on 6-9-1976. The Enquiry Officer was biased towards the Management. The Petitioner was not allowed to get the assistance of a co-worker in the enquiry though he requested the Enquiry Officer for permission for assistance by a co-worker. Believing the words of the Enquiry Officer that no punishment would be inflicted on him, the Petitioner-worker did not adduce evidence on his side. On the other hand, the Enquiry Officer allowed the

Management Representative to adduce evidence. Thus the enquiry was wholly improper. The principles of natural justice have been violated in the enquiry. The evidence was false. In these circumstances, the dismissal was unjustifiable and the Petitioner-worker is to be reinstated with all back wages.

(4) A counter statement was filed by the Management, wherein they contend as follows : The Petitioner was appointed as a Canteen Supervisor on 11-4-1974. While he was working as a Canteen Supervisor, several complaints were received about the misuse of canteen coupons. On 10-6-1976, a memo was issued to the Petitioner requiring him to submit every day to the Personnel Manager the account of the Canteen coupons handled every day. The Petitioner failed to maintain the canteen coupon account and hence by a Memo dated 16-6-1976, he was charged with misconduct for wilful insubordination and disobedience of lawful and reasonable orders of the superiors and neglect of work. He gave an explanation on 18-6-1976 stating that between 9th and 13th June, 1976, he was in a perturbed state of mind and he forgot to submit the Canteen Coupon Account. He had also destroyed all the old coupons. The act of the worker disabled the company from verifying whether proceeds of the coupons had been realised or they were put to re-use. An enquiry was held into the charges and at the end of the enquiry, the Petitioner admitted the charges. The Enquiry Officer in his findings on 11-7-1976 held that the charges against him had been clearly proved. The worker was disobedient to the Assistant Labour Officer by not handing over the empty tins to the Company's driver and when questioned by the Assistant Labour Officer, the Petitioner shouted against the Assistant Labour Officer and the charge sheet was issued for his disobedience. He gave explanation to the charges. A separate enquiry was held into those charges of disobedience and the Enquiry Officer gave his findings on 26-6-1976. On the basis of those two enquiries, the Management felt that the proper punishment was dismissal and accordingly two show cause notices were issued to him. After hearing his representation, orders were passed on 6-9-1976 dismissing him from service. The allegation that the enquiry was unfair is equally untrue. Hence an Award may be passed confirming the dismissal order of the worker.

(5) On the side of the Petitioner-worker, the Petitioner himself was examined as W.W. 1. He narrated events leading to dismissal. In his evidence that he was a Canteen Supervisor from 1-4-1974 and also doing the other jobs of a Time Keeper. About 3000 persons were employed in the Factory. From morning six to evening six he used to do his duty. On 4-5-1976, the Assistant Labour Officer scolded him in the presence of workers and threatened to issue the charge sheet. He replied that the Labour Officer should not threaten like that for each and everything. The practice was that after writing the accounts he used to destroy the coupons at the end of every month. The destruction of coupons did not entail any loss to the Company.

(6) No witnesses were examined on the side of the Management. But documents were filed and marked as Exs. M-1 to M-67. On the side of the Petitioner-worker Exs. W-1 to W-9 were marked. Ex. W-1 dated 11-4-1974 is the appointment order as Canteen Supervisor.

(7) Now the point that arises for consideration is whether the dismissal order passed by the Management is illegal.

(8) To consider that question we have to go into the evidence adduced on both sides. He has stated that his prior conduct was good and he was victimised for his trade union activities. His statement cannot be true in the face of several warnings issued to him as evidenced by Exs. M-2 to M-7. Ex. M-11 is the charge sheet issued to the Petitioner-worker. The charge sheet discloses that he was instructed by the Assistant Labour Officer to hand over 7 empty tins to Shri Chacko, driver, in order to purchase provisions for the canteen, at the Chamundi Super market and he failed to inform shift workmen in the canteen to hand over the tins to the said driver on 4-5-1976. Again on 5-5-1976, the Assistant Labour Officer advised him inside the canteen to hand over the 4 empty tins to the driver and not to delay the matter and he retorted impertinently by shouting in the presence of the employees in the following words : " He was

not afraid of charge-sheet and by issuing charge sheet nothing can be done against him." Ex. M-12 is his statement denying the charge. Ex. M-14 is the Enquiry Proceedings and witnesses were examined on both sides. He has participated in the enquiry. The witnesses on the side of the Management were cross-examined. Ex. M-15 is the findings of the Enquiry Officer. He has written a considered order holding that the charges had been proved against him. As regards the dereliction of duty on the part of the worker is not furnishing the canteen coupon accounts and destruction of coupons, documents were filed on the side of the Management. Ex. M-17 is the memo to the Petitioner-worker calling upon him to send every day morning at about 9.00 A.M. to the Personnel Manager the accounts showing the total collection of coupons made in the counter the previous day. Ex. M-18 is the charge sheet. The charge is that in spite of Ex. M-17 memo he had not submitted the canteen coupon accounts to the Personnel Manager and thereby he committed misconduct and thereby disobeyed the lawful order of the superior. Ex. M-22 is the Enquiry Proceedings. Witnesses were examined on both sides the Petitioner-worker also participated in the enquiry. Ex. M-23 is the findings of the Enquiry Officer that the worker was guilty of the charge of wilful insubordination and disobedience of lawful order is refusing to carry out the instructions given in the memo dated 10th June, 1976. The omission to submit daily accounts with the supporting coupons for the period from 11th June would amount to neglect of work and found that the charges had been proved.

(9) It is contended by the worker that he has not been given opportunity to adduce the evidence on his side and he was misled by the Enquiry Officer was biased towards the Management. Such a contention is groundless in the face of his own statement at page 26 of Ex. M-22 that he was admitting charges against him and he had nothing to say. In the face of his own admission he was guilty of the charges. It is too late for him to say that he was not given opportunity to defend his case and he was misled by the promises of the Enquiry Officer. I find the evidence had been let in on both sides. Only on considering the entire evidence and in addition to the admission of the Petitioner-worker, the Enquiry Officer has come to the conclusion that the charges had been proved. Further I find that before dismissal order was passed, notice was issued on the proposed punishment and after considering the entire report of the Enquiry Officer and also the prior conduct of the worker, the Management had come to the conclusion that he should be dismissed from service. I find nothing illegal in the order of dismissal.

(10) As regards the quantum of punishment, I find the Management could have exercised some leniency in the matter by discharging him from service instead of dismissing him from service, as the dismissal will entail the denial of gratuity and other benefits which he is entitled for the services he had rendered. I find that he had worked as a clerk and he was working as a Canteen Supervisor from 1974 and it will be harsh to deny him the benefits he has earned for the services he rendered to the Company. Hence the order of dismissal is to be modified as one of discharge.

11. In the result, an Award is passed discharging the worker, so that he can claim from the Management the gratuity and other benefits which he had accrued to him for the services rendered to the Management.

Dated, this 18th day of December, 1978.

Sd/-

K. SELVARATNAM Presiding Officer

WITNESSES EXAMINED

For workmen

W.W.1—Thiru S. Krishnamoorthy.

For Management : Nil.

DOCUMENTS MARKED

For workmen

Ex. W-1/11-4-74—Appointment order issued to W. W. 1 (incomplete document—2nd page not found).

Ex. W-2/1-4-75—Confirmation order issued to W. W. 1.

Ex. W-3/6-9-76—Reply from W. W. 1 to the show cause notice proposing the punishment of dismissal.

Ex. W-4/11-6-76—Reply from W. W. 1 to the charge sheet. (copy).

Ex. W-5—List of canteen vessels handed over by W. W. 1.

Ex. W-6 series/5-10-76, 20-11-76, 28-1-77—Letters from the Union to the Regional Labour Commissioner (C), regarding dismissal of W. W. 1.

Ex. W-7/10-2-77—Letter from the Regional Labour Commissioner (C) to the Union regarding dismissal of W. W. 1.

Ex. W-8 series—Canteen daily profit and loss report for various duties.

Ex. W-9/1-7-77—Application u/s. 2(A) of the I. D. Act, filed before the Regional Labour Commissioner (C), Madras.

For Management

Ex. M-1/8-3-73—Findings of the Enquiry Officer.

Ex. M-2/24-4-74—Warning memo issued to W. W. 1.

Ex. M-3/23-5-74—*do*

Ex. M-4/13-9-74—*do*

Ex. M-5/16-10-74—Office order suspending W. W. 1 on 18-10-1974 on loss of pay.

Ex. M-6/30-12-74—Memo requiring W. W. 1 to submit explanation for his absence and changing rice for meals.

Ex. M-7/19-5-75—Warning order issued to W. W. 1.

Ex. M-8/10-2-76—Officer order requiring W. W. 1 to submit monthly statement of canteen profit and loss account.

Ex. M-9/14-4-76—Memorandum deciding to place the canteen under the personal charge of Assistant Labour Officer.

Ex. M-10/10-5-76—Report of Assistant Labour Officer against W. W. 1.

Ex. M-11/9-6-76—Charge sheet issued to W. W. 1.

Ex. M-10/10-5-76—Report of Assistant Labour Officer

Ex. M-12/11-6-76—Reply from W. W. 1 to Ex. M-11.

Ex. M-13/12-6-76—Notice of enquiry issued to W. W. 1.

Ex. M-14—Enquiry Proceedings.

Ex. M-15/26-6-76—Findings of the enquiry officer.

Ex. M-16/28-8-76—Show cause notice postponing the punishment of dismissal.

Ex. M-17/10-6-76—Memo issued to the Canteen Supervisor for sending the coupons with accounts to the Personnel Manager every day.

Ex. M-18/16-6-76—Charge sheet issued to W. W. 1.

Ex. M-19/18-6-76—Reply from W. W. 1 to Ex. M-18.

Ex. M-20/22-6-76—Enquiry notice issued to W. W. 1.

Ex. M-21—Canteen accounts Register.

Ex. M-22—Enquiry Proceedings.

Ex. M-23/11-7-76—Enquiry Findings.

Ex. M-24/28-8-76—Show cause notice proposing the punishment of dismissal.

Ex. M-25/31-8-76—Letter from W. W. 1 to the Management requesting further time to submit explanation to Ex. M-24.

Ex. M-26/1-9-76—Letter from the Management to W. W. 1 sending copy of enquiry proceedings and findings and granting time till 6-9-76.

Ex. M-27/6-9-76—Original of Ex. W-3.

Ex. M-28/6-9-76—Dismissal order issued to W. W. 1.

Ex. M-29/6-9-76—Dismissal order issued to W. W. 1.

Ex. M-30/30-1-78—Letter from the Government to parties deciding not to refer the dispute for adjudication.

Ex. M-31/30-3-78—Reference for adjudication by the Industrial Tribunal, Madras.

Ex. M-32/2-1-73—Letter from Subramani/Chinnappan requesting to pay wages for October and November (copy).

Ex. M-33/3-1-73—Statement of Thiru Sengodan/Chellappan.

Ex. M-34/3-1-73—Statement of Thiru B. V. Subramanian about the incident on 3-1-73.

Ex. M-35/4-1-73—Show cause notice-cum-suspension order issued to W. W. 1.

Ex. M-36/4-1-73—Statement of Thiru Subramani/Chinnappan.

Ex. M-37/5-1-73—Reply by W. W. 1 to Ex. M-35.

Ex. M-38/17-1-73—Notice of enquiry issued to W. W. 1.

Ex. M-39/20-2-73—Notice of enquiry issued to W. W. 1.

Ex. M-40/23-2-73—Letter from W. W. 1 to the Enquiry Officer requesting to drop further proceedings.

Ex. M-41—Proceedings of the enquiry.

Ex. M-42/23-4-74—Show cause notice issued to W. W. 1 for not supplying tea.

Ex. M-43/24-4-74—Reply from W. W. 1 to Ex. M-42 for excise.

Ex. M-44/21-5-74—Stock verification report of the canteen.

Ex. M-45/21-5-74—Charge sheet issued to W. W. 1 for not maintaining stock registers upto date.

Ex. M-46/22-5-74—Reply by W. W. 1 to Ex. M-45 for excuse.

Ex. M-47/10-9-74—Charge sheet issued to W. W. 1 for not bringing back the Thermal jar.

Ex. M-48/12-9-74—Reply to Ex. M-47 by W. W. 1.

Ex. M-49/23-9-74—Charge sheet issued to W. W. 1 for preparing wrong milk bills

Ex. M-50/25-9-74—Reply letter from W. W. 1 to Ex. M-49.

Ex. M-51/23-12-74—Report from Thiru A. Ammassi about the Canteen.

Ex. M-52/28-12-74—Reply from W. W. 1 to Ex. M-15.

Ex. M-53/10-5-75—Report against W. W. 1 about the incident happened in Laboratory.

Ex. M-54/15-5-75—Charge sheet issued to W. W. 1.

Ex. M-55/19-5-75—Reply from W. W. 1 to Ex. M-54.

Ex. M-56/28-1-76—Show cause memo issued to W. W. 1 for not submitting Canteen Profit and Loss Account for November and December, 1975.

Ex. M-57/2-2-76—Reply letter from W. W. 1 to Ex. M-56 and for excuse.

Ex. M-58/7-2-76—Charge sheet issued to W. W. 1.

Ex. M-59/9-2-76—Reply by W. W. 1 to Ex. M-58.

Ex. M-60/10-2-76—Office order issued to W. W. 1 directing to submit the monthly statement by 6th of succeeding months.

Ex. M-61/25-5-76—Office order issued to W. W. 1 directing him to surrender the unspent amount.

Ex. M-62/19-6-76—Memo issued to W. W. 1 regarding difference in accounts relating to Canteen coupons.

Ex. M-63/22-6-76—Memo issued to W. W. 1 calling for explanation about the discrepancies in canteen coupon account.

Ex. M-64/23-6-76—Reply by W. W. 1 to Ex. M-62.

Ex. M-65/10-7-76—Report of Thiru J. R. Muralidharan against W. W. 1.

Ex. M-66/16-7-76—Memo issued to W. W. 1 regarding daily canteen coupon account for 15-7-76.

Ex. M-67/24-8-76—Explanation of W. W. 1 to Ex. M-65.

Note : Parties are directed to take return of their documents within six months from the date of the Award.

Sd/-

K. SPLVARATNAM, Presiding Officer
Industrial Tribunal.

[No. I-29012/33/77-D. III. B]

A. K. ROY, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1979

कांस्ता० 360.—आनंद प्रदेश राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के बड़ (ए) के प्रनुसरण में श्री श्री० प्रशाप रेडी के स्थान पर श्री आर० श्री० कृष्णन, मन्त्रिव, आनंद प्रदेश सरकार, श्रम नियोजन और तकनीकी शिक्षा विभाग, हैदराबाद को कर्मचारी राज्य बीमा नियम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है :

अतः, ब्रह्म, केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के प्रनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना क्षमा का० आ० 1517 दिनांक 11 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, “(राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के बड़ (ए) के अधीन नामनियम)” शीर्षक के नीते मद 8 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात्—

“श्री आर० श्री० कृष्णन,
मन्त्रिव, आनंद प्रदेश सरकार,
श्रम नियोजन और तकनीकी शिक्षा विभाग,
हैदराबाद।”

[मं० य० 16012/2/76-प्र० आ० 1517]
हैदराबाद शायदा, उप मन्त्रिव

New Delhi, the 19th January, 1979

S.O. 360.—Whereas the State Government of Andhra Pradesh has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri R. V. Krishnan, Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Labour Employment and Technical Education Department, Hyderabad to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri B. Pratap Reddy;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1517 dated the 14th April, 1976, namely:—

In the said notification, under the heading “(Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4)”, for the entry against item 8, the following entry shall be substituted, namely:—

“Shri R. V. Krishnan, Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Labour Employment and Technical Education Department, Hyderabad.

[No. U-16012/2/76-HI]
HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.